राजस्थानी साहित्यकार परिचय-कोस राजस्थानी मासा, साहित्य बर संस्किति रा क्षेत्रां में काम करिएायां

साहित्यकारां घर वांरी रचनावां बाबत जाएकारीं]

रावत सारस्वत

राजस्थानी माषा साहित्य संगम (ऋकादमी)



प्रकाशकीय

राजस्थानी माता र बाहित्रकारां से एक गरियद-कोन खायण रो निर्णंद गी राजस्थान गाहित्य सम्मत्वी (संगम), उरव्युत्त, सात्र मूं मोक्का बरकां से नती तोत्रों हो, पण इसा कारण बर्णात नया के इस्त मन्य निरमाण पर अन्यात्रा धार्म बरक्ती गयो। तारने सात्र जद "राजस्थानी भाषा शाहित्य संगम (भनावमी) रो काम बीचनोर में सक्त हुंगो, कार्यसमिति इस्त में राजधोनिता में बाकतो निर्णंत कार्यों में स्त्रण में केंगो है खुरायों जाने मद रूप यो काम भी राज्य सारस्व, समित, राजस्यात्र भागा स्थार कार, जन्मर में प्रोची कार्य ।

मार्ग हरत रो बात है के जो सारकाजी, हाम में बसत कम रेवण रे जपाल मो मोरळी मेनत करणे हुए कोग में लगा कर दिनो किसो मार रे हामो में है। कोश पा मीरचन पेळा कराए से काम बनत-बनत पर हुवण रे कारण के हैं जोव दूरता है। वर्णो में किलो दूती पीपो में केळा कर खामाचण पी भेरा करीजती। केरा में मा गिरिकाह है के रहा कर मूर्ट में के सर्व मंदि मुंद सवस्त्रा माळी कमी दूरीजी है घर पाजसानी साहित्य घर साहित्यकारों हूं जाएकारों भावण मार्जी रे साहर काम मार्गो कोरो हुतायों है।

के साहित्यकार मंत्रु इस्तु पृश्तक में भेला मीं हुयोड़ा मांशो से पूरी जाएकारी भर हुना मुक्तान "राजस्थानी मापा साहित्य संगत (सकारमी)" रे कार्यागत में श्रेजस्य री किरण करती तो वां पूंगीको आध्यां जरूर खायरी जठावसा पे चेतर करीजती।

थी लाल न. कोशी

मानव मन्त्री राजस्थानी भाषा सःहित्य संगम (अकादमी)



पोथी बाबत

राजस्थान रा साहित्यकारां से परिवय-कीश निकाळलें से बात बरतां तूं 'राजस्थान साहित्य मकारमी, उदयपुर' रा कायदों ने उळकी रेगी। बीती बातां से वरूपा में मीं था'र शुरु बात से खुबी होशी भाईन कै 'राजस्थानी माया साहित्य एंग्य (बातसी), बीकानेट रें रहा बात ने पार पहुंगी से यानी घर जुली से प्रो नतीचों है के श्री यान प्रापस हायां में है।

दाय रा हुन्देक नांचां वाबत जाएकारी व्यवपुर संकारणी दे व्यवप्र कारों सूं जेडी करोजी है। यह काम री मोळासण उपयपुर स्वारणों मने हो तो एक धी सूं सूं जार शांचां थे एक धीर कहिंग्स्त वणार विराय महार करें मध्याया। राज्याचारी या जाहित्यकारों थे सा सावा महत्यांगी रंथी के बर-बर हुवारा भी मां मूं विराय मोणा हो वे निजा माराजनी दिखाये नेवां थे थि क्या करी। केर भी स्वेत साहित्यकारों रा विष्य हुण योधी में आते हों से पाया जिए से सकती देती। कार्या वरिष्य मंतवार केळा तो कर्या वा सर्वे हु, एण कान में नातावार होवाण साजी देरी सर पणाचरा नेवानों रा विराय दुराणा पढ़वा देवार से कोज मुस्त सारावण मी बात वह हैं। एण वास्त्री निजा सर निवानिकार परिषय मित मातावारी कर से दिखारी करता वार्य करता

परिवय-कोशा रे मानीबर्ड वरीके बूं ने ब्रा पोपी खराईनवी हो सारा रा सारा परिषय 20-30 पानों के बा बाता । हुए बाहर्न एक पाने पर दो परिषय खरावरी दे तरीके परवाणी घर हुर लेलक रे परिषय में बायुक्तरी रा विदेशना सारचार खराया पढ़ या । वे दिना विदेशनों रे आखाशरी मांच खराविको हो भारतार पाली होंटे हो कहे हो।

प्रकारमी वाली सु जिका परिवर-पर वरवार वंगवाना यस वा से राजरवाली घर हिन्दी से स्वतावों से कोई भेद कोनी रावरों गयो । इस वास्प प्रकेष जनावों पर भी जरम देशों के कलासी योथी या स्वता राजस्वाली में है या हिन्दी में । जर्ड-अर्ड म्हारी निजी जाएकारी ही, उस मुजब तिल दियो, पस प्रतेक बार म्हारी मजबूरी सुंगळतियां भी रैयी हवें, इसी संभावना है ।

म्हारो विचार है के ज्यां सावियां रा परिचय हुए दोषी में भी जा सक्या सां मुं 'तुर्त व्याफ़करी भांजबार जावे घर एक ज्यारो भीगो में श्वारी जावें । स्वारें संदाब हाल एक सो मूं जबर लेखक सीर है ज्यारा परिचय प्रधान आएता चारी इसा सूर्दियों नांचां री एक शिव रहा योगी रें तारें देवए री विचार हो, उस्त वा मूं कोई लाल सिद्धि मी होती देश को विचार शक्त दियों। वा सामियां में ग्यारा परिचय पत्र भेजमें जाएकारी भीको करास री शेला करीजनी। केर भी कोई सामी उस्त कारा री बाद देवना विना भी जाएकारी भेजली री किया करें तो पूर्ण हुस्स री शाह में । जाएकारी रा सिर्दानां नीचे मजन त्रीला चारिके---

1—मांच 2. सिवा 3. जनम-तिथि घर स्थान 4. मोहूदा काम-पन्यो 5. घट्योही राज्यसानी पीविया (बाज, पहण रो यस्त, विवस, प्रकासक, मील—पावस्थानी पीविया हूं मताच राजवानी माता, साहित्स पर रिक्किट रा विवसां पर राज्यसानी घर हिन्सी दोनां में सिवसीनी पीविया हूं है। पण रण बात रो विकर पोधी दे सार्थ जकर कर दियो वाणो पार्ट्स 1) 6—पन-निकास में घट्योही रपनायां—(क्रमर रो मुक्क रपनायां घरण रो आण्यसारी प्रदास होते होते होते हैं प्रमाण प्रकास कर प्रकास के प्रमाण प्रकास कर प्रकास के प्रमाण प्रकास कर प्रकास कर प्रमाण प्रकास कर प्रकास कर प्रमाण प्रकास कर प्रकास कर प्रमाण प्रमाण प्रकास कर प्रकास कर प्रमाण प्रमाण प्रकास कर प्रमाण प्रमाण प्रकास कर प्रमाण प्र

'वे मां तिरंतांवां सू' परवार भी कोई जालकारी देवली जरूरी हुवे ही। उल बाबत सफाव जरूर भिनवावल से किया करें ।

, कीछ र संपादन में पूरी जेवटा करी है के बिना कोई जात री निया-लुति रे कीरी वाएकारी मात्र दी जारें। जरें-जर्द कोई बात सरकाम्य है जह में जहर तिवारी है। एक बार बहुत मुक्त हैं। कीशीय है कोई है। कर भी, जाएं-सहावर्षि कीई इसी-विशो बात निकारणों हुने हो। संपादक रेंगात को सोत खाएं है पानों जीई केलों करें सीचूं सरहा सी बारों साह सो बाई लोजती ने सुवारणों से पूरी में की में माने की इस परिचय-कोस पूंपक बड़ो फायदो थी भी होशी के राजस्थानी में कीय राजिस्तान बासानी धूं सोगां सूं सिसा-यदी कर सकसी थर साहित्यकारी मैं भी खापसरी में परिचय करता री सुविधा मिलती।

पानकानी माना साहित्य संगम (धकावनी), नोकानेर मान्यो बराजा है से संग्रं में हैं, पानी शिकातों रे पहता पको, सो कोस सर हुनी कहें तीषवा स्वारी, या एक मही नात है। कीस से स्वार्म में हुन्या पानी देशे में संगम पा सरसी जिल्ल कराया मूं बरासत करों, या मी सारीफत्ती है।

> रावत सारस्वत संवाहक

माव : धनरचन्द्र नाहटा

सिक्ताः : साम्रारल मासा-म्यान

पनम-तिथि धर स्थान : चैत बदी 4 संबत् 1967 वि., बीकानेर

भीजवी काम-मन्यो । व्यापार, साहित्य-साधना

धानुदा काम-वन्या र स्थापार, साहस्य नामा धव्योदो योचिया : सम्राप्ट नार, राजस्यानी साहित्य की गौरवर्पूण परंपरा,

ध्याकृत्याच्याः सभागृत्यारं, राजस्याना साहत्यं का नारवपूर्ण परपरा, युग्रप्रधान जिनवण्डसूरि, जिनवलसूरि, जुलसतूरि झाद, वीकानेर जन-लेख संग्रह; सवादन कर्योड़ा दूजा सनेक सौर प्रांत है

पत्र-पत्रिकार्या में छाप्योड़ी रचनार्था: कोई तीनसी मेड़ी पत्र-पत्रिकार्या में करीब तीन हजार सेख छप्या है

दूनी सुबनावों : जैन दिशहाग रतन, विक्रोन्ताचार्य घर विद्यायारिक्ष से सम्मानित वर्गाधिया संस्थानी घर सन्तेतवां में दिरोजी—कत्तवतां विव्यविद्याला, साहित्य-संस्थान, व्यवपुर घर मध्यप्रदेश साहत्त साहित्य वरिषय में पोण्या रै साकार रा राजस्थानी साहित्य संबधी भागस्य विद्या-साहत्व राजस्थानी रिवर्ष रहरतेत्व्यूट, बीकानेर सा विदेश रुपान-मध्य जीव प्रत्यावता संतु मोही तीलानी घर प्रकारातु-संस्थान चनावै-देश सा मनेक पत्रा रै संवादक-संबळ रा

सदस्य सबीव री ठिकालो : नाहटो री युवाड़, (श्रीकानेर-राज.)

मौजूदा ठिकामो : मूपर युजन

नाव : प्रजीतसिंह 'बंद'

सिला : स्नातक, फिजिकस एज्यूकेसन रो डिप्लोमा

कतम-तिवि कर स्थान : 24 फरवरी सन् 1947 ई॰, राखी यांव (नागीर-राज॰) भीडवा काम-वन्यी : प्रध्यापकी

पत्र पतिकानों में छत्योड़ी रचनायों : राजस्थान री पत्रिकाना में कविता, कहासी निवंब बाद।

सशेव रो ठिकासो : मु. यो. रासीमांव (छोटी साटू-नामीर राज.) मोजुबा ठिकाणो : मुपर मुजन नांव : ग्रन्ताराम 'सुदामा'

सिक्षाः एम. ए.

जनम-तिथि घर स्थान : माह बदी 9 संबत् 1980 वि., बीकानेर

मौजूबा काम-धन्यो : ग्रन्यापकी

खप्योड़ी पोषियां । मैकती काया मुळकती घरती (स्वत्यास-1966), रिरोछ में कुत्ती स्याई (कविताबां-१९६९) सांधे में आंस्यां (कहाणियां)

षत्र-पश्चिकार्वा में अध्योको रचनावां: राजस्यान-मारती, वातायन ग्राट पेत्रा में रचनावां अपी

सदीव रो ठिकामो : सदयरामसर (शीकानेर-राज-)

मौजूबा ठिकाको : धूपर मुजब

मौत्रहा टिकाली : धपर मुजब

नांच : क्रवीरचंड योजा तिका : वी.ए., एत.एत.जी. जनम-तिथि जर स्थान : 29 विकावर वन् 1934 ई., कोरियो (क्रवीदी-वीचपुर) सीनुदा काय-याथी : पत्रवादानी सोल-क्या बाठा थाय 1-3 पुत्री जावकारी : हिन्दी में कहारियां वर सालकावां री सलस्यो रचनावी कृती कार्या होन्दी में कहारियां वर सालकावां री सलस्यो रचनावी कृती कार्या होन्दी में कहारियां वर सालकावां री सलस्यो रचनावी नांव : प्रस्तुत कावारकां मानव बीकानेरी'
ितता : बो.ए; बी.एड., बो.भी. एड.
जनस-तिंव पर स्थात : 23 दिख्यत्वर सन् 1928 हैं,, बीकानेर (राज.)
भोजूरा कारा-पायो : ध्यापारकी
प्राप्तकी रचनाको : प्राप्तकानी गीत
हुनी सुचनाको : जपार्यस, सोहित्य-वाक्षण केन्त्र, मनूता (धववेर)
साथैक रो दिख्यों : साहत्वन सुवाद र जा, मनूता (धववेर)
साथैक रो दिख्यों : स्वाहत्वन सुवाद र जा, जीरांग रो मोहरूलो, सीकानेर

भौज्या ठिकाणी: अनुदेवक, राजकीय एस.टी.सी. स्कूल, मसुदा (धजनेर राज.)

नांद : धनोल रुकाव वाणिड़ किता : युग. ए., थी. एट. कनव-तिथि घर रुवाव : 10 नवदर तन् 1933 ई., विवास (भूभाजू राजः) भौजूत काल-पायो : सम्यापडी वज-पांच ताल के स्वापी रिकासां : वरसा, सरवाएं), सादेवर पारि पत्रा में रेता-क्यां काल के स्वापी रे प्रदेश के निवास (क्ष्मां स्वाप् रुकाक सरोब रो डिकासो : जमनो रे परंद रुकी विवास (क्ष्मां स्वाप् राजः) भोजसा डिकासो : जमनास्मारक, साव उठ आ विद्याल, क्ष्मों समोजस

(मृंभलं-रावः)

नांव : घम्बालाल भावसार 'भावुक'

सिसाः वी. ए.

जनम-तिथि धर स्थान : 24 मार्च सन् 1939 ई. उदयपुर (राज.) श्रीजवा काम-बन्यो : पत्र-प्रकासल, यह्यापकी

माजूबा काम-धन्या : पत्र-प्रकासता, श्रद्याप

लप्योड़ी पोवियां : वो टावर (1964)

पत्र-पत्रिकारवां में छत्योड़ी रचनावां : मधुमती, ब्रोळगो, बर दूजा दैनिक प्रर सारताहिक पत्रा में फटकर रचनावां

साएदपी रचनावा : दारू रो प्यानी (पद्य)

दूबी बाणकारी : 'सेलक संस्थान', 'जदयपुर कवि सम्मेलन एवं मुताबरा समिति',
'जदयपुर पत्रकार संग' रा पदाधिकारी—हिग्दी ने कई मएखरी
पत्र-गत री पोनियां

सदीव रो ठिकाखोः 602/10 हाथोगोळ संदर, उववपुर (राजस्याम) भीजदा ठिकाको : स्वयर मजब

anger contrar : Marc 3-

नोवः धंयू शर्मा

सिक्ताः एन,ए., सा. २१न जनम-तिथि छर स्थानः 5 नवस्वर सन् 1934 ई, फूंफलूं (राज्.)

मौजूबा काम-यन्यो : प्रस्वापकी

मादूर्वा काम-वाच्याः सम्यापका सुन्योको पोवियाः विष्णु सहस्रभाग (1966) म्हामारत सतसई (1966) बोह् हजारो (1971)

वत्र-पत्रिक्षाचा में द्वन्योड़ी रचनाचा : 'मोळपो, थे बाल्गीकि रामायता रै घनुवार पा संव

श संस दुजी मुखनार्था : साडेसर, व्हारो देव, नरवर, नैखसी —पत्र पत्रिकार्था रो संपादन

सदीव रो टिकाको : भू भरणू (राजः) भौजदा टिकालो : 1. वागीगित्रघाट स्ट्रीट कलक्सा-3 मोद: प्रश्रुमताल कुमृद

सिक्ता : साहित्यरात्न, शास्त्री

सनम-तिथि धर स्थान : 1 जुलाई सन् 1926 ई., ठाकरहा (हूं गरपुर-राज.)

मोजुरा साय-धःधो : धध्यापकी

मध-यिकायां में खत्योड़ी रचनावां : 'वागड़ी साहित्य की नायिका' (वाग्वर, 1968)

प्रतास्त्रवी रचनावी: वापड़ वानिवृति (वानड़ी व्यावरण) वागड़ी सबदकोस, वानी भी फरक (वागड़ी रख)

हुवी जानकारी : हिन्दी में 'उपा' गांव रो काश्य खप्योही सदीब रो ठिकाची : गांव-पोस्ट टाकरडा (ड'नरपुर राज.)

सदाव रा विकासाः गाव-पास्ट ठाकरका (ह नरपुट रा

भौतुश ठिकास्तोः सप्यापक, राजकीय उथ्य प्रायमिक विद्यालय, बरश (हुंभरपूर राज-)

भाव : सरिवनीकुमार विश्वीता 'कुमार'

सिका: एम.ए., सा. रतन

सनम विधि घर स्थान : 6 मार्थ सन् 1930 ई; विजीळिया (जीलवाड़ा-राज,)

भौजूश काम-मन्यो : सव्यापकी

धलुद्धपो रचनावाः दो हम एक मम (कविता सवी)

वृक्षी सुषताथा : हिन्दी ने बहारो, कविता, ग्रेकीकी वर धालोचना रो क्यार पोविया रवार है। पत्र-पत्रिकायां में छपी घर धालासवासी मूं भी रचनावां प्रसारित

सबीब रो ठिकालो : कुमार साहित्य सदन, विशोक्तियां (श्रीसवाड्ग-राव.) श्रीद्वरा ठिकालो : वरिष्ट खम्बापक, राज. उच्च. था. वि. श्रीनवाड्ग (राज.) नाव : भ्रसयसिंह रानु

सिसा: साहित्यभूषण्, सा. रत्न, कविरत्न

जनम-तिथि घर स्थान : 24 दिसंबर सन् 1910 ई॰, जिला धनवर

मौजूदा काम-घन्यो : राजसेवा रा पेंसनर

रचनावां छपी

दूती सुचनावी:--- झलवर रियासत रा राजावों घर घनेक संस्थावों सूं सनमान प्राप्त-माकासवाखी सूं घनेक बार रचनावों प्रसारित

सदीव रो ठिकाणो : प्रश्नव कुटीर, पारीक कालेश मार्ग, बनीवार्ड, वयपुर-6 . मीजूबा ठिकाछो : सूपर मुजब

भांव : साम्याचन्द भंडारी सिला : एम.ए. (हिन्दी-पंत्रेजी), पीएच.डी.

सनम-तिथि घर स्थान : 17 मार्थ सन् 1921 ई., जीवपुर (राज.) सीजवा काम-मन्धी : सीनियर टी.डी.ई. उत्तर रेलवे, जीवपुर

स्त्योड़ी वोवियां : वन्नायाय (नाटक 1962) देस रै वास्ते (गुकांकी 1967) वन-विश्वादा में स्त्योड़ी रचनावां : वयुगती, राजस्यानी बीर, सरस्वती, बाडावर्ग

वन्न-पित्रकार्यों में घ्रत्योड़ी रचनार्था: संपुत्रती, राजस्थानी बीर, सरस्वती, बाताय घाद में सेख, कवितायां, एकांकी, कहाणियां

सदीब रो डिकालो : मुनारा रो बास, जोबपुर-3

भीजूबा ठिकाची : सूपर मुजब

नांव : द्वासमशाह सान

सिक्षाः एम, ए. पीएच. डी.

कतम-तिवि-बर स्थान । 31 मार्च सन् 1936 ई॰, उदयपुर (राज.)

भौतुश काम-चम्धो : हिन्दी प्राध्यापक, उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर

द्युप्योड़ी पोषियां : राजस्थानी वचनिकाएं (1964)

क्त-पत्रिकाको में द्वप्योहो रखनाको : मारतीय साहित्य, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, मुक्ता, परिषद् पत्रिका, सारिका, नखलिस्तान, ना. प्रः

परिषद् पात्रका, सारिका, नलांतरतामः, नाः प्रः पत्रिका, बीसवीं सदी, सम्मेलन पत्रिका, परम्पदा, समुमती साद में हिन्दी छदू-राजस्थामी रचनावां

भ्रामुची रचनाची : बंसभास्कर-साहित्यक सम्ययन (पीएच. डी. रो सोध-प्रशंघ) सबीद रो डिकालो : ज्यालवाडी, उदयपुर (राज.)

भीजवा विकाली : मुपर मुजन

नंव: बाद्या सर्माः

सिका: एन. ए., बी. एड.

स्वन-तिथि प्रर स्थान : लाडन् (नागोर-राज.)

भीजुदा काम-घन्यो : यध्यापकी

धुप्योड़ी पोवियां : चन्दावरणी (कविता सब्रं) 1973

देशी सूचर्गायाः कवि-सम्मेलनां में कविता-पाठ कर्यो, काश्य संकलनां धर पत्रां में रचनावां छपी

सदीव रो ठिकाणो : वसुंघरा, बगड़ (सूंभरणूं-राज.)

मीवृश ठिकासो : प्रधानाध्यापिका, कन्या विद्यालय, मलसीसर (मू ऋणू -राज)

र्माव : ईरवरदान ब्राशिया

सिकाः हिम्दी, ग्रंथेची, मराठी, गुजराती, अगला, संस्कृत खाद प्राप्तावी 'री साधारण व्यान

सम्म-तिथि चर स्थान : ग्रासाट बदी 8 संवत 1952

मौजूदा काम-वन्धो : सेती

छ्प्योड़ी पोषियां : वीरसत्तसई (सह-संपादन)

ग्रलखपी पोषियां : कुटकर काव्य

हूजी सूचनावां : 'राजस्थान-सेसरी' (वर्षा), 'वारण' मासिक रो सम्पादन--पानकावां में राजस्थानी सम्बन्धी सेस झाड सूच्या

सदीय रो ठिकाको : गांव मेंगटिया, बाकपर बीजलीस (नावदारा-उदयपुर राज.) मीजूबा ठिकाको : भूपर मुजब

नांव : उदयवीर शर्मा

सिक्ता : एम. ए., बी. एड., वीएच. थी.

चनम-तिथि सर स्थान : 4 जून सन् 1932 ई., विसास् (फ्रूं फलूं-राजः)

भीजूबा काम-यन्थो : सध्यापकी

क्ष्योद्दी वीचियां : विरथीराज-मुरनां (लीव-कास्य) वज-पत्रिकासं में ख्रय्योदी रचनानां : वरत, ताटेवर, सावता, ज्योति, जसमगी राज-मारती, मरनाणी, सबुनती साद पत्रिका में करिता, नहाणी, एकोकी सर संबंधनां

भेळी कर्योड़ी रचनावां

भ्रालुद्धवी रचनावाः राजस्थानी वत-कमानां (2-3-4) लंड, वनकाव्य, लोकपीत सोक-कमानां, नाल-कथानां

बुनी सुचनार्थाः सानस्थान साहित्य समिति, विद्यापु रा उपनंत्री-जनपदीय साहित् सम्मेसन, सहमरावड् (सीकर) री कार्यकारिको रा सदस्य सुसाबाटी रैहिन्दी-राजस्थानी साहित्य पर सोच-प्रबंध निस्यो।

सबीव रो ठिकालो : विद्याम् (मू मागू-राव.)

स्वाद र १००० : वर्ष्य प्रध्यापक, राज. उच्च माध्यमिक विद्यासय, राणीभी (वीकर-राज.) नोव : जमामंत्रर प्राचार्य तिवता : वाहित्यवास्त्री, प्रापुर्वेदायार्थ व्ययन-तिषि चर स्थान : वंपविष्ट गुडी 13, चंत्रत् 1979 वि., वारानगर (चूल-राज.) मीजुदा क्षाम-प्रग्यो : वैदाक

भावुरा कारण्या : वयक व पत्र-पत्रिकाचां में सुच्चोड़ो रचनावां : जनममोम काव्यांक में खुरी ख्यादां पोषियां : धोतांबकों रो राजस्थानी मनुवाद दूसी सुचनावां : सायुवेंद-संबंधी पीरियां छुरो है सुदीव रो किलाओं : संकर सायुवेंद मनम, तारानगर (पुरू-राज.) मोतुरा किलाओं : सुपर मुजन

मांद : अभिला वैची शर्मा

भिका : एम. ए. (इतिहास-संस्कृत), पीएव. दी.

स्तम-तिथि घर स्थान : 2 प्रश्नुवर सन् 1934 ई., नवीवावाद (विज्ञानीर-उ.प्र.) भौजुदा काम-सम्बो : प्राध्यापक, राजस्थान विश्वविद्यालय, वयपुर

भोजूबा काम-बन्धाः प्राध्यापक, राजस्थान विकायिद्यालय, जयपुर पत्र-पत्रिकायो में छन्योड़ी रचनायोः राजस्थान-विकास, धर्मयुग छार यत्रां घर कई धर्मा में क्षेत्र, सोक-कवा

दूबी सुचरांचा : रेडियो घर मंच मूं राजस्थानी कवितायां रो पाठ राजस्थान निवर्गवासय मूं एम. ए. में सब मूं देशो प्रेको सारू पुरस्कार घर प्रमास-मत्र सर सेमीलार में पहलो पुरस्कार-पंराजस्थानी

पुरस्कार वर प्रमाण-पन मर सातागर म पहना पुरस्कार-'राजस्थानी मासा घर संस्थित है। वैदिक उत्तर' पर सोच घर हो. तिट्, सावर 'बतपय काहाणुं' से घन्ययन पानु सतीय रो किकालो : सावकृटीर, भेगासपुरा, दुर्शपुरा सेड, बयपुर-≉

भौजुदा ठिकालो । सपर सुजन

र्नाव: बोम पुरोहित

सिक्षा : इ'टरमीजिएट

जनम-तिथि धर स्थान : 25 फरवरी सन् 1947 ई., नवलगड़ (मूं फर्णू-राजः)

भौजूदा काम-यन्यो : निजी सेवा

स्वयोड़ी पोषियां : विखहारी (गीत-संग्रं)

दूती सुचनावां: पत्र-पत्रिकावां में रचनावां खपी सर सम्मेलनां में कविता-पाठ कर्यो

सदीव रो ठिकाछो । नवसगढ़ (सू भ्राणू-राजः)

मौजूबा ठिकालो : इंग्डिया फायर त्रिवस एण्ड इन्सुनेशन कं. लि., 139, मेडोब स्ट्रीट, क्षेकसरिया चेंग्वर्स, फोर्ट, सम्बई-11

मांव: स्रोमनकाश माटी

तिला : एम. एससी.

बनम-तिथि बर स्थान : 7 वह तन् 1948 है, बदवपुर (राज.) रचनावां : काम्य-संकतनां घर पत्रां में खरी-मएख्यी नहें सैकी री पुटकर कवितायां सभीच री ठिकालो : 8/379, वर्णन पाटी, वरकपुर (शव.)

सक्षीय रो डिकालो : 8/379, गर्गस पाटी, वरवपुर (शक् मौतुरा डिकालो : धूपर मुख्य मोव : सोंबार वारीक

सिला : भी. ए., हिप्लोमा (सहकारी शिक्षा-प्रशिक्षण)

अनम-तिथि घर स्थान : 26 गार्च सन् 1934 ई., बीकानेर श्रात्र.)

मीतृश काम-पन्नो : सहायक सचिव, राजस्थान साहित्य बकादमी, उदयपुर सुन्दोत्री पोषियो : बोरपांस (1968)

यत-प्रिकाश में ख्योड़ी एसनावां:हिन्दी घर राजस्थानी पत्रां में कविवादां, कहालियां रा मनुवाद धर लेख धाद री बकासल

दूबी सुवनावा : सहकारिता सबंधी तीन हिन्दी चोषिको घर 'एक वंस घाकार' नाव सु' हिन्दी काव्य प्रकाशित, 'संहितर' बीकानेद, 'त्रिवीविया' घर 'राजस्थानी साहित्य प्रतिष्ठान', जववपुर दी स्थापना

सबीब भी ठिकालो : सोनविशी से बूबो, बीवानेस, (शब.) मीत्रश ठिकालो : ए. ३२, वृदासपुरा, बदयपुर (शत.)

नांव : कमर संवाशी

सिला : हमडी सह

बनव-तिथि घर स्थान : 11 जुलाई सन् 1939 ई., क्रांबरीली (राज-)

मीतुरा काम-मन्द्रो : मध्यापढी

दोष्पड़ी रचनावां : 'जब बदाता देव' घर राज्यवान र तिहा विचान री सर्थ-पोधी 'काळा' मे-कवितावां सरी

वत्र-विश्वनावां में द्वाचोड़ो रवनावां : 'बोळमो' बर 'घरावसी' में पुटकर रचनावां द्वरी मलद्वती रचनावां : 'विज्ञोह की बोची' नांव की कोची

दूबी मुखनावी : तरण खाहित्व संवय, राजसमद री वादना---'सबोबन' पविद्वा रा सपादक --हिन्दी काम्य सपह प्रवासित

सरीय री टिकाफो : "संबोधन" व बातिक, बांकरोनी (उदयपुर---शायः) भौदूरा टिकाफो : यहर सुबन नांव : कमला ध्रवनात सिता: बी. ए., बी. एट जनम-तिथि पर स्थान: 15 मन्द्रवर तन् 1932 ई., उदवपुर (राज.) मोजुरा काम-पाचो. मध्यापकी ध्रम्मोड्डी पीषिया: राजस्यानी भारणी साहित्य (1959) पत्र-पत्रिकासा में घ्रम्मोड्डी रचनायां: वास्तर, सोध-पत्रिका घाद धनेक पत्रा में स्थी सभीव रो हिकालो. कमनासन, 179 प्रमोकनगर (रोड नं. 12) उदवपुर (राज)

मौजूबा ठिकाए): प्रधानाध्यापिका, राज. कन्या. साध्य. विद्या., शोडल, (श्रीलवाडा-राज.)

तांव : कमला वर्गा शिला : टी. दी. ती. जनस-तिर्थ घर स्थान : 1 जुलाई तन् 1941 ई., बीकानेर (राज.) भौदुरा क्षान-वर्गा : मध्यापकी एक्सावं : स्थाय-सकतन बार पत्रां ने सुनी-सहाक्षणी कुटकर कविद्याला भौदुरा क्रिकाणो : राज. च.जा. घट्या विद्याला, भीनावर (बीकानेर-राज.)

प्रतिवादा : प्रवर्शन वार्षा (वनुवाद) रवनता (काश्म) स्वत्रता (काश्म) दूजी सुवनावा : गुणवती घर प्रदेशके पर पँचायत-विभिन्न नीक्षा सू पुरस्कार मिस्या : हिन्दो में भी घरणुक्ती रचनावां है

स्रदीय रो ठिकाछो : महर्षि साहित्य सदन, पो. नोखा (शैकानेर-राज.) मोतुदा ठिकाणो : सूपर मुनव

नांच : कर्मुवालास वार्मी विकार : प्रम. यू. बोयुब्ब की, का. रसल बबन-सिर्म प्रम. रचान : 24 जनवरी सन् 1924 दी, कनवास (फोटा-राज.) जीवृत्त साम-वार्मी : स्वयात, हिन्दी दिवाल, हुन्दर सहसिवालय, बोकारेन (राज.) स्वयादी रचनावां : हान्योगी मोनी सोर साहित्य (1965) हारोशी साहित्य और स्वरूप (1973) होवाची—सोक वाचा चक्र-विकास में स्वयोधी रचनावां मा. यू. वीहत्त, मधुवती, हवोती-साती.

वक्र-पिकाश व क्षम्योड्डा रचनावी : ना. प्र. वीतका, अधुवती, हवोती-बात्ती, साप्ताहिक हिन्दुस्तान बाद से सीध सम्बन्धी देख हरूपा इ.जी. सुबनावी : 'हाड़ोडी सोक साहित्य 'पर रायद्यान साहित्य सकादमी स्तु' 1000)

दूब पुत्रमाव : हारूका पान शाहुल पर तबस्थान शाहुल सराहरण हूं। ग्रीकानेर पो पुरस्तर--वाब्लामी मापा साहित संभ प्रायस्था में मेंकानेर रा हदस्य -- मोप खार्चा रा निस्तविद्यालय मूं मानीश निर्देशक स्त्रीय रो हिसाची : मेरिकार कोलोनी, नयापुर, होटा (राज.) मोदग हिसाची : स्ट्रीटिंग स्त्रास्था कोलोनी, नयापुर, होटा (राज.) नोव : कग्हैयालाल सहस

सिक्ता : एम. ए. (हिन्दी-संस्कृत) पीएव. डो.

भनम-तिथि धर स्थान : 23 नवस्वर सन् 1911 ई., नवसगढ़ (मूं मं पूं-राज.)

सीवृश काम-बन्धो : सेकेंट्रो, विदला एज्यूडेयान ट्रस्ट, विलाखी (मूं माणू --- राव.) सम्योदी पोवियां : राजस्थान के सांस्कृतिक उपास्थान, राजस्थान के ऐतिहासिक

त्रवाद, राजस्याणी वीर-गायायें, राजस्याणी लोक-क्यायें, राज-स्यानी कहावयें—एक बान्ययन (बोध त्रवव), नटो टो कही वड, राजस्यानी लोक क्यायों के कुछ मूल समित्राय, निहातरे-शुलतान (1-2-3), होगदी विनय (कर्मणा बहुत्तरी), वीर स्वताई, योगोली, लोक-क्यायों की त्रकश्चेशां, लोक-क्यायों के कुछ मून तन्तु, सार

पण-विश्वाची में छान्योड़ी रचनाचीः भागा-विग्यान, शालोचना, श्याकरण, लोड-साहित्य घर संस्कित पर समिक पर्या में सनेक रचनावां सर्थी

हुन्नी सुननावी: गुजराती, बंगता, नराठी जासावां रो ध्यान-38 वरती तोई कांग्रेज पा प्राध्यायक घर से बरस प्राच्यार्य रथा—8 वरता तोई कांग्रेज पा प्राध्यायक घर से बरस प्राच्यार्य रथा—8 वरता तो सोध द्वार्या प्राप्यायक घर से प्राप्याय स्वाप्याय स्वाप्य स्वाप्य

सबीव रो ठिकारतो : सहस सदन, विसायो, (कु कर्यू -राजः) भीवदा ठिकारते : सुपर भूजव मोवः करहैयालाल सेठिया सिक्ताः साधारतः

भनम-तिथि घर श्यान : सुजानगढ (चूरू-राज.)

भनन-तिथ घर स्थान : सुजानगढ (पूर-राज, मौजूदा कामन्याधो : व्यवसाय

छत्योड़ी योचियां: रमिणुवै रा छोरता, मीकर, गळविषया (गश्च-मीत), हूं हूं पत्र-मिक्ताबां में छत्योड़ी रक्षमावां: महताली, राजस्थान-मारती भर मनेक पूर्वी पत्रिकावां में कवितालां अर गश्च-मीत छत्या.

संकलन-भग्यां में कवितावां छती

मुत्री सुमतामां : हिन्दी में मनेक पोषियां छ्यो सहीव पी डिकाछो : रतन निवास, सुमानगढ (पूर-पान०) . "बीजुडा डिकाछो : सपर मुनव

श्रांव : करणीवान वारहठ

सिक्षाः एम. ए; वी. एड.

कनम-तिथि सर स्थान : 1 स्वयंत तन् 1925 है॰, केन्नाता (वी वेयानगर-शत्र॰) मोलूरा काम-याथी : सम्यापकी स्वयोही पोषियो : स्थितियो (1963) फर-कर केवा (1964) सकुन्ताता (1967)

छत्याङ्गं पापया : १००००म (१०००) कर-कर क्या (१०००) बकुन्तना (१०००) पत्र-पत्रिकार्यो में छत्योड़ी रचनार्यो : सस्याणी, लादेवर, बातायन, समुमती माद में रचनार्या छ्यो-स्थानसम्बद्धाः स्थानसम्बद्धाः

रणनावां छ्या-धाकासवाणीं सूं रचनावां प्रसारित-संब-धन्या में मेळी करीनी

प्रशासने भीषमां : गांधी वांनो (प्रनंप काव्य) दूबी सुबनावां : राजस्थानी कहाशियां रो संबं घर उपन्यास स्वार है—हिन्दी में कई उपन्यास घर एक कहाशी-संबं ख्योड़ा है

सदीव रो ठिकालो : केफाला (नोहर-श्रीयंगानगर-राजन) मोहूदा ठिकाणो : गरिष्ठ घष्मायक, राजन उन मान विन, मूं माणुं (राजन) भीव : फल्यालुसिंह राजावत

सिसा : एम. ए.

सनम-तिथि धर स्थान : 8 दिसंबर सन् 1939 ई., थितावा (मागीर-राव॰)

भौतुदा काम-चन्धो : शब्दापकी

घन्मोड़ी रचनावां: रामितवा मत तोड़ (1959-1967) झा अभीन सापरी

ार्रे (1965) नियम्बर (1962) पत्र-पत्रिकाचों में दुस्पोड़ी रचनाचां : शरवाली, बातावन, सहर, ब्रालमा, राजधानी चीर, खंप-शवित, श्रुप्तती प्राप्त में करितारी

छ्यी धमछ्यी रचनाचो : परभावी, जूंभार, प्रतिगीत

कुंबी सुक्रमायां : रेडियो पर धर यतिल भारतीय कवि-सम्मेलनां में प्रनेक बार प्रवतकां थे गाठ

सबीब शे दिकाली : विवावा (सागीर-राज.)

श्रीयुद्धा डिकाको : सवानी निवेतन बाध्यमिक विद्यालय, बयपुर परिवम (राम)

भार 🚅 चल्यालांस्ट शैचारत

1 484 "

विकार सामारण

क्षमम तिविन्धर स्थान : संगप् 1950 वि.

श्रमम ताब-धर स्थाप ३ वयप् १९३० १४. श्रीपुरा काम-मध्यो ३ वर्डी

क्य-परिधानों में ध्रामोदी रचनावों : बरनाती, साम-पर्य में करियानो ध्री

तृथी मुचकामां : बरायुरी जुटकर रक्तावां है स्टीव से टिकामो : वास्तित्वतर (विद्यापु-मू मार्गु-साव.)

बोशरा डिकाची । बुरए बुजब

मांव : कस्यारासिह शैक्षावत सिक्ता : एम. ए.. वो.एच.डी.

जनम-तिथि सरस्थानः 7 जुलाई सन् 1942 ई∙, सिरोड़ (क्रूफणू-राज)

मौद्भा काम-धाधो : प्राध्यापक, जोवपुर विश्वविद्यालय, जोवपुर छत्योडी पोक्षियां : सीरां बृहत्पदावली बास 2 (1969)

क्ष्याङ्ग पायवा : बार्स प्रृत्याच्या चान ६ (1707) यत्र-प्रतिकावों में सुष्योदी रचनावों : सरस्वती, निहार राष्ट्रत्राचा परिवद् पत्रिका, प्रानकत, मस्वाली, धन्वेवास, सरुवारती, वर्षस सार में राजस्थानी माता सर साहित्य सम्बन्धी

सेव सेव १वी श्रुचनावां : मीरां बाई रैं जीवनकृत घर पदावली पर पीएथ,डी, री उपापि प्राप्त-चाडचानी खाडिल्य सम्मेवन रा मन्त्री-राजस्थानी शासा

प्राप्त-राजस्थाना धाहर्य सम्मयन रा सन्ता-राजस साहित्य संगम (प्रकादमी) बीकानेर रा सदस्य सदीव रो ठिकालो : पो. खिरोड (फूंमरां-राज-)

सवाद रा विकाला: पा. कराड रूक्न गणु गावा) भौजूदा डिकालो: दियला भवन, लोको रॉनग शेड रोड, बोधपुर (राजः)

माबः करतूरधन्य कासलीयात

शिक्षा : एम.ए., चारती, पीएच.डी.

बनम-तिथि धर स्थान : 8 बनस्त वन् 1920 ई, सैयन (शीता-वन्युर) मीत्रुश काम-यायी : बाइरेक्टर, जैन साहित्य गोव विभाग, महावीर भवन, जमपुर

क्षम्बोडी पोषियां : प्रश्नुस्त चरित्र-संगादन (1960) जिल्लास्त चरित्र-संगादन (1966) प्रावस्थान के जैन सारत नण्डारों की प्रत्य सूची (आग 1-2-3-4)

राजस्थान 🖹 जैन संव-स्थतिस्त एवं कृतिस्य (1967) महामदि दौनतरुम कासनीवाल-स्थान्तस्य एव कृतिस्य (1973)

यत्र-पत्रिकादों में छत्योदी रचनावां : देस री धनेक पत्रिकावां में 150 नेहा सोध सावन्यी लेस छत्या है

दूबी सूचनावी : 'रात्रस्थान के चैन संत-ध्यक्तित्व ।वं कृतितवी पर भारतीय ज्ञानपीठ, काशी सूँ सन् 1969 में युरस्कार मिस्यो—हिन्दी री दूबी पई पोदियां

रो संवादन कर्यो सरोब रो टिकालो : अन साहित्य शोध विभाग, महाबीर भवन, सवाई मार्गासह हाईबे, बयपूर (राज.)

मीजूदा ठिकालो ; शुपर सुधव ।

नोद: मा. कार्नीतृह राज्य सिता: स्वर्णी तक, बी. थी. थी., हिन्दी एक्बोन, दिवारक (ता. त. प्र.) जनम-तिच खर स्थान: 12 धारत तन् 1912 है, स्थाला (सनसेर-राज.) मोजना स्थान-प्रथी: सध्यापधी में गेंतन

मोजून काम-पन्था : बान्यापढी मू गंतन हम्बोड़ी पोषिया : कानजी रा गीत (1951) कानजी स कागरा गीत (1959) मजुर-करसां री गीत (1964), बबहाधत राग रा तीन गीउ

(1960), मरबा रा भीठा मीता (1962) करता-नागरण रा गीत (1964) पंचायत राज रा जावरण रा गीत (1969)

रा गीत (1964) पंचायत राज रा जावरण रा गीत (1969) पत्र-पश्चिकाणों में सुप्योदी रचनावी : मीरा लाध्याहिक (सजवेर), बीर राज्य (सजीर) स्नर सहजाणी में कवितानों स्वी---रेडियो पर भी

धनेक शार्ती त्रवारित धलायुर्वी रचनावां : साम्यवार रो पड़ मारवेवादी कच्चितर पार्टी रो गीता, जनतांरिक स्थाप्तवार रो पड़, राथक गीता, विवदनायी युद्ध रो पड़ बार भौतिक सर समृदित रचनायां

दूजी सुक्षमायां : अन्द्रावत लोक कान्य रो संग्रं घर पड़ संसी में गावण री विवेसता संदोद रो ठिकाणो : टावनड़ (अजनेर)

मौजूदा विकालो : सूपर सुजन

नांव । कासीराम सर्मा

सिका: ध्यः ए. (हिन्दी-संस्कृत), साहित्यरलं, साहित्यालंकार, मारुती, एवएवरं सनम-तिषि धर स्थान: 1 फरपरी सन् 1925 ई, रतनवर (पूर-राजः) मोकुरा काम-प्रमो : सिका सम्मालय, नारत सरकार, में प्रधिकारी सुन्योद्धी सीचिवा: वयनिका राथ राजानिकां महेसदासोत रो लिहिया स्था सी करी (1960)

प्रस्तियो रचनावां : रतन रासो (कुम्मकर्ण सांदू)

बूजी सुचनावां : रामचरित-हिन्दी प्रत्य से सम्पादन, कई पत्रों में मासा धर ग्योति सम्बन्धी लेल धर प्रत्यों में अनुवाद

सदीव रो ठिकारणो : विदायवन, रतननवर पुरू-राजः) मौनुदा ठिकारणो : व 1.2/वेवटर 13. रामहरणपुरम्, नई दिल्ली-12 ' मोव : किरनचन्द माहटा

सिक्षा : एम. ए., पीएच.डी.

जनम-तिथि धर स्थान : 14 मार्चे सन् 1946 ई., काळू (बीकानेर-राज.)

भौजदा काम-यन्यो : प्राप्यापकी

द्यांडी पोषियां : शिक्षंड भरतिया (1970)

वत्र-पतिकार्यो में छप्योडी रचनार्या : मध्वासी घोळमी, सलकार, वरदा, प्रशिप्ता, वैचारिकी बाट में शोध संबंधी सेस

प्राण्युरी रचनावां : ग्रापुनिक राजस्यानी-साहित्य (सीव-प्रबंद) बनी सुचनावां : राजस्थान साहित्य समिति, विसास (भू भर्र्य) रै 'सूर्यकरण पारीक धासण्' सं 'भाषुनिक राजस्यानी साहित्यकार' विसय पर निर्वय पढ्यो

सबीव रो ठिकारती : काळ (बोकाने र-राजः) मीमृहा ठिकानो : प्राध्यापक, लोडिया महाविद्यालय, चूक (पाण.)

मांच : किशोर कल्पनाकारत

विकारः सामारण

अनम-तिथि धर स्थान : सावए। लुदी 10, संवन् 1987 वि., रतनगढ़ (बूध-राज.) भौत्रवा काम-धन्धी : पत्र-संपादन प्रयोदी पोषिया । नस्ट भीड़ (1967) श्तर्वहार-धनुवाद (1968), कृपळ धर

मारायण री बातां (1968) पत्र-पत्रिकायों में एरपोड़ी रखनायों : राजस्थानी घर हिन्दी रा घनेक पत्रों में रचनायों

एन (1968) धेरसनीयर री बाता (1968) दिश्वनाय साम-

खरती रवी है दशी सुवनाशी: सन् 67 में सादुळ राज. रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर स्टेस्ट क्य-मेतन पर पुरस्कार दिवी-सन् 69 में कलकर्त री 'मर्थमा 'हतसहार' पर 1100) रो पुरस्कार दियो---रतनगढ रा नागरिका सार्वजनिक रूप सं बचाया

सरीय री ठिकाची : बहाना मीठ, रतनवड (बुक-राजः) मीजका ठिकामी : भूपर सुवव

ਸੀਰ : ਦੇਸ਼ਰ 'ਚਹਿਵਾਂ

सिखा: विशास्त, राज

धनम-तिथि घर स्थान : ■ नवंबर सन् 1938 ई., कपासन (वित्तौड़गद्र-राजः) मीजुदा काम-यन्थो : संचालक, साहित्य साधना सदन, क्यासन (वित्तीपृण्ड)

एत्योड़ी परेषियां : मगळ गीत (1967), साधीश सेनाल प्रापली (1967) धानां रा फल-संपादन (1964)

पत्र-पत्रिकामां में छुप्योही रखनायां : राजस्यान विकास, नवामीति, समकार संब स्थित चार धनेस वको में सरितायो स्पी

सबीब रो ठिकालो : साहित्य सावना सदन, कपानन (विलीइयड-राज-) मौजदा किकालो : 1/174 प्रवानीशंकर लंदशना आर्थ, क्यालन, (बिसीइ-राउ.)

लिला : एव, एतडी., इन. ए. (हिम्दी-संश्कृत), पीएच.बी.

नांदः हृष्युह्मार शर्मा

ब्रश्य-तिथि धर स्थान : ३ फरवरी धन् 1934 ई., अपपूर (शय.)

भौत्रवा काय-वाथी : प्राप्तावधी

सुत्योडी बोबियां : राजस्वानी कोड यादा का ध्रय्ययन (1971) बगडावन सीड वादा (1969) डोशा मारू रा युद्धा (1968)

 अत्र-अविकाश में द्वारोडी रचनाशां : यनेक वित्रकाश में छं। नैहा मेश द्वारा है बंदीय री डिकाणी : बी. 181, बनता क्षेत्रीनी, स्वपूर (शब.)

भौजुश तिकाको ; द्विन्दी विशास, जरवपुर विशाविद्यालय, जरवपुर (राव-)

मांव : कृष्णगोमाल कल्सा (कृ वर कृष्णकल्ला)

सिशा: एम.ए., बी.एड.

सनम-तिथि सर स्थान : 13 नवंबर सन् 1937 ई., मेहता (नानीर- राज.) भीजदा काम-सम्बन्धे : सन्यायकी

वश्र-रश्चितावों में ख्योड़ी रचनावों : मस्वाली घर संब-प्रायों में घालोचना,

कविता धाद

प्रत्यक्षरी रचनावां : गीतांजळी, विद्यायिं यशावती, यीतगोशियम्, ऋतुसहारम्, उत्तरक्षेत्राम री इहाह्यां (लेवाम रा जाम) प्राद रा प्रतृताह संवित्यत्र (कहाली-सर्वां) फोफरको (काम्या) किरस्यां (कहालियां)

धार वोधन्त रा पात (कहान्तियां) दुवी सुचनावां : हिन्दी में वी उपन्यास, कहान्ती, कान्य, एकांगी, रेडियी नाटक

निक्योड़ा-श्रीलय भारतीय रेडियो नाटक होट में 'कालेजरी सीड़िया' नोब है रेडियो नाटक पर पहली दनाय दिरीज्यो सरीह रो टिकाफी : सरस्वती सुरन, सोटक सिटी, श्विनगड़ (सजमेर- राज.)

सद्देव राज्याना व्यवस्था सदन, बात्य स्वता, व्यवस्य (सम्बन्दः (सम्बन्दः राजः,) सोवृदा डिकालो : राजः उच्यः, बाध्यः विद्याः, मालक चौकः, वयपुर

भांब : क्ष्णायोगाल समी

सिता । एम.ए. सनम-तिथि धर स्थान : 8 सनवरी छन् 1944 है., रतनगढ़ (यूस-राजः)

भीजूदा काम-वन्धी : धारमापकी

सच्चोड़ी रचनावां : वेतन से बूली-काव्य (1973)

वत्र यत्रिकार्या में स्थ्योड़ी रचनावां : श्रोजमी, सरवाशी धर दूवा पर्या में गद्र-यद्य श्री रचनावां सती

दूबी सूबनायां : संदें जी 'लोडनम्ब' शो संपादन-'सोडमो' र संपादन में सद्देशेय-साहित्य क्या समय, दतनवड़ शा सन्त्री

सहीद रो ठिसाको : बस्यनामोस, रतनवह (बुस-राजः) बोजरा ठिसार्यो : धन्द समस नाव : कृरणकाद्व शर्मा

सिक्षा : साहित्यभारत्री, सा. रत्न, सा. रत्नाकर, काव्यतीर्यं

जनम-तिथि घर स्थान : 25 नवंतर सन् 1933 ई. दिवा (मध्यमारत)

मीजूदा काम-यभ्यो : प्रेस-संचालन ग्रर साहित्य-सेवा

की समय

पप्र-पत्रिकार्या में खप्योड़ी रचनावां : सोध संबंधी लेख खप्या है

दूनी सुचनांवा : डिंगळ गीत साहित्य पर सोच कार्य साहित्य संस्थान, जरवपुर हूं धपण सारू—'सोघ पनिका बर 'प्राचीन राजस्यानी गीत' रै स्वारन में सहयोग-राजस्थानी रो आया वैज्ञानिक सन्ययन-प्राचीन निरियाँ

ex *

सबीब रो ठिकाछो : किसनवासजी रो बाग, बेगू' (चित्तीवृ-राजः) भौजदर ठिकाणो : अटियाणी जीतटो, उदयपर (राजः)

मांव : कृष्णविहाशे सहस्र सिका : एम.ए., पीएच, टी.

सिसा: एम.ए., पोएच. डो.

सनम-तिथि घर स्थान: 15 जुलाई सन् 1939 ई., नवलयङ (कूंभरणूं-राजः) सीजुदा कालयरथी: प्राध्यापकी

छ्त्यीड़ी मोवियां : डोला मार् रा दूहा-एक विवेचन (1964)

पत्र-पत्रिकामां में द्वाबोड़ी एकनामां : नागरी प्र. पनिका, मधुमती, रंपायन, मर्द प्रारती, स्राट स्रतेक पत्रा में श्रीध सन्त्रन्थी लेख

प्रणात्तरी वीवियाः राजस्वानी लोक गायाण्, राजस्थानी सोक गाया — [स्वरूप सीर विवेचन) राजस्थानी सोक साहित्य, राजस्थानी सोक कपाएं

भूषी सुष्तार्था : 'शाववाना) शाव शाहरत, रावस्थाय सार कराय. ' भूषी सुष्तार्था : 'शाववानी सोड त्यापार' डोर निवादले बुलावा ' सार्व र होये' प्रवंध पर पीएय-डी. ये जार्गीय—एप. ए. से प्रथम व्येगी में प्रथम व्याप मुंडों से तावनी —हिस्सी ये कई मोरायां छात्रे हैं 'बायर' मासिक में संपत्तक रचा---वृद्धार' प्रवेकर ये संपत्तक सं

सदीब रो ठिकाछो : सहन सदन, त्रिसांछो (ऋँ संखू राजः) मोजुदा ठिकाको : प्राप्यातक, राजकीय कालेज, सीकर (राजः) नांवः लोमराञ 'प्रदीप'

प्रिला: टी. डी. सी., साहित्व सुधाकर

सनम-तिथि झर स्थान : 26 धनद्वार सन् 1935 ई., असील (बाड्मेर-राज.)

श्चादी योषिया : जमान रो हेलो (1965), पारसमस्ती (1972)

धन्याइ। याष्ट्रमाः जमान राह्ना धन्यदेगे रचनायाः बगत री बात

रमनावो प्रसारित करी सदीव रो ठिकालो : प्रदीप गळी, (बसोस स्टेखन बासोतश⊸बाडमेर-राज,)

मौजूबा डिकालो : सूपर मुजब

नौवः सज्ञाननः वर्णा

सिक्षा : मैदिक, साहित्यरत

स्थाः मादुक, साह्य्यरल सन्म-तिथि धर स्थानः 23 मई सन् 1927 ई., रतनगढ (पूक-राज.)

मीतृश काम-वन्यो : संस्त्रित संगम लि. घर थिइला अकादमी प्रॉफ पार्ट एण्ड कत्या, कसकता रा मिषकारी

दनी सुचनानाः साहित्य ग्रकादमी, वालोर रा मंत्री रया भर ग्राकासवासी सुं

छप्योड़ी पोषिकोः घरती थी चुन, सोनी निपर्व रेत थे, बारहमासा— हदितायां रा सर्व पन-पिकायां में छप्योडी रचनायां वर्षस्य, क्रिस्टमान संगता सरकार्यो छोजको

पत्र-पत्रिकार्या में छत्योदी श्वनार्याः वर्धतृष, हिन्दुस्तान, शंगमा, सच्याणी, छोळनी बाद पत्रा में छत्ती संखद्मी श्वनार्थाः समर्शिह राठीह (नाटक), हरस सर बील (नाटक), सत्तर सान

बहत्तर जगराव (तिरक्ष ताटक), भीरांबाई (तिरक्ष ताटक) कृती सूचनार्जा : राजस्थान साहित्व धकारबी, उदवपुर घर मारत सरकार सूं पुरस्कित—भीरा पर फिल्म बलाएँ री बोबना चानू—देस रा प्रक्षित

मारतीय मंत्रो पर कविता-पाठ सरीव रो ठिकाखो : विज्ञकता मदन, रतनपद (मूह-राजः)

सराव रा ठिकाला : स्वत्रकता मवन, रतनवर (वृह-राज्ञ.) मोनुरा ठिकाला : सस्त्रित संयव ति., 1 मेंगो सेन, कलकत्ता-1 नांवः गराप्ततस्य हांगी सिद्धाः साधारम

जनम-तिथि धर स्थान : मादवा सुदी 4, सबत् 1977 ई., जोधपुर मौजदा काम-पंथो : माकासवाशी-सेवा

राप्पोड़ी रचनावां : सड़े सुरमा माज जी (1966), गढ पीत-संगादन (1967) माणुष्पे रचनावां । मनेक नाटक, एकांकी, लोकपीतां री बाळ पर बणायोज़ा पीत माड

बूजी सुबनावां । संब पर धानमन्, गीत बाद रो सनुसब-माटक कंपनियां तर कियां में काम करयो-राजवयान में साथ-गारी वर धानमन् रा दिवाग करता रैवे-धमेक पुरस्कार, धममान, उपाधियां तर दक्ता मिन्सी । है-सहयोग, मुश्कि मास्टर मोहासंकर, धरिवा की स्वीके,

प्रगति-पब बाद हिन्दी पोथियां लुप्योड़ी सबीब रो ठिकाणी : मोजी घाटी, गजानन्द चौक, बोकपुर (राज.) मौजदा ठिकाणी : बाकासवासी, अयपुर (राज.)

कांव : मंतावास सिक्ता : दसवीं तरू-ट्रेंड बनम-तिबि यर स्थान : I जून सन् 1948 है, श्रीकानेर (राज-) भीजूरा काम-सप्ती : राजधेवा वश-पत्रकार्य में परभोशे रचनावां : जलमभोग, सीळमो, राजस्यानी वीर साद वर्षा में कवितावां खणी

सबीव रो ठिकाछो : प्रेमगुल सहमीचन्द सेवग, मूंबाहा श्रोजकां रो बोहरूतो, बीकानेर (राज.)

मौजूदा ठिकाको : मूनर मुजव

नोवः गंगाप्रसाद शास्त्री

सिक्षाः साहित्यगास्त्री, साहित्यरत

सनम-तिथि सर स्थान : 15 स्थवत सन् 1933 है, रामण्ड सेवाचाटी (सीकर-राज.) भीजूश काम-प्राची : व्योचार, प्रस्तारत्वीसी : प्य-प्रस्तिकार्यों है एव्योक्षे रक्षनावार हिन्दुस्तान दैंपिक, मध्यारसे, काव-रिम चाद

पत्री सच्चनार्थाः 'परती रो जोवन' मांव सं कविता-सर्व स्वार है--प्राकासवाणी

सदीय रो ठिकालो : श्रीसदन, रामगढ सेवावाटी (सीकर-राथ.)

दूता सुचनावा र भरता रा जावन गाव सु कावता-चव रवार ह—स्वातावाता मू कविवाचा प्रसारित करी—समावदूव नाव रै छापै रा सरावक— राजस्थानी कविता-याठ श्वातर जनेक जगाँ सम्यान यायो

मौजूबा ठिकासो : धूपर मुजब

नांव : तानसिंह चौहान सिका : एम, ए॰ (डिन्दी), थी. एक,

बनन-तिथि घर स्थान : 3 बार्थ छन् 1935 ई., नांव पालयां, थी. कालादेह

(उदयपुर-राज.) भौजना काम-यग्यो : बच्यापकी

यम-पश्चिमार्ग में एत्योड़ी रक्षत्राचा : शत्रुक्षती, चत्रस्थान-विकास, महत्राणी में : -कतितानां सरी

सदीय री ठिकाणी : गांव पासरां, पी. कालादेह (जयवपूर-राजः) भीजूदा ठिकाणी : गांव पोस्ट-टाहयह (धजमेर-राजः) , , मांत : विश्वितांकर बताय्याच 'निरीय' निमा : बाह्य्यवारची, नैवविवारव

षनम-निवि धर स्थान : वानिस मुदी 7 संदग 1978 हि , हु नस्पूर (शत.)

भीनुश काय-याची : प्रथमानी-सर्वेदाशी

यरसम्बो रचनावां : वेदी का क्रांडियान (वानवी-दिग्यी)---वानवी मुसवस-कारो नोब-कनावां

बुधी सुबसाथी : बागड जरेस साहित्य परिचर् दा वराजिकारी सारीच दो डिकामो : वांटी, हुन्दर्द (राज.) सीहसा डिकारो : धार समय

शांव : विदिवदशनीतह (विदिवद नीवान सत्तवरी)

विक्षा : एव. ए. (हिन्दी), विद्यापूषण

श्रमम-तिथि सर श्यान : 26 श्रुलाई सन 1928 €., नुबूकी (समयर-राजः)

मौजूबा काम-यन्त्रो । सन्यापकी

यत्र-शिकांबों में प्रत्योही रचनावां : बात री शत (एकामी), बारियो (रेसा विष री संबं), वादत रो वालोरे (मानरसक निवंध रो संबंध

सदीव री ठिकाको : गांव गुजूको, पां. सामपुर बाट (धनवर-राजः) भीतदा ठिकाको : घपर मुजव नांव : गोंडाराम वर्मी

सिक्षाः बी. ए.

जनम-तिथि घर स्थाव : 25 सर्जन 1922 है., बंडावा (मुंकस्पू-राज.)

मीज्वा कास-थायो : सध्यापकी

छत्योड़ी पोरियो : राजश्यान के लोक-नृत्य, लोकोत्सव, लोक-नाट्य, लोकोनुरंत्रन,

लाक-सगात—नावा रा ग्यारा-म्यारा वाश्या सगाप्रवी रचनार्या : कविदावा, गद्य-गीठ घर फुटकर निवंत्र बाद हिन्दी-राजस्थानी में

दूनी सुचनावां : देवीलाल सामर रै साचै लोक-कला महल में पत्र-सपादन धर दूनी हिन्दी पत्र-यनिकासा रो संपादन

सदीव रो ठिकाणी : मंडावा (क्रूंकाणू-राजः)
भीद्रदा ठिकाणी : रामगढ सेलावाटी (सीकर-राजः)

मीडवा ठिकाणी : सपर् सुबंद

तांव : गुप्ताववाद शिवांग, 'स्वयत'
तिताः । वी. यू, विजारत, विज्ञोग माटेसरी
समनतितं पर प्रधान : 12 युपार्ट स्तृ 1931 दे, सरदारसहृद (दृढ-राज.)
सीहृद कान-वाणी : प्रधानकी
स्थानी शीरवयं : सामा नाळणुत्रोश (1967)
यत-विकाशों में स्थानी रचनायां : सपुतती, सोळतो, सादेसर, वाल-वारती, सिविरा,
साप्ताहिक स्तिद्रशाल बाद पत्रां से सूरी
दूरी सुष्तारां : हिन्दी री कर्द सारोग्योगों सोटी शीरवा सूपार्द सर्वेद सुष्तारां : हिन्दी री कर्द सारोग्योगों सोटी शीरवा सूपार्द सरोद स्रोतिकारों : इस्मी री कर्द सारोग्योगों सोटी शीरवा सूपार्द नोव : योपालसिंह राषावत

तिक्षा : एम.ए., साहित्यरत्न

अनम-तिथि बर स्थान : 1 जनवरी सन् 1944 ई., गांव मोहन्वतपुरा (नरहरिगढ-जबपर)

भौद्धरा काम-धन्धो : राज-सेवा

ध्रवीड़ी पोषियां : छीजल (कविता मग्र-1970)

पत्र पत्रिकावों में छुप्योडी रचनावां : परम्परा, ग्रासीक, रावस्वान-शारती में फूरकर रचनावां छपी

दुजी सुचनावां : पीएच. डी. सातर सोघ करें

सबीय रो ठिकाणो : गांव मोहण्वतपुरा, थो. वित्तीह-रेनवास (जयपुर राज.) भौजुदा ठिकाको : ग्रुपर मुजड

मांव : गोरमनसिंह सेलाबस तिसर : एम.ए , पीएप.शी. जनम तिथि घर स्थान : छन् 1943 📞 गुद्रो (मु ऋणू राव.) भीत्रहा काम-याची : प्राध्यापकी

ध्ययोदी योषियां व किरकर (कविता-संग्री) पत्र-पत्रिकार्यो में छत्योडी रचनामां : मध्मती, वातायन, बस्वाली, घोळमी, णारणकारी, सादेशर, जलममोम, महमारती, 6: 2 . 7 .

शंव जन्छि भाद पत्रों में छपी

बनी सुबनावा : एम ए. मे सीने रो तकमो जिल्लो — कई चलुख्यी रचनावा परी है-'रूपायन' शांव मुं पत्रिका सो संपादन कर्यो

सरीय से ठिकालो : गांव-पी. गडो (मूं मरणू-राजः) भौतुदा विवालो : तोदी कॉलेम, सत्रमहानद्र (शीकर-राम) मांव : योबद्धं न शर्मा

सिक्षा : एस.ए., पोएच.डी., साहित्यरत

त्रकार प्रिकार कार्या : 1 जुताई सन् 1927 ई. गांव-कटाळिया (भारवाइ-राव.) मोजूब स्ताप्तप्त्यो : प्रोक्तिर धर घष्यळ, गुजरात कालेज, घहमदाबार (गुजरात) सप्तोड़ी शोदियां : राजस्याती कवि-(1956-57 बाग 1-2), दिगल साहित्य (कोय

ग्रन्य—1965) राजस्थानी साहित्य के वशीतव्युंज (1967) यत्र-पित्रकार्वा में ख्य्योड़ी रचनार्वा : ना. प्र. पत्रिका, सम्प्रेसन पत्रिका, साहित्य संदेख, नई कहानियां, यमग्रन, सा. हिन्दुस्तान,

सदेश, नई कहानियां, धर्मयुन, सा. हिन्दुस्तान, त्रवभारत टाइम्झ, त्रदुषाणी घाद पत्री में पाणी रचनावां हिन्दी-राजस्थानी में खुणी

रचनावा हिन्दा-राजस्थाना म स्र्या स्रमुद्ध्यो रचनावा: माधीदास अंभावली, प्राचीन राजस्थानी दोहे साहित री रेसा,

सिल्गारी, रूपाळी, कल्कां दुवी सुबनावां : हिन्दी में क्षोत-व्यार पोषियां छपी— घनेक सर्व-तन्या में छोत्र निवंश

धर दूजा लेख श्राया—वत्तरप्रदेश राज्य घर शाहित्य प्रकादमी, जदवपुर मूं पुरित्तज

सबीय रो ठिकालो : १ हिन्दी निमान, गुजरात कविंव, शहमदाबाद 2. एल. 11 गुलबाई टेकरा पर्लट्स, डविवासव कर्ने ग्रहमदाबाद-6

भौजूदा विकालो : चूपर मूजब

नांव : गोबिंग्द घप्रवाळ

बनम-तिथि सर स्थान : शादना वदी 9, सम्बत् 1979 वि., बुरू (राज.)

मौजूश कान-पग्धो : लेखन

छत्योदी पोथिया : राजस्यानी मोच-कथायें (भाव 1-2)

पत्र-पत्रिकार्यो में द्वाचोड़ी श्वनार्या: शबस्यान र इतिहास, संस्कृति घर साहित्य सर्वेषी मणी रचनार्या नावजारीक एन-पत्रिकारी

में छपी

दूबी मुक्तावा : हिन्दी री वर्द पोषियो छुतो —राजस्थानी पोषियो देखर का सोरहां यर 'बातो ही चार्त' रो संपादन कर्यो —दूक मंदन रो भोषपूर्व पेविद्यास स्थार कर्यो —ववरणी, पुदू रा बंदासक पर साह्य कार रो विवासी विचित्र रा स्थायक —मनेक स्वयोधी रवनावा

सबीव रो ठिकारणो : क्षोक संस्कृति घोष संस्थान, नगरधी, बुरू (१८४.) भौजबा ठिकारणो : सपर मृजब नांव: गोविश्मात वायुर

तिशा: एम. ए., एमएस. बी.

यनम-तिथि धर स्थान : 25 जुलाई सन् 1914 ई, बोधपुर (राज.)

भीतुरा काम यथ्यो : राज-सेवा (प्राच्यापक) रा पॅमनर

एथोड़ी वोदियां : सत्तर्रविली-एडांडी संघं (1954) रामराज्य प्रदश पंत्र राज्य (1964) दिलोपदेल (1968) सेननदोवर री कार्टि

(1964) यंवर्गत-माग 2ू(1955) यत्र-पत्रिकावों में दान्योदो रचनावो : समुमको, बिन्दु, मोठर्ग दिस्तू, बिरट, को देवेन्द्रम, दबराज्य साद यत्र पत्रिकायों में सारी

ध्यपोड़ी रचनावां : कई वहाशियां बर एकांकी त्यार है ज्यांकी कई वीवियां । सके है

सदीव रो ठिकालो : 828, शीरासली रोड, बोधपुर मोजुदा ठिकालो : सुषर मुजब

नांव : चग्रदान चारश

सिक्षा । एमः ए-, साहित्य रत्न

सनम-तिथि सर स्थान : 18 जुलाई सन् 1924 ई०, शुर्रू (राज०) मौजुदा काम-धन्धो : प्रावार्य, मारतीय विद्यार्थदिर, थीकानेर

बराष्ट्रपी पोषियाः शोगाजी श्रीहान री राजस्थानी गाया (1962), बन्नियः संप्रदाय (1964)

पत्र-पत्रिकायों में ध्रायोही रचनायों : गोप पत्रिका, राजस्थान आरही, सर सार्ट बरदा, हात्ताहिक हिन्दुस्तात साद पत्रों में सं दुओ सुचनायों : राजस्थान साहित्य संकारधी, उदवयुर सर स॰ मा॰ श्रीह हिया वर्ष दिस्ती रा सटस

सबीव रो ठिकालो : थी करलो मंदिर, चुरू (राज.)

मोजूदा ठिकाणो 1, मारतीय विचा यन्दिर, बीकानेर (राजस्थान)

नोव: छुपनमल सर्मा सिका: सामारख

क्षनम-तिथि चर स्थान : मादवा बदी 9 संबत 1972 वि., गांव साळियां

(बुर्-राज०)

भीवृदा काम-यन्यो : निजी सेवा

ह्यचोड़ो घोषियां : महरोस्तो, बि. संवत 2026

दूजी सूचनादार : पदा घर संध्र²—प्रन्यां में कवितावां ख्यी

सदीव रो ठिकाको : खननमल गोरीतकर सर्मा, यो. छापर (चुरू-राज०)

मीचूबा विकालो : सूपर धुजब

नांव : सत्रपतिसिंह

सिका : बी.ए. (हिन्दी प्रॉनसे)

बनम-तिथि धर स्थान : 6 जून सन् 1925 ई, बीकानेश

मीजुद्दा काम-मन्त्रो : राज-सेवा

द्याचोड़ी योचियां : श्रसफल रात (हिन्दी उपन्यास---1963) यत्र-पत्रिकायां में द्यायोड़ी एकनायां : 'प्राणिमा' ब्राद पत्रिकायां में फटकर हिन्दी

भागमा माद पात्रकावा म फुटकर हु। कहाणियो घर उपन्यांता रा धंस

भएछा रचनावा : तिरसकू (राज्यानी वपन्यास)

दूभी बागकारी : हिन्दी धर राजस्थानी में शिक्योड़ा उपन्यास-धनादृह, अस्थिनी
कुमारियो, दुर्ग, पूर्व संस्था, अस्थिरदहीन

सबीव रो ठिकाको : बे-6, बादर्शनयर मार्ग, जयपुर

भौजूबा ठिकालो : धूपर मुजन

सांधः अगरीजन्तर गर्धाः

eिक्षा : एम.ए., बी.एड. (लेंग्वेजेज)

जनम-तिथि धर स्थान : बैसाध बदी 4 संवत् 1995 वि. गांव-विलु ह (उदरपुर)

EI 1 7 '

मौजन काम-धंधो : श्रध्यापकी

पत्र-पत्रिकावों में खप्योड़ी रचनानां : घली कविवाबों, कहालियां, लेख, एकांकी मेंनेह पश्ची में रहणार

हभी सचनावां : सहकार विसय री कविता री पुरस्कार सम् 59 छर § व से सरकारी होड में मिल्यो--ग्राशासवासी सं रथनावां मुहाई-स्थापां, री मरती बाबत राज्य स्तर रो पैलड़ो इनाम मिल्यो

सबीव रो ठिकाछी । यो. गिलुंड (उदवपूर-राजस्यान) सबीब रो ठिकाछो : मृपर मुजब

नावा : जबबीराचंत्र शर्मा विकार र थी.ए.

क्रम-तिकि कर स्थान : 20 जून छन् 1939 ई॰ रतनगढ़ (क्रूर् राजः)

भीत्रदा काम-यंथी : बीमा एजेंसी, सलबारनवीसी

पत्र-पत्रिकामां में दाःधोड़ी रचनावां : शुटकर कवितावां, नहारिएयां छंदी दुवी सुक्तावां : राजस्यानी मासा रें 'हेलो' शांव रे दार्व रो संसदन कर्यो, प्रश्नेमी

रै 'मोनतन्त्र' घर हिन्दी रै 'संधर्ष' रा संपादक रवा सबीव भी ठिकाली : रतनगढ़ (बूर राव०)

मीत्रुश ठिकाली : सुपर मुजब

नांव : जयसिंह घोहान 'बोहरी'

सिक्षा : एम. ए. (हिन्दी), बी. एड., साहित्वरत्न

सनम-विचि धर स्थान : 10 मई 1930 ई॰, मींडर (उदयपुर-राज॰)

मौतुरा काम-यन्यो : श्रध्यापकी

पत्र-पत्रिकारों में क्षयोड़ी रचनावां: सरस्वती, मरुवाली, हरावळ, मधुमती, राज-स्थान-विकाल ग्राव पत्रों में छपी

हूनी सूचनावां: सनेक संवै-प्रत्यां में कवितावां घर दूमरी रचनावां छरी-साहित्य धकादभी,उदयपुर मुं सम्बन्ध राखे

सदीव री ठिकासी : बॉबर (वदवपुर-राज.)

मीतूरा ठिकालो : जीहरी सदन, पतु-विक्तिसालय दै कर्ने, यो. कानोइ (जवयपुर-

मांव : चुगलसिंह क्षीची

विका । एम., ए. बार. एट. कों (कंदन), किप्लोमा (विका साक्ष्य तथा मनीविज्ञान-संदन) विद्यादारिय

बनम तिथि धर स्थान : 15 तितंबर 1895 ई., बीकानेर (राज.)

मीज् बा काम-धंघो : वकालत

पत्र-पत्रकार्या में छत्वोड़ी रचनार्था: सरस्वती, मरुवाशी, मधुमदी, सप्ताहिक हिन्दु-स्तात बाद पत्रो में छत्वोड़ी रचनार्था: सरस्वती, मरुवाशी, मधुमदी, सप्ताहिक हिन्दु-

बूजी सुबनावां : कुटकर करितावां वालाक्षी वही है-बार-जानून नांच सूं 1959 में पुरतक प्यत्याही---बीकानेर में तिला विभाग राजियान रेपा-बीकानेर रिवासत रेपाल में 'बंजाट मंचल देत' नांच से पाप से मीत माणां नेतां में देशा उनमी

सदीव रो ठिकाएते : श्रीची सदन, बजनेर रोड़, बीकानेर

मीजूदा ठिकाणो : धुपर मुजव

मांद : जगदीस मागुर 'हमत' मिद्रा : साहित्यभूपल

जनम-तिथि घर स्थान : 15 धगस्त सन् 1931 €., लोघपूर (राव•)

भौतुरा काम-यन्थी : राज-सेवा

मानुदा काम-चन्धा: राज-सेवा स्थाने योगिया: 1. जीलमाता (1968) 2. राजस्वान के कहानीकार (संगाय-

1958) 3. सोदी नापी के मूदार्च (संपादन-1962) पत्र-पत्रिकार्यों में छत्योड़ी रचनाबी : हिन्दुस्तान साप्ताहिक, मधुमती, महवाली, राजस्यान मारती, सक्कारती, शोब-पत्रिया,

धाद पत्रा में छ्पी

बूबी सुबनायां : 'लोक सम्पर्क' नांव र सासिक पत्र पा सम्तरक — माग्रहप्यो काणी-संबं घर 'जीवांता हो कर विस्तांता' नांव रो एक उपन्यास

लिक्योही है

सबीव रो ठिकालो : 162,/डी शहक, खरवारपुरी, बोवपुर (राजः) मौजूदा ठिकालो : एक 165, गांधीनगर, अवपुर----

नाव : नगरीसांवह विशोदिया 'कोही' विता : इन्टरमीनियट (कता) नगर-तित्व वर कथा : 2-9.1945 ई., मंडोर (जोवपूर-राजः) सोनुदा व्यान-याथी : वामधेयक प्रत्योदी योगियां : विद्योद (करिता-र्याय-1970 ई०) पत्र-वित्तवां में प्रायोदी रचनावां : कोई देख से नंडी करिवास, कहारियां, केंग्र व्याद दाया है

सदीव री ठिकालो : बड़ो बेरो, मंहोर (जोयपुर--राज.) मौजूबा ठिकालो : बपर मुजब भांव : बदरवसी सम्पर

विसा : प्राप्त

सनम-तिथि झर स्थान : मिनसर बढी 5, संबत् 1981 वि०, नंनासहर

(बाकावर-राजः) भीत्रशा शास-सम्यो : शास-केवा

पत्र-पत्रिकानो में ख्रायोड़ी रखनायां : श्रीळमी, जायती जीत, धरावली झर स्हारी

सबीव रो ठिकाणो : एसबिट्रक सबस्टेशन र कर्ने, गंगाशहर (बीकानेर-राज.) मीहृता ठिकाणो : धुपर शुक्रव

नांव : बयांकर देवसंकर यनां निया : बैटविकारव

सनम-तिथि धर रवान : 21 नवावर सन् 1904 है, हैदरावाद (बांध प्रदेश)

मीतृदा काम-पन्छो : वैद्यक

द्यापेड़ी पोबियां : महति से बया जान (2 मान-संबन् 2026 हि.)

वन-विश्वाबों में दायोड़ी रचनावों : महुवारी, शामस्यान मारती, विश्वेमरा, वर्तेमान, सेनावी, बाद पत्री में कहारिया, क्रेस

बाद रचनाचा सुरी

दूबी सुषतायो : पुत्रराठी लूं खनुवाद करें सरीव थे टिकासे) : पात्ररवात व्यक्ति विवित्सानय, सोनरियी व्यक्ते, योकानेप (पात्रत)

भौजूबा ठिकाची : मूपर मुबद

माव : सस्त्रसिंह घटनागर

सिसा : हाईस्कूल, उरद्-फारसी-वज-प्रंत्रे को तो ज्ञान जनम-तिथि बर स्थान : 1-4-1911 ई. उदयपुर (राज.)

ननम-तिथि घर स्थान : 1-4-1911 ई. उदयपुर (राज. मौनूना काम-घन्यो : राज सेवा रा पेंसनर

मानुदा काम-पन्याः राज सवा रा पक्षतर पत्र-पत्रिकाली में छ्रमोड़ी रचनावां: सुकवि, प्रताप, नवजीवन, राजस्पान धाद पर्या

में स्थी बूजी सूचनावी: महाराखा उटवपुर रें हुन्य मूं राष्ट्रपति डॉ॰ राजेटबताव में कविता सुधाई—धानावादाधी पर कवितावों मूणाई 1. संतिम वयोति 2. सरवनारावण को कथा नांव री पीवियां सर सूची—पण-स्थी स्पेक एकावां पत्ती है

सबीव रो डिकाणो : मानी गळी, उदवपुर (राज.) भौजना डिकाणो : भूपर मुनव

मांश्व: तेत्रसिंह कोया सिला: एम.ए. (हिन्दी), लोग छात्र

सनस-तिथि झर स्थान : 7 जुनाई कन् 1950 ई., रेल्लीवर (नागौर-राज.) भौतुदा दास-संख्या : क्षोप झाम सप्पोदी सोवियां : 1,कोळ् रो ओळ्यां (पाध्य) 2. राजस्थानी—एड (सम्यादन)

3. डीठ 1-2 (सम्पादन) 4. हेवांछी (सम्पादन) वच-वडिहाको में सम्पादी एवनावी ३ सहुवाछी, मनकार, हरावळ, राजस्थान-धारती, खाद वनी में खरी

हरीय रो डिकाफो : वांव-मोध्य-एएकोयर, गृहवीय डीववाफो, मानीर (राज्ञ.) बीहुस डिकामो : बदाय संवर 40, वृत्तीपुरो, रसामा रोड, बोचपुर (राज्ञ.) नांव : त्रिसीक गोवस

सिशा: एस. ए. (हिन्दी), प्रमानन, धाई जी. डी. (बस्वई,-विजनसा डिप्तोमा)

सनम-तिष-घर स्थान : 28 वनवरी 1932, ई. धनमेर (राज.)

मीबुश काम-यम्थो-शस्यापनी

द्यामी रचनावाः मनतरी (1965)

रश-प्रिकारों में द्वायोड़ी रशनावां : धनेश पत्री से धर संग्री-ग्रन्थों से द्वारी समक्ष्मी रशनायां : राजस्थानी विश्वतायां धर नाटक बड़ी साराह से घरता सुन्या

पड़्या है

दूधी सुवनाया : हिन्दों में एकांगी थी एक योगी द्वारी तथा दूती नई विवासों सी योगिया सुपछी है सरीच री टिवाफो : सब्देन नगर (समात विनेता), सन्मेर (सन्.)

भौतवा दिकाची : सपर गतव

सोव : जिलोक सर्वा

विकाः यातासल

सनम निवि सर क्यान : 23 निशन्तर सन् 1933 है, बीट्र बरल्या(दृर्)

भौरुश काय-कामो : व्योकार

वच-विकाम में द्वारी रचनायां : भोदम्ह, वर्गवान, राजाबाद रिपोर्टर, वपवादी बाद वचा में बाद प्रवासी में बाद्य-सी में स्वत्यामी विज्ञानों छत्री

करीय रो दिवाको । यो व्यो हु वस्तर (पूर्-राजः)

भौरूरा क्रिकार्टी : यूबर बुजब

मोव : दमयन्ती कछवाह। सिसा : एम. ए.

जनप-तिषि ग्रर स्थान : --जोवपुर

मौजूदा काम-पयो : घाकासवासी में स्थिप्टराइटर

पत्र-पत्रिकायां में छप्योड़ी रचनावां : नवनारत टाइम्स, राष्ट्रदूत, सप-शश्ति प्रार

पत्रां में छ्री

सदीव रो ठिकाणो : पोस्ट वानस मंबर 4, जोचपुर (राज०) मौजुरा ठिकालो : बाकासवालो, जयपर

मांव : दामबी वर्गा (गूनर)

शिक्षा : सामारण्, ठेराको में डिप्लोमा, मल्लविद्या विशास्त

जनम-तिथि झर स्थान : मंगसिर सुधी 1, संबत् 1967 वि., काइरोली

(उदवपुर राज०) मौद्रश काम-यंबो : नेशनस स्वीमिय क्षीच

छत्योडी घोषियां : दाम सतसई

द्वजी सूचनावां : च्यार पीवियां रा सनुवाद कर्याहा है—दुलारेलाल सागैव रा

पदक मिल्थोड़ी है

सबीब री ठिकालो : कांकरोशी (पाळ पर) (बदवपूर-राब.)

मौदूदा ठिकाणो : बाई- एम. सी. ए., रेन स्ट्रीट, माईसाख, बम्बई \$

भाव : दामोदरप्रसाद

सिक्षाः एय.ए., बी.एड.

जनम-तिथि घर स्थान : 8 गई सन् 1938 ई., कीकर (राज.)

मीजुदा काम-धायो : शब्यापकी

द्यापोडी पोषिया : प्रेसारमा री श्रीत (कहासी-संग्र-1973)

दान्यादा पायया : प्रतात्वा रा प्राठ (कहाणान्यम — 1973) पत्र-पत्रिकावां में ग्रुप्कोक्षे चलनानां : गरुवाणी, मधुमती, वत्तमनीम, लाहेतर, समल, वागती जीठ, बीळमी घाद पत्री में

एकांकी, निबंध छप्या सदीव रो ठिकालो : कळपारियां री गळी, नयो सहर, सीकर (राज.)

मीजूदा ठिकालो । सूपर मुजब

नांव : बामीवरसास शर्मा

सिता : एम, ए., पीएच. डी., बी. लिच. एससी., वर्षेत घर कॅच मातावो रा एक बरस रा मनाल पत्र सिवा. बासा-विज्ञान रो मनाल-वन मी सिवो

कनम-तिथि बार स्थान : 5 मार्च छन् 1939 ई., श्रीयहाबीरची

(तवाई मावोदूर—राजः) यत्र-पत्रिकायों में सूच्योहो एकतावा : क्यालः सोकणीतः, नाव पंप-परण्या, सांशुरिया, राजस्थानी वंग साहत्य में स्वराहुत्य में स्वराहुत्य में स्वराहुत्य में स्वराहुत्य में स्वराहुत्य में स्वर्णा स्वता-विवास का स्वाकरण पर निवधः पर

निवन्ध छप्या

दूबी सुबनावां : राबस्वानी जाता रो तद्यव घर विकास-पर लोध प्रवंश निस्यो--राजस्थानी रै शाता वैज्ञानिक घर सुननात्मक घध्यवन में राज राले

सबीव रो ठिडारहो । बीमहाबीरबी (सवाई माप्रोपुर--राब.) मौपूरा ठिडाको : बी. टी. टी. कालेब, सरदारबहुर (बुर्-राब.) नांव : बिनेता निम्म (सेनदयास 'दिनेप' निम्म) सिक्षा : चंडापुम्पण, दंत-नोन-तास्य मास्त्री स्वनम-दिव्य घर स्थान : गार्च 1917 ई., चवाई (धेतड़ी-मू-फ्रण्-पात्र०) मोजस काम-पन्त्री : वैण्ड

द्यादो योगियां : भारत-सूर्वं (1965)

प्य-पार्य पामया : भारत-मूच (1795) पव पविकायां में हृत्योड़ी रचनावां : मवमारत टाइम्स, मरुवाणी, प्राटमी, सारे स समर-व्योति. राजस्थानी थीर. धार पर्या में

कविवायां साद ख्री बुको सुष्टवायां : हिम्दी-मराठी में कई पोषियां स्वी---वीदिया रै छाहित्य मंहत

दूबो सुवनावाँ : हिन्दी-मराठो में कई पोषियो छ्यो---वॉटिया रे शाहित्य मंडल रा संस्थापक सर मू० पू० सम्बन्ध, सब उपाय्वदा -- राजस्थानी वार्ण रे प्रकार-प्रचार रा संबोजक

सबीय री टिकारणे : गोंदिया (भण्डारा-महाराष्ट्र) मौजूबा टिकारणे : अपर मुजब

मांद : बीनश्याल धोभा

नाव : बानवदाल सामा फिला : प्रजासर (संजाब विश्वविद्यालय), साहित्यरत्व, राजनीतिरत्व

(हि. सा. स. प्रयाग) धनम-विचि धर स्थान : काठिक वर्षी 10, संवन् 1986 वि., जीसनमेर (शक.)

स्रेह्दा शाम-वाण्यो : राजलेवां इत्योड़ी पेषियां : 1. जनवतीय संत भीर जनकी वास्त्रो 2. राजस्यानी संत मुचा-वार

3, भारत रा निर्माता (भाग-1) 4. शोटी सूमर मोटा नाम 5. देव सामीदन 6. पूरमणी मंगळ (गंपादन) 7. राजश्यान

के कहातीबार-राजस्याती (भाग-2 स्वशस्त) 8 शत कि पीता 9. राजस्थाती कवियितियाँ 10. राजस्थात का वायतिक

यर्व-नश्तिर यय-प्रतिकार्य में द्वायोगी रक्षतायां ; हिन्दी-राज्यस्थानी पी सनेक समिकार्य में

सनेस साहित्यक रननायां स्त्री दूसी नुस्तायां : साहुत्य राजवस्ताती हितके हम्मीटब्रह, वीशोरेट यह हिती विस्त्रसारती, सीशोरेट या स्टार-हित्सी ही सर्दे पांचियां सो स्टार्ट-स्टारमणाती मूँ और रपनायां साहित्य

करोप सो टिकाली : केना वाही, वेडशबेर (साम.) मोहरा टिकाली : बिन्यालियों से श्रीव, बीटालेर (श्रव-बान) नांव : बोनदयाल "कुन्बन" विक्ता : थी. कॉम, ब्राहित्यस्त जनतिष्ठि धर स्थान : 9 जुसाई सन् 1939 ई, सीकर (राज.) मोजदा काम-प्रन्यो : निजी सेवा

पत्र-पत्रिकावां में दृश्योड़ी दचनावां : मदुनागो, मोळमो, बाग्यकारो, लाडेहर, राजस्थानी बीट, जलमणोम, हुरावळ बाह राजस्थानी पत्रों में घर वर्षयण, नक्तीत.

राजस्थानी बार. जलसमाम, हराबळ झार राजस्थानी पत्रों में घर बर्मयुग, नवनीत, कार्यावनी, सा. हिन्दुस्तान, पानकल, पराग सार हिन्दी पत्रा में वित्तावां, सम्बद्धाः, कहाणियां छरी

सगायुपी रचनावो : कहारोो धर कविना रो एक-एक व क्षे पर एक व्यव्यास-बराठी माटक 'सम्बापी वेदी' रो राजस्थानी सनुवाद सदीच रो ठिकारोो : बांबियो बास, सीकर (राज-)

भीजूबा ठिकाणो : पुस्तकालयान्यसः, मारवाड़ी हिन्दी पुस्तकालय, 227, कालबा देवी रोड, बन्बई-2

नांव : दोताताय सती

सिला : एम. ए., एलएल. वी., बी. एड.

स्त्योड़ी योपियां: 1 अवलवात खोंची रीअवनिका (संगदन) 2. स्थातदास री

यत्र-वित्रहायां में छुत्योड़ी रचनायां ! तोय-वित्रवायां में लोय-वित्रवण छुत्या दुश्रो सूचनायां : राजस्थानी क्रमां रे संपादन में सहयोग दियो --संतिष्त छन्नस्थानी स्वत्रकोस स्वार करयोडी

सदीव रो ठिकालो : कुनीलपुरो, गजनेर रोड़, बीकानेर (राजः) मौजूरा ठिकालो : धूपर मुजब

नौवः दौपचन्द सुद्यार

सिरता : उच्च माध्यमिक कसा, चाई. ची. डी. (बग्बई.) घार. डी. एव. (संदर) करम-तिथि घर स्थान : 15 प्रयस्त 1938 ई., फळीदी (बोयपुर-राज.) भौजुदा काम मन्यो : सप्यापकी

पम-पिष्णायों में साय्योही एकवायां : सनेक पत्रां में कवितायां-कहास्त्रियां स्पी सवीय रो ठिकामो : राजः उच्च मान्यः भवन रें पीलें, क्लीटी (ओवपुर-राजः) भीजुदा ठिकामो : नाहरा रो चल्लो, मेंत्रता विटी (नागीर-राजः)

श्रीय : इगाँदल गोस्वामी

सिक्ता: एम. ए, विसारव

जनम-तिथि धर स्थान : 28-1-1928 ई., पूर (राज.)

मीजवा काम-भाषो : निजी सेवा

वम-पित्रतावों में छाधीड़ी रखनावों : यदुमारती, सन्दादिक हिन्दुस्तान पाद पर्यों में सावस्थानी संबंधी लेख खन्यः—रेडिमी सर्वातावीं स्वारित

दुषी सुबनावो : राजस्थानी बाहित्य कहा संगम्,दिस्सी रा सह महामात्री—राजस्थानी बारती, दिस्सी रा कावेकारी सहस्य—विष्णुहरि डासीमया पुरस्वर स्टार्टन रा संबोधक—विदसी में राजस्थान रा सार्टीयक

श्चर सांस्कितिक ग्रायोशनां रा शमुख संयोजक

सबीव रो ठिश्राको : बुरू (रावः) भौत्रदा ठिश्राको : 2955, बुषा गाईदास, सीवाराम बाबार, दिस्सी-6

नाव . देवस्थित राजपुरोहित

सिता: उपच माध्यमिक क्या, रत्न (वर्षा) भतम-तिथि धर स्थान : 23-11-1944 ई., अन्याशेडी (नागीर-राज-) भौजुरा शाय-पन्यो : प्रध्यापती द्दांबोड़ी चोबिया : बरजूड़ी रो तब (बहाली), दांत कवाबां (बहाली). वाहिया बान से कैलो (कविताकां)

मलद्वी रचनावा : मरुवरा, अवकुही, बीरां री जनमबीय-नावा रां पोवियां सरीय रो टिकाली : यंत्राखेड़ी, यो. सिरासना (बाबा रेल-नागीर) भीनुदा विदाली : राज. उ. बा. विचालव, विरासना (वावा रेल-नावीर)

मोक : देवदश माग

शिला । साहित्याचार्य, बी. ए., मिला खास्त्री, साहित्यार्वकार, महामहीपाच्याय (गुअराती)

बनय-तिथि धर श्यान : 1 जनवरी छन् 1937 🐔 जालोर (राव.) भौद्वरा काम-शम्बो : बध्यापटी

क्षांत्री वीवियां : सपनी (वरिकत नाटक री बनुवार) भएग्री रचनावा : बाटी यी गाडी (बंदिकत नाटक दो भनुदाद)

पूर्वी मुखनावां : हिन्दी-मूबराती में बाल कवावां, धनुवाद बार मृद्धीयावां बाद हारी--रेडियो लूं भी रचनावां अवारित

मधीर शे डिकालो : निरली बारशे, जानीर (राज.) भौदूत डिकाफो : यूपर मुख्य

नोव : चर्चजन अवर् सिक्षा : बी.ए., बी.एड

जनम-तियि धर स्थान : 13 धनस्त 1932 ई., रतनगढ़ (जूरू-रात्र.)

मीजुदा काम-मन्त्री : ग्रह्यापुर्की

खप्योडी पोचियां : रूपमाधुरी (1971)

पत्र-पत्रिकावां में खप्योड़ी रचनावां : लोकमत, वर्जमान, बामां रा फून (संबं) राजस्थान भारती, मीनिश्चक (संघ")

घोळमो धाद में कवितावां छपी

दुओं भुचनावाः राजस्थान साहित्य सकादनी रा सदस्य सबीव रो ठिकाको : म्युनिसियल बोडं रै मामी, बीकानेर (राज-) मौजदा ठिकारणे : चपर मजब

माबः घोकळसिह चरळा 'स्रनंत'

सिक्षा : बी. र., एलएल. बी., विशास्य

क्रनम-तिथि घर स्थान : मंगसिर सुदि 6, संबत् 1978 वि., चरळा (सुजानगढ़)

मौजुदा काम-धाथो : वकालत

क्टवोडी पोथिया : सर्-सहमा (काव्य)

पत्र-पत्रिकावां में छुप्योड़ी रचनावां : राजस्यानी बार मनुवाली 🖩 कवितावां छपी प्राप्तश्चवी वी वयां : फिल्लोर (राजस्थानी कवितायां)

दशी सचनावा : 'हदय तरग' नांव सं हिन्दी कवितावां भी छपरा सारू श्वार है-श्र. मा. कवि सम्मेलन जयपुर धर नीकानेर साहित्य सम्मेलन में वरस्थित

सदीय री ठिकाणो : चरळा सदन, ब्रह्मपुरी, जयपूर-2

भौजबा ठिकाएते : शास्त्रीनगर (पेट्रोन पम्प र कमभी गळी में) जयपर-6

तिक्षाः एम.ए. (हिन्दी), साहित्यानार्यं, साहित्यरत्न सनम-तिथि द्वार स्थानः 24 नवंबर, 1936 ई., तदमणुषदः (सीकर-राज.)

मौजूदा काम-धन्धो : ग्रध्यापकी

छप्पोड़ी रश्वतावा : बारता सदन पुस्तकालय स्वर्ण-वयन्ति ग्रन्थ (1965) पं॰ धयोध्यात्रहाद शर्मा अभिनंदन ग्रन्थ (1967) श्री लध्मीराम

प॰ द्ययाच्यात्रसाद समा सामनदन सन्य (1967) या लब्साराम पूरीवाला स्मृति संय (1972) रो संपादन

पत्र-पत्रिकावां में ध्रापोड़ी रचनावां : मरुवाली, समाजदूत, मरुवारा बाद में धनेक हिन्दी-पाजस्थानी रचनावां छत्ती

वृषी भूचनावां : मेलानाटी जनवदीय साहित्य सम्मेलन रा मंत्री—साहित्य परिपद्, स्टम्मप्पन्त, जनपरीय साहित्य वंगम, मून्त्रमुं सर राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन रा सदस्य, सन्त्रित सम्मेलना में प्रयश पुरस्थार प्रान्त पुरस्थार प्रान्त

संशित री ठिकालो : प रायदलको विश्वनायओं जोगी, बार्व नंबर 4, यो. सहमलगढ़ (सीकर-राज.)

मीइशः ठिकालो : साहित्य परिपद्, लटमलागड

नांब : नरेग्द्र भानावत

सिला : एम.ए. पीएच.डी., साहित्यरत्न

श्वनम-तिथि ग्रर स्थान : 13 सितानर 1934 ई., कानोड़ (सदयपुर)

मौजूबा काम-बग्बो : बन्नापकी

सप्योदी पोषिया : 1. राजस्यानी बेलि साहित्य (क्षेत्र-प्रत्य) 2. राजस्यानी साहित्य-कृष्ण प्रश्नियां 3. राजस्यानी बोर काम्य भीर सुर्वेमल्ल निध्यस

राजस्थानी गद्ध : विकास भीर प्रकाश (स्वयंदन)
 पत्र-पत्रिकार्थ में स्वयोड़ी एक्शबर्थ : परम्परा, शोध-पत्रिका, स्वयंदती, सरदा,

राजस्थान भारती, परिषद पत्रिका झाथ 🖩 राजस्थान आरती

द्या स्वाचा थ्या द्वी सुवनावां : हिन्दी का स्रतेक यौतिक धर संपदित वय-राजस्वान विश्वविद्यालय स्ंपदक प्राप्त-सापार्यं स्रो विनयवद्य ज्ञान भंडार का मानद निरेग्नक

सू परक प्राध्य-मानार्य को बिनयबड जान भंडार का मानर निरेश सबीय री ठिकाणो : छी. 235 ए, श्यानन्द मार्ग, तिलकनगर, वयपुर----4 भौजदा क्रिकाछो : मपर थजब मोव: मरोत्तामरास श्वामी सिक्षा: एम.ए. (हिन्दो-सस्कित), विचामहोदीन, विचारत जनस-सिवि धर स्थान: 2-1-1905 है, मोकानेर सौबूरा काम-प्यान: राववेश (पाय्यत, हिन्दी विकार) रा पैनसनर एररोड़ो भोषियां: 1. रासो साहित्य धोर पुम्लोराज रासो 2. संक्षित्र रासामी व्याकरण 3. राजस्थान रा द्वार (पंथान) 4. विकार पुकारी

री बेलि (सम्पादन) पत्र-पत्रिकावों में छुच्चोड़ी एकतावों : सनेक पत्रों में संक्रा रक्तावों छरी

दूजो सुचनांवा : हिल्दी साहित्व सम्प्रेलन, प्रयाप सूं धानविह पुरस्कार मिल्यो राजस्थान राज्य प्रयासायाओं क्रांत्मेलन सूं भी पुरस्कार मिल्या—राजस्थानी माता रै क्रांत्मेलयु रा सूजवार रेवा—राजस्य प्राया साहित्य संग्या रा अध्यक्ष रेवा—मेनेक प्रश्नाविकारा म

संग्री-प्रत्यां रा संपादक क्षर राजस्यानी सोच छात्रां रा निदेशक रैंग संक्षेत्र शे ठिकालो : वांति सालम, जीकानेर

भीनूबा ठिकाणोः शूपर मुजन

नांव : गवमीतहमार वालीवास रिक्स : थी.प., बाहित्वरतः करम-रितिष कर स्वान : 8 वर्ष 1936 ई., मायद्वारा (चदवपुर) मीजुदा काम-पाणी : धवलाटत्वीती घर प्रेत रो वाणी कर्मापुरी रचनावां : वेवाहों थीत सुदो सुपनावां : यम-पत्रिकायां में धनेक हिम्से रचनावां खरी-—कृष्टि सम्मेनतां में

घर धाकासवाछी पर कविता-बाठ कर्यो सहीव री ठिकाछो । धालीक घिटसँ, शाबदारा (उदयपुर-राव.) भीकरा ठिकाछो । घरार मजब नौव : नृतिह राच पुरोहित सिका : एम, ए., बी, एड.

स्वम-तिषि प्रर स्थान : चैत सुदी 14, संवत् 1981 वि., खांडप (बाड़मेर-राज.) मीजडा काम-प्रापो : अध्यापकी

छत्योडी योषियां: 1, पन्न रो काम (1952) 2. रातवासी (1961)

3. विनवपूर्णा रो मोल (1964) 4. राय-राज (1965)

3. मनलपणा रा माल (1964) व. राम-राज (1965) 5. भगर चुनडी (1969) 6. हांस्यां हरि विर्त (1973)

5. संगर पूर्वहा (1909) घ. हात्या हार वित (1973) यत्र-वित्रावां में छत्योड़ी रचनावां : मस्वाली, बोळमो, मर्बारती, ललकार

राजस्थानी नीर बाद पत्रा मे छारी सभी सुस्रनार्था : कहालिया निर्व-कवितायों भी करें-राजस्थान साहित्य सभावती

दबा सूचनावा र बहाराया । शता — शताया जा कर-पास्त्राया शाहराय स्वाहराय त्तारस्य — राजस्यान साहित्य प्रकारमी वृंक्या साहित्य रो पुरस्कार शिक्यो — हुना कई पुरस्कार की मित्या — हिन्सी रचनावी भी करें

सदीव रो ठिकाणो : पुरोहित कुटोर, खाण्डप (बाड्नेर-राजः) मीजवा ठिकाणो : ध्यर मुजब

मोव । मण्यक्तिशोर लगी शिक्ताः थी. ए.

क्षमत-तिथि धर स्थानः । जनवरी 1938 ई. जैसलमेर

भीजबा काम-धरधी । सन्यापकी

एप्योड़ी पीचिवा : लीगेवाले पी लड़ाई (बाव्य 1971)

पत्र-पत्रकाचा में इत्योदी रचनाचा : नवबारत टाइन्स, द्विन्दुस्तान दैनिक, रंगायन, काव्यांबळी (संग्रे ग्रम्य) झाद में रचनाचा दणी

दूतो सुचनार्था : रेतीला रहाावरण, जुनो जेंगालो—भोव रो पोरियां स्वार—श्रेयसनेर सब्देषी परिच्यासक हिंदी पोषियां स्त्योही-मन्तर प्रान्तीय दुमार साहित्य परिचद सर जेतनमेर रो वर्द संस्थावां रा मन्त्री—कदि साम्बेनना में कतिता—राठ करयो

सदीय रो ठिकाणी : श्रीमांत प्रवाशन, ज्यासगेर (राज.) मोतूबा ठिकाणी : श्रूषर शुवन र्माव : मंब भारद्वाज (

सिक्तर : एम. ए. (हिन्दी) षनम-तिथि बर स्थान : 1 धगस्त 1948 ई., माहपुरो (शङ्मेर-राज.)

भवानाताय घर स्थान: 1 धगरत 1948 ह., बाह्यूरा (बहुमर-राज.) भोजूदा काम-पंथी : सोच-छात्र-हरातळ प्रोक्ता रो संपादन पत्र-पत्रिकालों में छप्पोड़ी रचनावों : हरावळ, राजस्थान-भारती, मृद्वाणी आद पत्रों में कुटकर कविता. क्षाणी

घर धनवाद खप्या

सबीव रो ठिकाको : गांव माडपुरो, पो. कवास (बाइमेर-राज..) मौजुदा ठिकाएो : लापटो, मोदी चौक, जोपपुर (राज.)

नाव: नागराज कर्ना तिला एम.८., थी. कांग., थी. एस., विचारय धानम-तिथि घर स्वान 19 भार्च 1932 ई., पिलाणी (फूंफणूं-राज.) मीतुदा साम-पायी: धाव्यावशी दाप्योड़ी पोषियो : थिन तो चेशं (1963) विरक्ता बीनणी (1971) राम मिलाई कोड़ी (1972)

सबीव रो ठिकाको : नावराज सर्गा, विलाएी (कू माणू-राजः) भौजूबा ठिकाको : सुपर सुजन

(jeg

नांद : नानुराम संस्कर्ता सिक्षा : प्रमान्द (भेवान) की. एस. टी. ती., साहित्वपद्दीपाच्याव (प्रमाम), संस्कृत प्रथमा जनव-तिथि घर रणान : सावण् बदी 7, संबत् 1973 वि., गांव सारी (सदाप्रस्थावस-वीकानेप)

मौतूदा काम-धन्धी : श्रव्यापकी

धप्योड़ी दोवियां : 1. कळायस् (काव्य-2004 वि.) 2. समय-वायरो

(काव्य-2009 हि.) 3. दहारेल (काव्य-2014 कि.) ससरोल (काव्य-2023 कि.) 5. ग्होबो (कहाएगो-2014 कि.) 6. बोरनावसी (काव्य-2022 कि.) 7. पर को रेल (कहाएगो-2025 कि.) 8. यर की नाण (कहाएगो) 9. छप्पम सत्तर्स (काव्य) 10. प्रास्त्वान का लोक साहित्य

(सीय-चन्व) वज-विज्ञानों में स्प्योड़ी रचनाड़ी : राजस्थान चारती, वरदा, मरुनारती, मरुनाराी, कोळलो, जलमभेग चाद पत्रा में छरी

दूजी सूचनावां: 'कळायण' पर पुरस्कार सबीव रो ठिकाणी: काळू (थोकानेर-राजः) मौजवा ठिकाणी: सपर मुजव

नांव : नारायहावेत थीमाळी सिक्ता : एम.ए., पीएच. बी., बी. तिट. बनम-तिथि ग्रर स्थान : , 21-4-1935 ई., सरदियी (बोयपुर)

मोजूदा काम-पग्यो : ग्रध्यापकी छच्योशी पोषियां : राजशीति रा कवित्त (संवादन)

मन-पत्रिशार्थों में घरपोड़ी रचनार्थाः मरुवाशी बाद पत्रों में बर 'मिसमर' मांव रे

संग्री-प्रत्य में कवितायां घर एकांकी सप्पा

दुत्री सुचनावाः : ज्योतिस संवंधो सनेक पुस्तकां निसी---गीतांत्रळी रो राजस्थानी मनुवाद कर्यो---राजस्थानी प्रवंध काष्य पर सोधन्यन्य निस्यो---रेवियो पर वार्तावा प्रसारित करी

सदीय रो ठिकाएरे : सी/एफ 14, हाईकोर्ट कोलोनी, जोघपुर (राज.) मौजूबर ठिकाणो : मुपर मुजन मांवः नारःयचित्रहं 'वीयल'

सिक्षा : हायर सेकेन्द्रो, जे. डी. सी. भनम-तिथि धर स्थान : 1 प्रयस्त 1947 ई , गोगोळाव (नागौर)

मीजूबा द्वाम-धन्यो : ब्रश्चवारनवीसी एप्योडी पोधियो : I. सस्कृति-प्रवाह (1969) ई.

दिप्योदी पीथमां : I. संस्कित-प्रवाह (1969) ।

कृत्री सुचनवाः पूटकर रचनावां-कवितावां खरी सरीच रो ठिकालो । नारायल वीयम, नयो बास, वाससमंब, जोगपुर

भौतूरा टिकाएरे : सूपर मुजब

शांद : मारायणितह बाटी

तिया : एन. ए , एमएन. बी, पीएच बी.

क्षत्रयःशिवं वर रकाम : सन् 1930 ई., वालुंती (बोक्यूर) बीजहा काक-काको : निरेतक, शामस्वानी योग गरवान, चीगामणी, बीक्यूर

स्प्योप्नी क्षोतिकां : १. लोळ ू. २. लांक 3. युवरिशन 4. जीवल-वन 5. वरमगीर 6. लेकपून (खनुवाद) 7. वळर (खनुर रा लगळ काध्य-सम्प

. . :

3. द्विपक्र वीच (गोच--वच) 9. मारबाह सा बरगता री

विषयः (वरायः) वत्र नविषयःगो वें स्थानेष्टी पणनायाः सनुवारः), वरशः वर्षाराः), सङ्गः, सनुवर्ताः सार वत्राः वें वर्षाशायः सर

मेश स्था

कुषी भूचकारी ३ वरणस्य स्थान ये लोकप्रिका यो सम्बादय-व्यवद् री हो मेश्यारी मू काम्य रचनायो वर पुरस्वार -- ब्राफास्याली स्- रचनाको प्रतिराज्य राजस्याय काहित्य ब्राक्षायी बार राजस्यानी वाहित्य क्रायेयन U

सरम्य कर शाविकारी

क्टीक री दिकालो उ राजन्यानी कोच सन्यान, चीतानगी, बोजपूर कोचुरा दिकालो : शुवन सुनव नाव - गाह्यताह सिक्षा : मेयो कतिन, धनमेर रो पोस्ट किलोमा जनम-तिथि धर स्वान : बैदाख बदी 5 संबत् 1966 वि. (10-4-1909 ई), धाउवा वह (वाती-राज.)

मीनूवा काम-यन्त्रो : वानप्रस्य जीवल, साहित्य-सापना सप्त्रोदो रचनावां : युगनसती सुवस (2011 वि.) महाराजा जमेदीसह

रा मरसिया, महाराजा सवाई मानसिंह रा मरसिया, स्नासोव ठाकुर महेसदास रा दूहा, म्यलामंड सितयां री सुजस

हूबी सुबनावो : मणती सन्वन्धी हिन्दी-गुजराती-राजस्थानी-का रचनावां हशी-पावृजी, डोपरी, गांधीशी, नेहरूजी बाद बनेक लोगा पर काव्य-रचना कर्योधी है

तीव : निर्माही क्यास तिका : शी.ए. विचारत, विधि छात्र जनम तिति प्रद रचना : 3 रुपरो 1934 ई... बीहाने र भीतृश साल-सम्प्री : रेक्टने-स्था तम यिकास में स्वाकीश स्वाका : किस्ता, कहात्री सनेक वेत्र से छुनी है दूसी सुबनावा : स्वाक्रया एकारे त्यार है राजस्वानी साला समिति रा संगेतक रेशा-स्वाक्रया साहत्व सम्बाचन रा सहात्रनो रेशा-समुसाल कहा

केन्द्र नाव 'री सस्या लू' राजस्थानी सारिकतिक कार्यक्रम करे सरीव 'रो ठिकालो : कृष्ण निवास, सुरसायर करें, बोकानेर (राज्.) भौडवा ठिकालो : अपर अवव

भाषः नेमगारयक्त जोक्षो सिक्षाः एम,ए., पीएच. डी.

भनम-तिथि बार स्थान : सावश सुदी III संवत् 1982 वि. (31-7-1925 ई.,)

गांव : बोडियास्मे (नागौर) भौजदा काम-धन्यो : प्राच्यापको

भानुता रामवाचा : आध्याका स्पादी रचनावां : मरकालो सर बोळमो में संस्मरण ख्या दूबी सूचनावां : माकालनाली सूं रचनावां त्रसारित सदीव रो डिकाणो : थो. शीहेबसणा (नाशीर-राजः) भोनुता डिकालो : 180, स्वोकनगर, उरवपुर (राजः) नांव : पतराम गौड़

सिक्षा : एम. ए. (हिन्दी-संस्कृत), सा. रतन, एम. ए. प्री. (सघे जी) जनम-तिथि धर स्थान : 14 दिसम्बर 1913 ई., विलाखी (फू कर्यू)

मोजूरा काम-पन्धो : प्राप्यापकी (प्रस्थक हिन्दी विभाग, बी. प्राई. टी. एड., पिलासी)

द्यापेड़ी पोचियां : 1 थीर सतसई (1950-1961 ई., सम्मादन) 2. चीबोली (1944 ई., संपादन)

पत्र-पत्रिकाकों में खुरुषोड़ी रचनावां : सरस्वती, भारतीय छाहित्य, मुरुप्रारती, नी प्रण्यत्रिका साद पत्र-पत्रिकाकों स्रर कई सर्थि

नग्दन प्रश्वा में रचनावां छती दूशी सुचनावां : बोर सतत्वई रैं सपादन पर पुरत्तर सिरुयो-सोव छात्रां रा निरंपत्र रैवा—४. प्राइ. शे. एतः, पिताणी री सिवेट रा सदस्य रैवा-हिसी

वि. विद्य श्रीठ, उदवपुर रा घाजीवन सदस्य सभीव रो ठिकालो : पिलालो (फूंफ्णूं-राज) भौजदा ठिकालो : घ्रपर मुजव

भाव : पग्नालाल शर्मा 'पनल'

नाव : रणासात वर्णा ज्यार मिकडा : इस्टरमीडिएट (अवनेषर), जिशारड (वयाग), राष्ट्रचावा-रात (वर्षा) चनन तिथि सर स्थान : 10 समस्त सन् 1915 ई., वाडमेर (राज.) भीनूरा बाव-यंग्यो : मध्यारवर्षीकी

'शुरुवोड़ी पोर्धियां : नारी देवी (1964 ई.) राज्दवाशी वेता (1970 ई.) यज्ञ-विकासो में दरपोड़ी रखनावां : मस्वाणी, संप-शक्ति, चेतन प्रहरी, मस्त्रस्त्र . साथ पत्री में दरी

बुबी सुधनार्था: नारी देशे नांच री योशी पर इनाम मिन्नोझ-कुमार साहित्य परिषर, बाडुमेर रा अध्यक्ष रेशा-राजस्थानी आसा र प्रचार-प्रसार ये साडा

राज राज सदीव रो ठिकाको : सागळ मोहस्मो, बाह्नेर (राजः) मौजूदा ठिकाको : सूजर मुख्य नांवः परशुराम बीरूपास

सिक्ता : बी. ए., राष्ट्रमापा रत्न, ग्रानायँ (मा. बि. पीठ., बंबई)

बनम तिथि घर स्थान : 10 फरवरी 1938 ई , डेह (नागीर)

मौजुरा काम-चयो : यध्यापकी

क्ष्योद्दी पीषिको : शिव्य सम्भावती, लीव-मुचार सम्भावती घर शीतत-मुचार सम्भावस्था नांको सूं समाम-मुचार रा राजस्थानी गीठा रो छोटी-रोजो चीविका

सरीव रो ठिकाणो : वेह (नायोर-राज.) मौतुरा ठिकाणो : खपर मुख

माञ्चदा रठकामाः । सूपद मुजव

नोव : प्रतापी-ह नरुका

सिक्सा : एन. ए. (हिन्दी). एवएस. वी.

सनम-तिथि बर स्वान : 7 जुनाई 1947 ई., विसासपुर (टॉक-राज.)

मौजूदा काय-याथी : राजसेवा

वन-पनिकास में सूच्योड़ी रचनार्था: नव्यारती, नवायोति साद पत्रो में राज्यवानी पहेंचित्रा, याच्य सीत साद प्रशासिक दिस्तयो पर केस स्थान-मिंस सार पराणी जैसी ही विद्याची बी स्थी

सरीव री डिकासो : बिलासपुर, यो. नंबर (टॉक-राज.) :

भी हुदा ठिकाणी : 79 प्रवास स्वर,

नांव : प्रतानांतह राठोड़
विद्या : एव. ए. (हिन्दी) पोएच. ही., रावस्थानी बाहित विवारत
बनम-निष घर स्थान : 30 जुवाई सन् 1944 ई., वितानेव (नापोर-राज.)
सोन्न्रा साय-पायो : यथापठी
पत्र-मित्रहासो ये प्रत्योदो रचनावी : यथ-सक्ति, जनवपरोन, मदभारती बाद वसे वे
तेल घर कहाण्यां छानी
मूर्यो मूचनावी : रेपालवानी थोरान्यान' नांव रे विवय पर सोच-प्रवंप निस्ती
सत्तेव रो विद्याली : गांव विचानेत, झाइयर वेनाना (नापीर-राज)
सोह्या विद्याली : प्रत्यानां वाह विचान, नारसा बचन कानेत, बुहुमण
(प्रीयान'-पात्र-)

तांव : पुरश्ताम द्यामी विक्ता : वी. ए., राजुबाम जीवा (वर्षा) श्रवस-निर्वेष वर त्यान : 11 वर्षे न न्तृ 1941 है., जैवनवेर (राजः) श्रीकृत काल-कालो : नारी बामोशीय वर्षामन री नेवः वर-निवंशा में दान्धीन रचनावों : वर्षामी, हरावजः, वयवधीय बाद वर्षो हैं कहानी, करिता, विवंश एका वाह्म वर्षा

सरस्तरे मेरिका - करियो (नड काम्ब) कृति कुम्बरको - करूर कार्रित कुमा करिया पनितृत जैनल्देर रा मदी क्ष्मेर को टिकान्टे : स्वत्यन्ति सुरेड, जैनल्देर (राजः) कोरूस टिकान्टे : स्वत्यन्ति सुरेड, जैनल्देर (राजः) नोदः पुरुषोत्तम प्रमत्त

सिक्षा : साहित्यरल, बायुर्वेदरल, वियग्वर

चनम-तिथि धर स्थान : थलेस चीच, संबत् 1990 वि., सूनंवा (नागौर-राज.)

मीजुदा-काम-पन्यो : वैद्यक, खेती

श्रुत्योड़ी धोषियां : ताज बार तरवार (काव्य 1973 ई.)

पत्र-पत्रिकायों में छुप्योड़ो रचनायां : लोकवासी, राष्ट्रदूत नवसुग धाद दीनक छापां में घर साप्ताहिक छापां में भी रचनावां छनी

हुनो भुवनावां: महारमा युद्ध रेजीवरण पर 'सुद्ध बुद्ध' नावं री पोधी निक्षी---हिसाल-कमला नाथ सु तह काव्य घर भ्रमरी नाव सु कविता सब्वै स्थार करवी-चाहित्य कला खंगम घर खाहित्य परिय-नावां

सब्वै त्यार करवो—वाहित्य कला खंग्य घर खाहित्य परिप-नाक्षां श्री संस्थावी श्री यापना—संदर्गनीय सूंशासिक पत्र रीयापना क्षर संपादन

सदीय पी ठिकाली : सूर्तवा (नागीर-पाय.) भीजुदा ठिकाणी : किसमगढ़-रेनवाल (अगपूर-पाय.)

नांद: पुरवोतमलाल नेनारिया

सिशा: एम. ए. (हिन्दी), वीएच- डी., सा. रत्व

धनमः िति प्रर स्थान : 5 नवंत्रर सन् 1923 ई., उदयपुर (राव.) भीक्षर काम धन्धो : राज-तेवा (उपनिदेशक, राज. प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोवपुर)

ह्योडी पोषियां : 1. राजस्वान की रस बारा (1954 ई.)

2. राजस्थानी भाषा की रूपरेखा (1953 ई.)

3. राजस्थानी साहित्य का इतिहास

4. थी कृप्स रिनाली विकाह-सबंबी राजस्वानी कान्य

5. राजस्थान की सीक्षक्रधार्थे (1954 €.)

6. राजस्थानी बार्जा (1954 है.) 7. राजस्थानी सोह गीत (1954 है.) 8. राजस्थानी साहित्य-संग्रह माग-2 (मयाहर)

(1954 इ.) B. राजस्यान साहित्य-संबद्ध मान-2 (स्पादन) 9. व्यवस्था हरण (संपादन)

पत्र-पितानों में प्रामीने पनामां : यनेक प्रविकासों में एक्सी मूं पूर्व तेस हत्या हुआ सुमनार्था : प्रस्तवान की नोक कमार्थ तथा । प्रत्यवानी बातां नांचा रो पोरियां वर पुरस्तार तिया-मामाध्यावनती मूं बार्जाय प्रशासिक पूर्व रो मूची मूं परसार वर्ष हुआे पोरियां वर हार्यों दो क्यारक, नेतन सार

मोहूरा ठिकालो : शत्रस्थान प्राप्य विचा प्रतिष्ठान, जोवपुर (श्वजः)

नांव : पूनम दहवा

सिक्षा : एम. ए. (हिन्दी), पीएच. ही.

वनम-तिपि झर स्थान : 31 जनवरी सन् 1938 ई., बीकानेर

भीतृतर काम-धन्धो : शाष्यापकी छप्पोड़ी पोषियों : राजस्यानी बात साहित्य (1969 ई.)

छत्याहै। पीवर्षा : राजस्यानी बात साहित्य (1969 ई.) पत-पत्रिकार्वा में छत्योड़ी रचनार्वा : प्राथ हिन्दी विसर्वा पर सनेक पत्रा में सेस.

यभीशा भाद ख्राी दुवी सूचनावा : थाकासवाखी सू रचनावा प्रसारित-वातावन नांब रें हिंदी छुपै छ सवादक रैंगा--राजस्थान शाहित्य बकादमी री क्षोप क्रमेडी छ

सस्दय—रैया योतायन नांच नूं हिन्दी नीत घर कोरी समीशा 🕈

सतीय री टिकाफो : मा. व. व्यमजीवी श्रहाविधासय, शतक्यान विधापीठ, व्यन्तुर मीजूबा टिकाफो : शुवर गुजव

नांव: वदरीप्रसाव साधरिया

तिसा : साथारण वनम-तिबि धर स्थान : 26 जुन धन् 1896 ई., बानीवसा (बाइमर-राज.)

भौतुदा काम-धन्यो : साहित्य-सेवा

क्योड़ी बोबियां 2 1. घनोली बान 2. घा मींद कर वर्डमा 3 हरिशम (शनावर) 4. बंहता मैलमी की महाम (माय 1-4 वंतरन)

मृह्मा निग्नी को स्थाप (साथ ३-४ सप्रदन)
 पत्र-प्रिकाण में छ्योडी रक्ष्यायां: शत्रस्थान-सार्थी, वरदा, महसार्थी, वयमप्रेत्रं,

वन-विवास में क्ष्याहा रेचनाया: राजस्थान-वार्गा, वर्ग, वर्गा, वर्गानायाः आलुडाये, सन्वेषणा, राजस्थानी बीर प्रार विवास में आव मोच सम्बन्धी सेन क्ष्या

बूबी मुखनाको : राज्यवान-जारती या समाग्रक रेवा --सम्य कोम स्वार करणीमे है--प्राचीन विकास साहित्य पर खन्मा काम करवोड़ी है-बायोत्सा है निका कर साहित्य-महत्त्वी कई मन्याची की बाजना के सहसोद स्थि

निजा बर साहित्य-नारतनी कई नत्याचा दो बादता में हर्रोड स्थि सरीब से डिडाबी : 856 नावरियासदन, बरनवर्षचानवर (युबराउ) मोट्स डिकाबी : कुरर मुख्य नाव : बनवारीलाल मिश्र 'सुमम'

विकाः शास्त्रतीर्थे

धनम-तिथि धर स्थाव : 4-11-1919 ई. विद्या (कृ मणुं)

भौद्रवा काम-थंदो : पॅश्विताई, नाहित्य-सेवा

खत्योडी पोविया : 1. देळ्यां की दिवली (2020 वि.)

2. प्रेम-प्रदीव (2026 वि.)

यत्र-पत्रिकाचां में द्वायोड़ी रचनावी : अववास्त्री, महात्राला बाद पत्रों में घर सप्र-चन्यां में खपी

दूषी सूचनावां : राजस्थान साहित्य भाकादमी, उदयपुर श्वर दूशी धनेक संस्थावां मूं पुरस्कार मिल्या-त्रेन त्रवास घर स्थान-महिला-नावां री पीथिया भी खप्योडी

सबीव री दिसाको : विहासा (मूं मालू -गाव.) बौहवा डिकामो : मुपर मुजन

नांव : वंतीलाल वेकारी

शिकाः । साहित्यश्ल

बनम-तिबि घर स्थान : 23 जुनाई सन् 1936 है., हंबीरगढ़ (ग्रीनवाहा)

मौनूदा काम-वयो : वेठी, वाहित्य-वेवा

एत्योड़ी वीचिया : बोळ्यू (1967 ई.) बरखनी वाली रे (1967 ई.)

वृत्ती संचमार्था : यत पाँतकाशी धार संबी-संबा में रचनावां छश- स्वि-सामेतना में धर धाकासवासी पर कविता-पाठ कर्यो-मोळ्यु पर पुरस्कार भिस्यो -

सदीय 'से ठिकाणी : हमीरगड़ (बीनवाड़ा-राज) पीइरा टिकालो : घपर मुख्य

सिसा : मैट्रिक जनम.तिवि प्रद स्थान : 13 मार्च सन् 1940 ई., सिहाना (राज्ञभी-वितीर-रात) मीन्या साथ-प्रायो : प्रध्यापकी प्रध्योदी येथियां : पूजा रा पूजा (1965 ई.)

यत्र-पिकाबों में छवी रचनायों : घोळवों में प्रावश्यानी रचनायों मा हिन्दी रचनारे दूजा फोक पत्रों में छती-सर्व-दांचों में यति दूजी मुख्य थीं : मारतीय साहित्य परिवद, मीसवाड़ा रा संदी--हिन्दी में. भीड़,

की गळी, भीलवाड़ा (राज.) मौजूबा ठिकाली : झपर सुअब

> रंग है कि इर्ग विक्रिका

\$ eres 5 = 1

श्रीय : बतारायण प्रशिक्षित शिक्षा : प्रम. ए., (श्रियी-वंश्वत), एसएल. थी., पीएच, श्री. (श्रियी-वंश्वत) बतार-तिय-धर रचाण : 21 गर्ववर 1934 हैं, बीकलेर : मीजूस काल-पायी-माध्यापकी धर्माश्री वोषिधां : 1. बटारको (-रे-धिषय1973 हैं,)

2. वकोल ताहव (संत्यरत् –1973 है.) इस-पिकाओं में स्थानी स्थाना : पदरत्ती, हयरतः, तोक-सुरक्, रावस्त सर्वी, पूरतः, सोक, सर्वीनेह, सर्

सबादनी वेशिया : गोवां रै पंता-नांच मुं रेसानियां री पोधी : दुनी सुधनावां : हिन्दी में एकांधी-संबं हात्योही—बकानत रो वन्दो सी क्रांधी-संबं सम्बन्धी नेस्य मी हरना

सदीय भी ठिकाको : भू बड़ां रो चौक, बीकानेर मौनुदा ठिकाको : बूपर मुजब मोव : बत्रमोहन खावळिया

सिक्षा : एम. ए., पोएच. हो., सा. रत्न

सताः एवः ए., पार्यः काः, काः रागः स्वतमः तिथि सर स्थानः सामाठ सुदी II संबत् 1985 वि , बाह्युरा (भीलयाड़ा) मौजरा साम-यम्पो : राज-सेवा (राजस्थान प्राप्य-विद्या प्रतिच्छान)

छप्योडी योथियां : राजा-राखी (धनुबाद-1968 ई.)

पत्र-पत्रिकावों में छत्योड़ी रजनावा : सरस्वती, मरुवारती, विश्वमरा, लोह साहित्य, मधुमती, मरुवाली, वरदा, झत्येपणा, शोच-

पत्रिका साद में सोध-निवय सर कहाणियां छ।

बूबी सुचरावां : सोरुविज्ञान गांव री पत्रिका रा. सँहवापक-संवादक--सैदाड़ी सब्दा-बसी पर शोध-संघ विकयो

सदीव री ठिकाली : कीठार मीहल्लो, शाहपुरा (मीलवाड़ा)

भौजूरा ठिकाणो : राजस्वान प्राच्य विद्या प्रिठिष्ठान, साखा कार्यानय, राजमहत्त, जनवपुर (राजः)

नाव: समनोहन 'सपूत'

सिजाः थी ए., एम एड.

भनम-तिथि घर स्थान : 10 धनदूबर सन् 1927 ई , बाहपुरा (श्रीतवाड़ा)

भीवृदा काम पन्यो : खेती

यत्र-पत्रिकाची में श्राम्कोड़ी श्वनाची: सरवासी, मोळमी, बानोदय, बाघोवन, राजस्यान-विकास खाद पत्रों में बार सर्व-प्रयों में कवित वा

सलक्षे पोष्पा; ह नर हेनी, सुहानल, बीतयोगाल, गुरुगुलबस, बेनुक में तुक धाद नांगा लू बीता-कवितावां रा सब त्यार कर्याहा है

हुवी सुबताबो : शुभश्यानी ता वृद्धि-सम्मेलनो में माण लियो-माकारवारणी सू रचनावो प्रसारित करी-चीए हैं हमले हैं बसन सार्श हैत में कर्ण-

भीवृत्त ठिकामी : सुपर मुजद

भीव : बन्तलातीतृ पावस्य तिस्मा : एम. ए. (हिन्दो), भीएव. हो. सनम-तिथि प्रदेश्यात : 29 फालरी सन् 1936 ई., हुनवात (बितापू-फू.स.गू) मोतूरा का-म-प्ययो : प्रध्यावडी प्रध्योदी पोषियो : माता री पूकार (1972 ई.) यत्र-पिकालों से एप्योदी रचनावी : वरवालों बावत लेख कई वनो में धुर्या हु शे सूचनावी पावजी रचनावां पर लोज-संव तिस्वी तशेव सो दिकालो : 1. दुनचात (वितालु) 2. करली हुटीर (बात) विदा-विदार, विताली (एज.)

भीदृश विकालो : योदार कालेज, नवलनइ (फूंबलूं-राज)

तात : प्रमेश 'पंचल' शिला: एम. ए. (दिगी) कमा निव सर पाम : 28 जून सन् 1930 ई., साला (कोटा) सीजुरा साथ सम्मो : स्थापकी पप-निवास के संस्थानी रचनातां : स्थाप नंत्री सामानानी करितानां प्रमेष पर्ण के स्था पुणी सुचनायां : दिग्यों से करितालां, निवंच यह बहाल्यां में स्था

धूबी शुवनाचो : हिन्दी री करितावाँ, निवंच घर वहार्शियों मी वर्ष बरीच रो तिकालों , मारदा बदन, बृबरायवृद्य, कोटा (राजः) मीजूदा तिकालों : धूनर मुजब नीव : बाबुताल (लाल कवि) सिक्सा : हिन्दी भूषण (पंजान)

बनम-तिथि धर स्थान : 27 धन्द्रवर 1909 ई., बीकानेर

मीजूरा काम-माथो : राज-सेवा रा वेंसनर

सन्योही केविया : बीत-बारली (1960-61 ई.) बुबपद-बारली (1967 ई.) वन-पत्रिकार्या में छप्योड़ी रचवार्या : नश्यात्यो, बायोगन, बमरण्योति, सलगार,

सविकार बाद पथा में कवितावां छत्री बुको सुधकाको : बाकासवाएं। लूं भी रचनाको बडारित --कुक्डळिश, लोकपुनी रा

गीत धर दूबा मुक्तक छंदों री रचनावां त्यार पड़ी है श्वरीय शे दिकालो : वागक्ष्मि शे मोहल्लो, गोगानेट, बीकानेर

भीजुरा डिकारो : मृषर मृजक

मारः वालकृष्ण गर्गे 'वालक'

शिक्षा : एम. ए. (राजनीति), टी, टी, सी. क्षत्रम-तिथि घर स्वात : 27 व्यवस्त सन् 1928 है, व्यवसेर (राज)

भीजुदा काम-कामी : सम्यापकी

यत्र गत्रिकामां में खुप्कोड़ी रखनावां : दैनिक धर साप्ताहिक पत्रा में हारी इबी सुबनाया : हिन्दी में गीत बर खण्डकान खन्ताहा-राजस्थान साहिस धकावयी

व् प्रकाशता-बहाबता मिली-धा था, वृदि सम्मेलना शे संबोधत घर सहित्य-कता केन्द्र बांच शूं संस्था १) संचातन सदीव रो विकालो : 421/1 फिवियमनगंब, धवमेर (राव.)

मौद्रश विकाली : धूपर मुखब

नोव : बुश्चिमकाश पारीक

flamming to grant तिथा । एम.ए., बी.एड., विवारद, हिन्दी सनावर, नाट्यार्नकार 🗥 😘 😘 सनम-तिथि धर स्थान : 31 दिलंबर 1922 ई.; चयपुरी वार १०१० । १०१४ मीड्या काम-मध्यो : सम्पापकी १ ०००० विकास १५% याचोड़ी पोविशो : 1. कुटबबा (1958, 64 g.) 2. बबहुबा (1961, 😙

65 f.) + 3. farm (1964 f.)" 4. want (1969 f) 5. इन्दर सू^{*} इन्टरब्यू (1969 ई.) पत्र-पत्रिकाक्षां में सुरवोड़ी रचनाकां : अस्वारती, मोळमी, राजस्वान-विकास, राज-

स्वानी बीर, म:हेनर, हराबळ बाद वशां में सरी बुनी सुचनावाः । मैं चत्यो चांद पर एक बार-नांव री पोधी श्वरी है-मानिस नारतीय कवि-सम्मेलनो में घर भाकासवाली पर कविता-पाठ करवी । 🏸

सबीय रो ठिकालो 🕏 प्रमोद प्रकाशन मंदिर 2486/20 कान्ह यहाजन की बड़, पुराणी बस्तो, जयपुर (राज.)

मीत्रदा विकालो । सूपर मूजव

नांव : बुलाकीशस 'बावरा' सिक्ता : एम, ए., बी,एड. सनम-तिथि झर स्थान : 6 जुलाई 1935 ई., बांब सिहड़ो (बोवपुर) ' '77." E' मीज्ञा काम-वन्त्री : घट्यापकी पंत्र पत्रिकाचा में छत्योड़ी रचमार्था : सेनानी, वर्त्त मान, लोकमत, महबीप पाद पत्रो ें में घर की वितक संग्री में छुत्री

समग्री रचनामां ; 'पिछहारी निव से कविता-संदी' १ के जिला है। हो होते बुधी सुखनावा : ग्रमिनव नला-मारती घर संहिता नांवा री संस्थावा रा सदस्य-दिन्ही ही रचनावां भी करें

सबीव रो ठिकालो : बनमुखदास पुरोहित, सुरसागर रै कर्ने, बोबी बोरो, बीकानेर घीत्रहा विकासी । धवर मनव

तांदः अवयतीसम सर्मा विक्राः एवः ए (हिन्दी), एवःअाव, बी.एंडः, धीएवःडीः, साः एतं स्वयन-तिब यर स्थावः १ 8 जुवाई छन् 1933 ई. धारखंत्युः बाळ् (वासी-राडः) धोज्राः काम पंषीः प्राप्तणकी प्रत्योही पोविषशं दोना मारू सा दुहा में काम्य-मीट्टन, संस्कृति वृत्रं संविद्धास -/. (1970 ई.)

सगायची नोचिया : हॉर विगळ अर्थन (संवादन) समील ह मोती (सनुवाद) यत्र-पत्रिकानों में सप्योमी रचनानी : हरावळ, मेरेखा, स्वर्धीकु, मधुत्रती, ब्रद्धा, अपभारती, वैचारिकी साद वजा में सीच-निवंत स्ट्या

मूत्री मुमनावा : छंद-संबंकार अंथ रै संपादन घर खंबेबी सूं सनुदाद रो काम चालू-रिश्वी रचनावां भी करें

सबीव रो ठिकालो : बांठि निकेतन, व्यास-गीठ मार्लवपुर काळ (पानी-राज) मीत वा ठिकाको : राजकीय महाविद्यालय, हपरंपुर (राजस्थान)

 भाव : मध्यानवस गोस्वामी

सिसा: बी. ए.

भनम-किथि धर स्थान : 1 दिसंबर सन 1921 ई.,

भौजूरा-काम-यन्थो : राज-नेवा

द्याही पोविया : सोड़ी नायी रा गुढा घरव (संपादन)

सूरज रो चानलो (1972 ई.) सर्रोडर रो दुर्गालोप (1975 ई.)

पत्र-पत्रिकाको में सुच्योड़ी रचनायां : कविता, कहाली, रेमाथित, एकांकी सार कहें पत्रा में सच्योडा

बूधी सुधनावां हिन्दी विश्वमारती, नागरी मंतार, मूल प्रकाशक सन्द्रनानय, वीकानेर री यां सत्वावां या सदस्य खर सविकारी देश-हिनी री कई पोषियां भी धरवाई

सदीव री ठिकालो : खाहित्य-सावना सदन, योस्नामी चीक, बीकानेर मोलूका ठिकालो : जूपर धुजब

लोब : बरत स्थाम दिल्ला : ती. कॉव स्था-तीर बार क्वाम : "जनवरी 1917 ई., चूक (राज,) मीजुदा काम-बच्ची : दिल्ली गीडकार स्थानी गीविया : दोणा मरसण् (साटक) गंगीमा गारसङ् (साटक), रिमस्मि

(काम्य) मुंड मुनानं वृत्री नुषयाणीः हिस्सी कनिजानी री. कई सोवियो ख्याही --या. था. वर्षि कांवेपनी में प्रयम पुरस्कार शास्त्र-फिल्म एकोवियमन मृत्यसको हा नीवपा

यो पुरस्कार विस्थो—नाटको पै व्यक्तिय में दर्व सरीच यो टिकाफी : बरत वदन, म्यू बृह रोड, विने वामें नंदर्र-56 मोनूसा टिकाफी : बुबर वुडव नांव : भंवरदान बारहठ (सदछर)

सिकाः : हायर सँकेन्डी

धनम-तिथि धर स्थान : 8-3-1935 ई., फनकती (बाड़मेर)

भौडूबा-काम-यश्घो : वैक-सेवा

सह्योदो रचनावाः १ एवळ, विशळ सर बाबुनिक रायस्थानी गीत, छंद, कवितावां

सबीव रो डिकालो : गाव-पोस्ट : फनक्सी, तहसील शिव (बाइमेर-राज.) मौतूरा डिकासो : स्टेट बैक साँछ बीकानेर एवड जयपुर, वो. समरहो (बाइमेर-राज.)

नोवः भवरताल नाहटा

सिक्षाः । साधारल

सनस-तिथि सर स्थान : घाडोज बदी 13, संबद 1968 वि., बीकानेट मीजबा साम सन्धे । स्वोदार

माजूबा कान घन्या व्यवसार इच्योडी वीविया: 1. शानगी (रेझाविश-संस्थरत)

: 1, बानगा (रखा।चत्र-सस्परण) 2, पांचनी चरित शीपाई (संपादन)

3. हम्मीरावल (संवादन)

4. समयमु दर रास पचक (संरादन)

5. विनयभंद्र कृति कुमुमात्रनि (संपादन)

यम-वीमकामी में द्वाचीकी रचनावी : राजस्थान-मारती, मरुवारती, वरवा, मरुवारती धार में द्वती

सबीव शे ठिकाली : बाहटां री बुवाड़, बोकानेर

भौतूदा विकाशी : नाहटा बदसँ, 4 बनमोहन मन्तिक सेन, कलकता

मोव : भंबरसास सुवार 'श्रमर'

तिक्षा : साहित्यराल, साहित्यालंकार, राजस्थानी साहित पारसी कनम-तिथि घर स्थान : 22-10-1946 ई., शीकानेर शौनुदा काम-यन्थो : बाध्यावकी

श्रीपुरा काम-पायो : ब्राध्यापकी छ:बोड़ी पोष्टियां :तगारो (कहासी-सप्त , 1972 ई.) पत्र प्रक्रिकारों में स्थापेश स्वतालों : स्टास्टर जाएनी

पत्र पत्रिकाबों में खुष्योड़ी रचनावां: हराबळ, जान∃ो जीत घाद पत्रों में धर कार्या जळी, जीनितक, माळा घाद संग्री~पायी में

्षनायां छ्री दूजी सूचनायां : राजस्थानी भाषा संस्थान, बीकावेर रा सचिव संशोज री ठिकाको : इँडवाह बारी, बीकावेर मौजहा ठिकाको ' सपर सबब

नांव : भंवरसिष्ठ सहवाल 'व्याप्रपरजा'

सिक्षाः एवः ए., बी. एड., सा. रहन सन्तन-तिषि श्रद स्थानः 2 फरवरी सन् 1937 ई., सन्येर भौतुदा काम-याथो : सध्यापकी (शिवस-महिक्सल केन्द्र) स्थाप्नी भीषियां : राजस्थानी कविवानां 'साल्या' नोव रे ससै-सन्य में सप्योगी

बुत्रो सुचनार्थाः शाहित्य साथना केन्द्र, यसूदा रा मंत्री सतीब रो ठिकाचो : 71/26 प्रेमनवर (नई बस्त्री) रामयंत्र, धत्रनेर सीज्ञा ठिकाचो : राजकीय विशक-अविशतण केन्द्र, सत्तव (धजपेर) नांव: भंवरसिंह सामोर सिसा । एम.ए., (हिन्दी)

श्रम-निधि धर स्थान : 15 ग्रमस्त 1943 ई., बोबासर (स्जानगढ-पूरू)

मीजवा काय-प्रस्थो : प्राध्यापकी

ध्य्योडी पोषियां : मरल-स्यं हार (संपादन 1966)

पत्र-पत्रिकावों में १८८थोडी रखनावां : मरवाणी में कवितावां छपी

इजी सचनावां : प्राकाशवाणी पर काव्य-पाठ

सधीय रो ठिकारनो : बोवासर (सजानगढ---चल-राज.)

मीनुदा ठिकालो : लोहिया कालेज, चूक (राज.)

भौव : भागीरय दंशा

तिसा: विशादद (प्रयाप)

जनम-तिथि धर श्वान । 1-4-1932 ई., लोडिया (जोसपुर) भीजुरा काम-यश्यो । राज-सेवा

पत्र-पत्रिशां में सुत्योही रचनावां : ज्याता, प्रवासेवक, सलकार, सेनानी, राज-स्यान-विकास बाद वनां में गुरी घर बादास-

वाली पर राजस्वानी कहालियां प्रसारित करी सदीव रो ठिकाको : वांव लोडियां (कळोदी-जोबपुर)

भीवृदा ठिकालो : पंचायत समिति, पोकरण (अससमेर-राज.)

मांव : मोगरस्य मंबीस 'संग्रज'
स्थिता : मो. ए. (हिन्दी) प्रमान्त (एंजान), जी. एड.
स्थान-तिथि सर स्थान : 5 समृद्धन 1912 ई., राजवाड (जुरु)
मोजूरा साम-तम्यों : साध्यापको
स्पोड़ी पोषियां : मूं था मोडी (साथ-1944 ई.) सेक्जीसी (साथ)
दूबी सूचनावां : पश-निकानों में राजस्थानी एकांके स्थाना-हिन्दी री पीषवां
स्वाहे सूचनावां : पश-निकानों में राजस्थानी एकांके स्थाना-हिन्दी री पीषवां
स्वाहों सर समुख्याने

ध्यादा घर घल्याया सरीव रो डिकालो : भागाया री घरमवाळा र वर्ने, सरवारसद्दर (पूक्र) भीडका डिकालो : ख पर मजब

लोर सपुरास्ताह व्यवचाठ विकास क्षेत्र, (हिन्दी), बी.एड, सम्बन्धनित कर स्थान : ड रिकासर सन् 1927 है., बरखबनवर (वरवपुर-पान) मीमृत्त साब-वाची : शास्त्रपको वरणी वाहित्य (1939 है) सम्बन्धने विचित्र : शास्त्रपको कारणी वाहित्य (1939 है) सम्बन्धनित्र में स्थानीर एकालाई : सत्त्रपत्ती, लोपपांचन, राजवान-मार्गी,

वन-विवास में स्वीड़ी दश्यास महूबारती, बीयरविडा, शास्त्रातारीर सहुवादो, विशय भारत, सार दशे में समे हुवी सुवनायां : ताड्यि-शोदियां में कह समिमाच्या दिया-दिग्धी में समस्यो

री सर दूबी वर्ड पोरिया सामार्ड सरीव से टिकामो : बक्तावर, 179 साम्रेडन्टर, रोट नावर 12, परवार स्रोडन टिकामो : टि. मीमार्ड काला स्वताल, त्रावाराध्यांटर, रास. बन्या साम्येडिक विशासा: सांक्ष क्षिणसाल-सांक्ष सिसा: एत.ए., पीएव. की., एवएतः वी कतम-तिष कर स्थान: 20 मई तर 1926 ई., साभीद (जगतुर) मीदूब स्तर-पानी: प्राध्यापरी (जनस्थान विश्वविद्यालय) सप्योशे पो.स्था: गोर्श पुमी गोरवी (काव्य) सन्तर्भावतावां में स्थापे एक्सावां : मुदास्ती: प्रयुक्ती: धवरव्यीत, संयुक्त प्राव्यान स्वार प्राप्त स्वार प्राप्त संविद्यालयां संवे

हत्यां में कवितानां घर निवस प्रध्या इन्हें सुबतानां : बाकासवरणी जुं कविताना-वार्तानं-मिरिजार्ट्य प्रसारत--एवीट वय--च्यानां रो हिन्सी धनुवाद कर्यो--- एवक्यान साहित्य स्रकारमी मं अवारण-स्त्रमीम रिक्यो

सदीब पो ठिकाको : वाजकुटीर, गोपानपुरी, दुर्गापुरा रोड्, वयपुरु मौद्रवा ठिकाको : सूपर सुजन

तांच : मरनमोहन परिहार हिला : मी.एवली. ठाई बना-मिति पर त्वार : 22 नवंबर तन् 1929 ई., बीपप्र बीनूस कान-यांची : क्यारारे (शीठ-नाटिका) सप्तामे भीरियां : क्यारो (शीठ-नाटिका) सप्तामे कीरियां : क्यारो (शीठ-नाटिका) सप्तामे कीरियां : क्यारो (शीठ-नाटिका) सप्तामे कीरियां : क्यारो हिला कीरियां स्थान हिला स्थान स्यान स्थान स्थान

पत्रों में खरी पूजी सुपत्राची : राज्ञचानी चीता 'रे देवाई करीजी--चिरस में गीत निश्वा--स्वायत्वराती मूं 'प्यनावी प्रवास्ति स्रोय पो दिकामो : 129/1 स. स्टरास्पुरी, सेम्पुर

मौनुश डिकालो : धुपर सुनद

नाथ : मदशयोपाल ग्रामी

नाव: सदनराज शीलतराम मेहता

सिक्षाः एम ए.

वनम-तिथि धर स्थान : कार्तिक मुदी 14 संबन 1992 वि., जसील (बाइमेर-राज)

मौत्रदा काम-चन्धो - निजी ब्यवसाय

पत्र-पत्रिकाको में सुन्योद्दी रचनावां : सोध-संबंधी सेल सनेक वत्रो में सून्या दूत्री मूचनांवा : हिश्दी कविजाबां कर-पनाराज्य' साप्ताहिक स साहित्य संवादक

रैया-माहित्य संगम री पापना करी-बोबपुर नेसक संघ रा

सबीव रो टिकालो : एस. डी.एम. इन्स्टीट्यूट ब्रॉड ब्रोहियन्टन रिसर्च, ईइनाइ रै पोछ. जोषपर

भीजूबा ठिकाको : धुपर मुजव

नीव : मदनसिंह देवड़ा सिक्ता : मीट्रिक, हिन्दी रतन, (पंजाब)

अनम-तिथि चर स्थान : 2 शगस्त शन् 1923 ई. सम्बासा (पंजाब)

मीजूबा काम-धन्यो : ब्राकासवासी-सेवा

मन-विश्वकायां में द्वाचीकी रचनायां : ह्यायळ में राजस्थानी रचनायां घर हुवां हिन्दी रचने में हिन्दी रचनायां घरी दुवी सुचनायां : बाकासवासी सुं रचनायां प्रसारित—राजस्थान' मासिक रा संपार

रैया-राजस्थान साहित्य कमा संगप, दिस्ती रा संस्पार घर भद्रामंत्री-दिस्ती प्रादेशिक दिन्दी साहित्य सम्मेतन घर बासका भी बारी रा पर्धापकारी रेया

सरीब रो ठिकाको : राखीवाहो छोटो, सहसील जसर्वश्वपुरा (आसोर-राम-) मोनूबा ठिकाको : 'देवनिवास', धर्जुननगर (डिकोस कोसोनी रै सामने) गर्द डिस्सी-3 र्नाव : मनोहरताल शर्मा

सिक्षा : साधारस

थनम-तिथि धर स्थान : सन् 1908 ई., चूरू (राब.)

मीजदा काम-घन्छो : हिसाब-किताब री जांव

छत्योडी पोषियां : राजस्थानी गुंज (काव्य-2016 वि.)

सरीव रो ठिकालो : भूरामल मनोहरकाल बर्मा, ठि. जैतरूप भगवानदात

बावला, चूक (राज.) भीजुदा ठिकालो : 17/1 वी. भीयतस्त्रा घाट स्ट्रीट, कलकता-6

राव : मनोहर शर्मा

प्रमा । एम.ए., पीएच. डी., साहित्यरत्म, काव्यतीय

वन-तिथि सर स्थान : बातोज नदी 2 संबत 1972 वि., विसास (क्ष् मलूं-राज)

पूरा काम-यग्यो : शाहित्य-सेवा

क्योड़ी नोधियां : 1. बरावली की बात्मा 2. गीतकवा 3. मेपदूत (मनुवाद)

4. जमश्सीयाम (बनुवाद) 5. कुंबरसी सांसळो (संपादम) 6. कन्यादान 7. रोडीड रा कव 8. सोक साहित्य की

सांस्कृतिक परम्परा

पत्र-पत्रिकावों में छत्योड़ी रखनावां : मरुवाणी, बोळमो, परंपरा, राजस्यान-सारती वरदा, विश्ववरा, श्रीय-पत्रिका, हराव्यक्र बाद

पत्रा में घनेक रचनावां छपी

दूवी सुवनायोः रावस्थान साहित्य प्रकादमी मूं सनमान मिल्यो—यरदा पत्रिका रो सम्पादन—दो साहित्य पुरस्तार मिल्या—राजस्थान साहित्य सकादमी रा सदस्य रैया—राजस्थानी वात-गाहित्य पर

सोष-प्रत्य लिख्यो—राजस्थान साहित्य समिति, निसाधू रा मंत्री सबीव रो ठिकासो : यो. निसाधू (मूं फर्णू-राज)

मौजूदा ठिकाएं। : बाद्ँ स संस्कृत विशानीठ, राएी वाजार, बीकानेर

नांव : महायोरप्रसाद शर्मा

सिक्षा: एम.ए, (हिन्दी), सा. रत्न, शास्त्री, प्रमाकर, पीएच. डी.

जनम-तिथि घर स्थान : 4 जून सन् 1940 ई., माजरा (काम्हावास) जिलो प्रतथर मौजूदा कास-धन्धो : शास्त्रापकी

छत्योड़ी पोवियां : बोला मारू रा दूहा-एक विवेचन (1967 ई.) पत्र-पत्रकायां में छत्योड़ी रखनायां : सरस्वती, ना. प्र. पत्रका, शोध पत्रका, मरु-

सारती, वरदा, सम्मेलन-पत्रिकः, हिन्दुराती साद पत्रां से 65 मुग, सोय-लेस स्पा

दूजी सुचनावां : राजस्थान इतिहास परिषद् घर घ. या. हिस्ती परिषद् रा सदस्य-यू. जी. छी. लूं वेवाती जासा घर 'हस्मीर' तंत्रंधी साहित्य री सीप वास्तै सहायता राजि मिली—हिन्दी में भी कविता-कहाती निर्धं

सदीव रो ठिकाली : पो. माजरा (कान्हावास-घलवर) मौदूबा ठिकाली : राजकीय महाविद्यालय, कीटपूरळी (जयपुर)

साव : महेन्द्रपुकार सूनि 'वयन'
किसा : समारण
कवन-विति सार श्यान : 27 खुनाई, सन्, 1930 ई.राजमदेनर (पूक्र)
कोनूर्य सान-वस्त्री : जैन सामुखाँ रै स्ट रा मूनिया
स्थ्योद्दी सोन्दर : सम्बु स्थायी री मूर (1969 ई.)
यन-विकास सिंह्योदी रचनार्था : महासारी, स्थायोह, समेतून, सा. [स्यूमान

दुषो मुष्तपाषो : श्रेन कहारियो चा स्त याव बर दूमरी पोवियो हिसी में स्त्री बरोड सो टिकाफो : काहित्य विषेत्रन, ४०००, नवा बाबार, रिम्मी-6 कोदुरा टिकाफो : कोहनमन गुजकरण दूसड़, राजमोतर (बूट-राज.) मोत्र: महेन्द्र भावाश्वत सिताः (एस.प्.पीएन. हो, सनम-तिथि घर स्थान: 13 नवंबर सन् 1937 ई., कानोड़ (उदयपुर-राज.) मीनूना साथ-प्रथी: सस्या-देवा (बारतीय कोक्टना मंत्रन, उदयपुर)

ख्योहो वेदिको : 1. लोडन्नहर्थ = परण्या बोर व्यक्तिको (1971-72)
2. वजराज काव्य-मानुदी (1966-कागान) 3. लोकरंग
4. मेतू यो प्रज्ञ नावा पी (1971) 5. लोक मानून प्रको
(1970) 6. देवताराजण यो मान्छ (1972) 7. लोकदेवता
वेजाओ (1970) 8. तेवाड़ के राववाची (1970) 9. ताला
संबार यो नारल (1971) 10. राज्यस्था के तुर्गाविकांगी
(1968) 11. राजस्था को पड़ (1968) 12. राजस्थान
व्य-स्तुष्ठी भाग 1 (1961) 13. राजस्थान है साल्य (1977)

पत्र-पत्रिकाशी में स्थ्योड़ी एकतावाँ : 51 तेड़ी पत्र पत्रिकातां में 400 तेड़ा लेख सोक-सास्कृति रा विस्ता पर स्थ्या

बूजी सुवनावां : 'लोककता विवयावती' माग 4,-- 'लोककता श्रद्धं वाधिकी घर 'रंगायन' माधिक हो सवावन--स्तेकनाड्व पर सोध-प्रत्य तिस्यो सरीव रो डिकाको : 352, धीकुरणुर्शे, वश्यपुर (राजः)

मौनुषा ठिकाणो : भारतीय लोक बला महल, उदयपुर (राज.)

मांव : साचव शर्मा

सिसा: एम. ए- (राजनीति शास्त्र), विशास्त्र

वनय-तिक्विद्धार स्थान : 8 करवरी शत् 1930 ई., वृक्ष (राज.) मौजुदा काम-यंगी : शस्त्रावदी

मीजूरा

एप्पोड़ी वोवियां : मूनदो (बीत-1954) वेशर (काव्य नारिय:-1968) वत्र-पत्रिवादों में एप्पोड़ी दचनावां : महुवाणी, मुबक बाद पत्रां में कविता, कहाणी

धर नेव संप्या दूर्वी सुबनावी : हिन्दी नाटक, एकांनी धार रचनावी धर शेषियों घी स्त्री है सरीव से टिकाच्ये : व्यक्ति सदन, पुरू (सन.)

भीवृद्दा दिकारो : राजः उ. मा. विद्यापन् वापनद् बारानः वंतानवर

नांव : मानक तिवारो 'बन्यु'
सिक्ता : सन्दर (मानियर), वा. रस्त (ययाय)
बनम-तिवि वार स्थान : 13 जुनाई सन् 1941 ई., बीकानेर
मोजूब काम-प्रमा : सिरिक्ट (या. वि. मं. सोच प्रति.)
सप्योहो शोषयां : बादारमाळ (शस्त्र)
यय-पिकाशां सें ह्य्योहो रचनाथां : मपुनती, स.टेकर, मर्बाणी बाद राजस्वानी ए
सर द्वा सनेक हिन्दी वचा में स्पत्ती
दूषी सुवनाथां : मुनक पविचा रो संप्रस-च्यानुनंशन पिका रा शे संबं ऐ
स्वेतर-च्यानस्थाली सूं 'स्वनाथं प्रसारित

सदीय पी ठिकाणो : पायूबारी, नयोसहर, बीकानेर मीलदा ठिकालो : सा. वि. सं. शोध प्रतिथ्वान, बीकानेर (रास.)

मीतदा ठिकाणो : घपर सजन

माव : मांगीलाल शर्मा

सिक्सा : मैट्कि, सा. रत्व, विद्यानरत्न

स्ननम-तिषि धर स्थान : मगसिर सुदी 10, संबद्घ 1981 वि.

भौजदा काम-यन्त्रो : सच्यापकी

वन-पित्रकाको में छ्य्योड़ी रखनाको : कवितानो सर ऐतिहासिक एकांकी माद रपनाव मीहवा ठिकाको : कापट हम्म्ट्रवर, बुनियाकी शिक्षक प्रतिस्राख्यस्य, हुंगरपुर (राजः,

मावः निशीमल जैन 'तरंगित'

सिक्षा : एम. ए., एलएल. थी., सा. रहन

बनम-तिथि घर स्थान : 2-7-1915 ई., नेड्तीसहर (नागीर)

मीनुदा काम-पामो : राज-वेवा (विजली बीर्ड)रा पॅसनर-पत्रकार पत्र-पत्रिकार्वो में स्टब्सेडी रचनार्थो : मरवासी, राजस्वानी निवंध-संबंधित हो

राजस्यानी गछ-दचनायां छुवी

कृती सुकतार्था । हिन्दी हाश्य-च्यञ्ज्य री 10 पोषियां—पुनवृता नाव र मासिक पत्र रा संपादक—साकासवारणी पर रचनानां प्रशासिक

सरीय रो ठिकालो : 743, सरदारपुरो, जोवपुर

मीजुदा ठिकाची : सूपर मूजन

निता : स्मातक जनम-तिथि धर स्थान : 24 घगस्त सन् 1942 ई., धनकोती (नागौर) मौजूरा काम-यन्थी : धन्नापकी

स्पर्योशे पोविषां: उड़गी कुरवां पाश पसार (गीत-1966 ई.) रासी (काय-

पत्र-पत्रिकार्या में छप्योड़ो रचनावां : धनेक हिन्दी-राजस्थानी पत्र-पत्रिकार्या में सेस, कहाणियां घर कवितावां छपी

कुत्री सुषताची : हिन्दी उपन्यात, गीत घर कवितावां शे शोवियां त्यार है—रपनावां माथे कई पुरस्कार विक्योड़ा—हिन्दु-मुस्तिव एकता साक सपेस्ट सबीव शे ठिकाणो : मू. गे. यनकोशी (नावीर-राज.)

सेवाच रा ठिकाणाः मु. पा. वनकाना (नानार-राज.) मीजर्वा ठिकाणोः राजः माः विद्यालयः लावडिया (मानीर-राजः)

नांव : मुरलीधर व्यास

क्षिक्षाः मैद्रिक सक् विवादय (प्रवाग) खरह-मुजदाती रो ग्यान खनम-स्थि खर द्यागः चैत गुरी 1८ सत्त् 1955 वि., श्रीकानेर कोजुदा काम-पाचीः राज वेचा राजेतनर, साहित्य-येवा इस्योजी सोधियाः 1. राजस्थानी कहाय्य-ये मान (संगयन 1950 ई.)

2. बरसगांठ (कहाशियां-1963 ई.)

3. जूना जागता वितराम (रेखाचित्र 1965 ई.,) 4. उज्ज्वन मिल्यां (तोककथा-1964 ई.)

5. इक्क वाळो (हास्य-1965 ई)

यन-पत्रिकार्या में क्रियोड़ी श्वनार्याः सरुवाणी, मधुमती, रावस्थान-मारती, सावेगर, राजस्थानी बाद पत्रो में बार संबंधियों में बार

बुद्धी सुचनाचो । मारवाड़ी सन्धेयन बंबई मूं प्रस्कार विश्वो—पत्रस्थान साहित्य स्वारको, उदयपुर सूं स्वर्ण-यक प्राप्त - सरक के व्ह राजस्थानी साहित्य रो बॉटिंग पुरस्कार विश्वो—राजस्थानी भागा साहित्य संगम (साइस्की) या साम्यक है

सदीय रो ठिकालो : कीकाली व्यासा रो पीक, बीकानेर सीजवा ठिकालो : धूपर सुजन मोव : मुलचन्द 'प्रासीश' सिला । प्रमाकर (पंजाब), सा. रतन (प्रनाम), बायुर्वेद रतन (प्रमाम), सिद्धांत प्रमान (पावडी), जैन सिद्धांत घारत्री (रतसाम) जनम-तिथि बार स्थान : 1 बायस्त सन् 1925 ई., अन्स् (बीकानेर) मी; दा-काम-थन्यो : यनुसंघान सहायक (मा. वि. म. मोध प्रति.) सुत्योद्दो पोषिया : 1. परदेशी री गोरड़ी (कहाणी-1962 ई.) 2. हिये तणां सपाव (1963 ई.) 3. नागदम्हा (संदादन-1963 ई.) 4. धेकलविष्ट ढाढाळ री बात (संगदन-1963 ई.) 5. राजस्थानी रा प्रतिनिधि कथाकार (संपादन-1969 f.) बौक्तिक (सपादन-1973 ई.) पत्र-पविकाश में छाकोड़ी रखनावां : राजस्थान-भारती, मरवाणी, ता. प्र. पत्रिका बरदा, महमारती, मधुमती बाद में लेख, कहाशियां भार छरी वत्री सम्बनावां : 'जलममीब' नांव र साहित्यक छापै रा संपादन -- धंवारिकी नांव सोच विस्तवक द्यापै रा संवादक-राजस्थान साहित्य प्रकादमी र सदस्य देवा-चाकासवासी सं दचनावां ससाई शंकरदार नाहुदा पुरस्कार मिल्बो सदीद री ठिकाणी : माम (बीकानेर) भौदश ठिकाणी : मा. वि. मन्दिर शोध प्रतिष्ठान, श्रीकानेर (राज.)

सदौर से डिकामी: सम्ह (बीकानेर) भीड़ रा विकामी: मा. वि. शनिर छोप प्रतिकान, बोकानेर (राज.) श्रीव: श्रोतेकारत नेशारिया विका: एम. ए., गीव्य. बी., साहित्यतावस्थति बनम तिथि वर स्थार: 1 जुलाई वन् 1905 ई., उरवपुर शीजूबा काम-वर्गव: सन्तेवा (विदेशक राजस्थान साहित्य मणारमी) र शाहित्य-वाव्यता

सीनून बाम-वांची: राज-देखा दिवंद राजस्वात साहित्य महादमी) स पॅबन बाहित्य-बावंदा इत्योदी योच्यां 11. राजस्वाती साहित्य की करोजा 2. राजस्वाती से हिस्से हरतिनिवंदा देखें की सोज 3. राजस्वाती साहा धीर साहित् 4. विवाद में बीर राज 5. राजस्वात का शिवा साहित्य 6. हालामांची राज क्षेत्रिया (वांचरन) वन पंजितानों में स्वादी: रचनाची: देखु राज नोववादी करनों में सनेत होन संबं

6. हानामानं या कुँबिया (चंदारन) वत्र वीजवानी वृंद्योगोर प्रवासको : देव या नांववादीव दर्ग में प्रवेह होत हांव तेव वृद्या कुँबी सुवनावां : केन्द्रीय साहित्य प्रकारणी, हिस्सी या सदस्य रंग-स्वत प्रदेश सर् यू पुस्कार विश्वा— 'पुन्योग' यांची प्रवासित प्रविदेश हों

सबीव शे ठिकाणो : थएगोर गाट, उदयपुर मीजवा ठिकालो : घपर मजब

नांवः मोहन ग्रास्तोक

सिक्ता : हायर सैकेन्ड्री

जनम-तिथि धर स्थान : 3 जुनाई सन् 1942 ई., गांव-विसनपूरी (पूरू-राज.)

मौजूदा काम-पथो : नौकरी

पत्र-पिकारवां में छप्योड़ी रखनावां: महवाली भाद पत्रां में 'कांसळा' नांव मूं काव्य-रचनावा धर कहालियां छपी

काव्य-रचनावा घर कहा। एवा घरा बूजी भूचनावां: जमरलेवाम री क्वाइयां रो महुवाव कर्यो-साहित्य परियर्-गंगानगर रा चवमंत्री—रवड़ री मोहरा मुं इत्योड़ी योगी रा

सेलक

सदीव रो ठिकाणो : किमनपुरो, पो. नरवासी (जूर--राब.) भोजुदा ठिकाणो : 141, एथ व्लाक, श्रीगंगानगर (राज.)

नांव : मोहन नंदेसा दिस्ता : एप. ए. (दिन्दी), सा. रत्म, बी. एट. जनम-तिथि घर स्थान : 22-6-1933 ई, बाहपुरा (बीसवाड़ा–सबस्यान) सीहता स्थान-परि: शिक्षा अनुसंधान सहायक

पत्र-पत्रिकार्यो में छत्योड़ी रचनार्या: महत्याणी, बधुमती, सादेसर बाद पत्री में बर सर्थ-प्रांची में खरी

दुशी सुबनावां । परती री संजी, ग्रळगोसा, बावगी श्राद नावां री पोवियां व्यार है सरीव री ठिकाणी : कोठार मोहल्लो, बाहपुरा (भीतवाड़ा-राज-) मोड़बा ठिकाणी : सुपर मुजन नांव : घोहनलाल पुरीहित

विक्ता : वी. ए. वांई प्रमान्तर (पंजाव), सा. रस्त, राजनीति रस्त (प्रयाग) सनम-तिथि धर स्थान : माह सुदी 14 संबद 1970 वि., जैसलमेर (राज.)

मौजूबा काम-र्यथो : राज-सेवा (रेलवे लेखा विमाग)

स्प्योड़ी पोस्पियं: 1. राजस्थानी नीति दूहा (संपादन) 2, राजस्थानी श्वत कथायें (संपादन) 3. राजस्थानी श्रेष कथायें (सपादन) 4, जुना

जीवता वितराम 5. चूमरें 6. इज्ज्वळ मिण्या पत्र-वित्रकातों में छायोड़ी रचनावां : सबुमती, महवास्त्री, महमारती, राजस्थान-

यत्र-निर्माणकां में प्राथाईंगे रचवावां : त्युवातं, मत्यारात्तं, मत्यारात्तं, स्वत्यातं, रावस्थानं स्वत्तं, त्यत्यानी वर्षणे रचनावां में स्वत्यानी वर्षणे रचनावां मर हूनी मनेक रचनावां वेव रा नावनायीक हिम्सी चनां में क्षणो

दूवी सुचनाका: साहुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर रा साहित्य संत्री रैया—पुरस्कार भी लियो

सदीय रो ठिकालो : अठड़ां रो चीक, बीकानैर (राजः) मीह्रवा ठिकालो : अपर मुख्य

शंद : यतरात प्रस्तव विस्ता : पूर. ए., वी. एक., सा. १६व त्रका-दित प्रद रुपात : धताह सुदी 3 संबत् 1970 दि., धवमेर भीनूदा साम्योधी : पाव-वेवा (अवसंपद्ध विभाग) पत्र-पतिवासों में सुप्योदी रचनावो : दिन्दुरवान, रावश्यान, मस्वाएं। खाद वर्षा दे सुदी दुवो सुचनावो : कवि-सम्मेतन में दुरवार गिल्यो-पदस्तरिया रो प्रमुख

सरीव रो ठिकाणो :चीवर बोहरूनो, धनमेर मीजूबा ठिकालो : धूपर मुख्य नांव : यादवेन्द्र शर्मा 'बन्द्र'

सिक्षा : सामारख

भनम-तिथि घर स्थान : 15 धगस्त 1932 ई., बीकानेर

भोडूरा काम-पत्था : गृतव सेसए। एन्योडी पोधिया : 1. हंगोरी किए पीव री (उपन्यास) 2. बीव —सत्रीव (उपन्यास)

3. तास रो पर (नाटक)

पत्र-पत्रिकार्यो में स्ट्योड़ी रचनार्या : मास्वाली, हरावळ, मधुमती माद मनेक वर्षा में खरी

पूजी शुक्रणावी : हिन्दी रा मनेक उत्त्याश ह्यायोड़ी—रावश्वानी दिलम रो सामेव क्रिक्टी—राजन्यान वाहित्य सकावती रा तस्त्र रेता-पात्रावानी क्रावा साहित्य समय सर वित्युहिर कामिया दुरस्तार दिस्ती— राजस्थान साहित्य साहावती मुं पुरस्तार सर. सामान विश्वा—

बाहासवायी सं रवतायां मलाई---धावरी बनेक रवतायां गुप्रशानी

घर बराटी में धनूदिय सबीद से विकासी : सामें से होटी, बीकानेट

भौतृहा डिबाली : श्वर मुजन

नोव : बोरोवर सन्ती 'नतुन राजनवानी विकार प्रस् . ए. जा. रण वास्त्र- विकार करवा : 24 नववर सन् 1938 है., मृत्राववद (यूम-एन) बोहुरा बार-करको . साधारणी बच्चारी रचनालो : रिन्नोर्ट नोव ज् राजवनानी नविनालो स्त्रीय पी दिवस्ती : राजनिर्देश में वास्त्र- द्वार के मृत्राववद् (यून-पान.) बोहुरा दिवस्ते : यूक्टा वस्तर्टेश सम्बद्धार से मृत्राववद् (यून-पान.) बोहुरा दिवस्ते : यूक्टा वस्तर्टेश सम्बद्धार से स्वेतरेस (यून- मोन : श्युनार्थीतह शेखानत सिसा : एम. ए., घी. एड., काव्य रत्न

निता : एव. ए., वा. एड., काव्य रत्न बनत-तिव बार स्थान : 26 जून सन् 1941 ई., काळीपहाड़ी (क्रू मर्गू) भीवरा काम बन्धी : सम्मापकी

भोदूरा काम बन्धाः विभागकः वय-विश्वत्यां में एत्योद्धी रचनावां : संब-ग्रातः, बतवमोन साद पत्रां में सर माळ शन्तित्व, प्रस्थिति साद सर्वे-पत्रां में कवित कहाशियां सर दलिहार — संबंधी लेल स्व

हुकी सुक्षमाना : सामासनायी जुं भी रचनाना प्रचारित—िहुन्दी समानीचना गोपी एप्योमी--राजस्थानी माया परिवर्द, भूं भागू रा सरस्य सरीव से किसारों : यो नाळीपडाडी (भूं करां)

सबीव रो डिकाएो : यो. माळीपहाड़ी (फूं कर्यू) बीनूबा डिकाएो : वीरामन छ. या. विद्यानन, ४वड़ (फूं कर्यू)

वोव : चतन साह

. सिला: एम. गॉम., एसएल. बी., झा. रत्न (प्री.) व्यवम-विधि चर श्वाव: 3 मार्च 1941 ई., फूंफलूं (राम.)

भौदूरा काम-साथी: तिजी स्पीपार वय-प्रिवादों में स्प्योही एवनावी: साप दे संपादव में निकाळ्योहें झार्य 'सावे में स्पन्नत्वानी भाषा से प्रशेवरी साक्ष

य रामस्वाना आचा रा बहातरी सेंस छुट्या बुगो सुबगार्वाः राजस्यानी मासा री मानता घर बहोतरी सारू जूमीण

कृती सुक्कार्थाः राजस्थानी वाद्या री वान्त्या घर बड़ोतरी साक्ष्य पूर्वाहाया सरोव रो डिकारो : मूं मार्गु (शत) बीचुता डिकारो : 14, बॉडनी बीक स्ट्रीट, क्लबरार-13 नांव : रशोव धहमद पहाड़ी सिक्षा : इन्टर, इन्टर ड्राइंग, बी.एस टी.सी.

सिसाः इन्टर, इन्टर ब्राइन, बी.ग्रस टी.सी. जनम-तिथि झर स्थानः 2 खुलाई सन् 1937 ई., छोपाबड़ोद (कोटा-राब.) मोजुरा काम धन्योः सध्यापकी

ख्यांड़ी पोषियां : 1. मेरी मसाल (1963 ई.) 2. फल्डार (1967 ई.) पत्र-पिकाशो में स्प्योड़ी रचनायां : साप्ताहिक खाणां में ख्यी वडी स्वानायां : साकासवाणी सं रचनायां स्लाहि—हाडोती कवियां रा संग्री-पर्या

में भेळी करीजो सबीव रो ठिकाको । पो. श्रीपावड़ोथ (कोटा-राजः) सोतुदा ठिकाको : राजः मा. विद्याः कवाई (कोटा)

सोव : राष्ट्रीवान द्यांगाणी विक्का : एम. ए. (संस्कृत), बी. एक. जनम-विक्ति चार स्थात : 6 धार्य स 1938 ई., बीतसंबर (राज.) मौदुदा-काग-पायो : चाम्यापकी चामदुदी शीचर्या : 1, बिगहुदुत (सहकास्य), 2. सीन्यरं प्रतिमा (नाटक)

3. प्रतिवाल (श्रड काव्य) दूमी सूचनार्थाः साधूलं राजस्थान री बोसी पर सोव करी सरीब रो डिडालो : छांगाली पाड़ो, बेंगसमेर (राज-)

भोषूरा टिकाको : धूपर मुजब

नांव : शधाहण्या सभी विस्ता : एय. ए. (हिन्दी) जनम-तिथि धर स्थान : 1 प्रनस्त 1938 ई., फळोटी (जोयपुर)

अनम-तिथि धर स्थान : 1 धनस्त 1938 ई., फळोदी (जीवप् मोजुना काम-स्थापे : प्रम्यापकी

पत्र-पत्रिकायों में छुत्यों हो रचनायों: मोठजो, हरावळ, राशस्यानी बीर साथ पत्रा लेख साथ छुत्या है बुत्री सुचनायो: प्योतिय संबंधी रचनायों हुता पत्रां में छुति है—राजस्वानी स्रृत भी स्वार है

भारवार ह सदीव शे ठिकालो : श्रीमाळी सदन, सूची अंत्रधन (बोधपुर) मौनूरा ठिकालो : शी. बी. 33, हाईकोट कोलोती, बोधपुर

नोब : रायेश्याम क्रीग्रन सिला : मैट्रिक, विकारद (प्रयाग)

क्षतम-तिथि घर स्थान । सावशः सुदी 5 शंदतः 1971 वि , नवनगढ़ (फूंफणूं) मीक्र रा काम-संबो : वेटी

पत्र-पत्रिकाकों में द्वायोड़ी एवनाको : नसाद-प्रावक, होटी, धामी दीप संत्रोको सुरहणमा धाद क्विट से द्वायोड़ी

दुवी सूचनार्वा : हिस्दी री दो थोध्या छप्योद्दी है सदीव रो टिकालो : कीवल सदन, यो. नवनयह (सूं ऋणूं)

मौबूश ठिशाची : सूपर मुजन

भाव : रामगीपाल विजयवर्गीय

सिक्षाः साधारण

जनम-तिपि धर स्थान : नवशर 1906 ई., करौती (राज.)

मौत्रुवा काम-थम्थो : कला-साधना

ल्योशे पीपयां : राजस्यानी चित्रकता

छ्त्याक्। व्याच्याः राजक्यानां चित्रकता पत्र-पत्रिकायों में छ्त्योड़ी रचनायों : सहयागी में राजस्थानी शहागी घर नेस छ्या

য়াদ্ব

—हिन्दी सेख घनेक पना में प्रध्या दूनी सुचनावां : हिन्दी री कॉनताना, कहास्तियां घर रेखां बाद री पोषियां खप्योगे-राजस्थान साहित्य सकादमी घर चनमंपक निदेशासय सं प्रस्कार

सदीय पी ठिकारणी : हाईने होटल, चौड़ो रस्तो, जयपुर भीजदा ठिकारणी : सपर मजब

सिक्षरः प्रमापः (संबंधी) अनमः निधि सर स्थानः जून 1934 ई., बीहानेर

मौजूदा काम-पन्धो । प्राच्यापकी रुप्योडी पौथियां : सोनं रो सरव (1971 ई.)

ala · supla mati

हत्याका पाक्याः सान राजूरव (१००० ६०) यत्र-पत्रिकावो में हत्योकी दशकावो : अनेक पत्रां में कहालियां, कवितावो मर सेल ख्या

दूबी सुबनावो : हिन्दी कविता-वंदी घर समीक्षा रा संस भी खयोज़ सदीद रो ठिकाणो : बेठ रै कूर्य करे, बीकानेर क्षोत्रंश ठिकाणो : पुरर सुबक नोव : रामनाच ध्यास 'परिकर' सिला : एम. ए., (राजनीति) शिक्षा शास्त्री (मॉस्को)

जनम-तिथि घर स्थान : 15 फरवरी 1929 ई., बीकानेर मीजुरा काम-बन्धो : राष्ट्रीय सहकारी संग री सेवा

धायोडी पोविया : गीवांत्रळी (धनुवाद) मनवार (कविवा-सप्र) लेनिन काव्य-कृत्यांजळी (धनुवाद), गीत सहकार (कवितावा)

पथ-पत्रिकाणां में खप्योड़ी एचनावां : बदवासी, बद्रमसी, जलममीम, बर्दा, महभा बोळनो. लाडेसर घाड पत्रा में कवितः बहालिया, बातरा-वर्णन खप्या .

वृत्री मुखनावां : राजस्थान सहित्य धकादमी स्ं प्रकाशता - सहयोग मिल्यो -- ले काम्य-कुसुमांत्रळी पर सीवियत भूमि पुरस्कार मिल्यो-क्सी व मुं डिग्दी में साहित्य रै धनुवाद लातर कसी सरकार रै बनाई रस गया---युरोप घर विशिश एसिया री जातरायां रा व

राजस्थानी में स्वार है

सबीव रो ठिकालो : सोनशिरी दो कशो, बीकानेर मीवृदा ठिकाणो : घपर मुजव

नाव : रामनिरंजन शर्मा 'ठिमाध' सिला : एम. ए., (शंबे बी). एम. ए. (पूर्वार्ट -संस्कृत) थी. एड. जनम-सिवि बार स्थान : असाठ वदी 3, संबत् 1987 नि , पिलाएरी (मू भए भौतुरा काम-घन्छो : शस्यावकी

एत्योडी पोषियां : टमरफट (हास्य-1973 ई) इ.व. शुक्रनावां : बाल सहित्य रो दिन्दो पोनियां लिखी-प्राकासवाली पर रचन सुखाई—हिन्दी रा कहाछी-उपन्यास-नाटक लिक्बीहा सदीय रो ठिकाणी : बिरला बाल निकेतन, विलाली (राज.)

मौजुदा ठिकाणो : भूपर मुजव

नीव : रामनिकास बार्मा सिक्षा : एम. ए (इविहास), प्रमानद स्वनम-तिर्वि सद स्थान : 1 बतवरी 1931 ई., साडनूं (मानौर) मोजून काम-क्यो : पुस्तकासमाध्यास, मा. वि. मदिद सोध प्रतिकान, बीकानेद पत्र-पत्रिकस्थों में एसे एसामो : मस्ताओं. असनसीम, सानतीमोत प्राप्त में

कहािणयां खरी दूजी सूचनावां : राजस्थानी मापा साहित्य संगम सूं पुरस्कार प्राप्त-डळडी राठ सर काळभैरवी नांवी सं पोधियां स्वार

सदीव रो ठिकाणो : सोनियरी रो कूबी, बीकानेर मौजूबा ठिकालो : खपर मुजब

भाव: रामनिवास सर्मा 'सर्घर' जनम-तिषि-सर स्थान: 1-9-1945 ई., सनमेर मौजूदा कास-सम्बो: राज-सेवा (वरिष्ठ शिदिक)

मानुदा काम-पाया : राजन्यपा (बारण राजारण) पण-पणिकावो में छप्पोझी रचनावां : शरनायी, स्रोळको, जनवशोन, साहेशर साह पणो में कवितावो सर कहास्त्रियो स्रोती सर्वे संत्रों में फेक्टी करोशी

वया न नका क्यांत्र दूती सूचनावां : हिन्दी री कई पोषियां ह्यांत्री घर संपादित कर्योहों है —साशान-वाणी पर भी पत्रनावां सुणाई सुरीय रो ठिकालो : 344 नुस्दर विनास स्वसंद

मोजूबा टिकालो : सूपर मुक्त

भीव : चामनिवाल स्थामी तिसा : स्मातक, विद्यारद (प्रयाम) बनम-तिथि द्वार स्थान : थेव पुरोत 10, तेवल् 1974 वि., मांव आटबाटी

(वृही सबीतगर्-मू माणूं) भौतृता काम-धानो : राज-देवा रा वेंसवर

चानुता काम-याचा : पान-यान रा प्रकार पत्र-पत्रिकायों में स्थाहि प्रकारतो : 'विवेक विकास' मारिक में संध्योही बूबी सुबनावो : 'विवेक विकास' मांच रेहिंग्सी हार्य से संपादन, सर्वोदयी प्रीकृ सामरिका सेकान पा महास्विच

सदीव रो टिकालो : एक ह, रामकुटीर, रदेश मार्थ, मशोकनगर, जयपुर-3020 सौसुवा टिकालो : धुपर सुजव

नांद : रामकास्य सामीक्ष सिका: २ए. १९, मीट्स डी. वन्य-मितिका: १०-१2-1926 ६, परस्तस्य (मानीर) मीनुता काम-वंपी: अध्यापकी (बोपपुर दिश्वविद्यानक) सम्मोती वीविका: ३. प्यावकास्त्री नाटानामें (बंदावत) २. परनुरामनागर

त्योदी बोबियो : 1. राजस्वानी वातालाचे (संरादन) 2. परगुराममा (संरादन) 3. राजस्वानी कोश्मीत (संरादन) 4. रद्धा न देली धारामी (संपादन)

4. इदा न देली त्यारणी, विश्वादणी, विश्वादणी, विश्वादणी, पत्र-विकासी में एवंदीनी पत्रनावर्धा र प्रतिकासी के एवंदीनी पत्रनावर्धा र प्रतिकासी के एवंदीनी पत्रनावर्धा में प्रतिकासी के एवंदीनी पत्रनावर्धा में प्रतिकासी के एवंदीनी पत्रनावर्धा में प्रतिकासी के प्रतिकास

क्ष्याकृत्याकाश्ववाद्या पर वावतावान्याता वेदारिक सरीर रो ठिमार्गो : वरवजनर (वायोर) मीनुरा ठिवार्गो : हिन्दी विमान, योवपुर विवयविद्यानय, योवपुर (राम.) मोर्व : रायपाल राजु

निताः साधारत

क्षत्रम-तिथि घर स्थान : सन् 1920 ई., बमावसी (राजगड-असवर-राज.)

भीवरा काम-धन्यो : धेती

पत्र-पत्रिशामां में स्प्योही रचनावां : मध-मिक, राजस्वान टाइम्स बाद पत्रो में राजस्वानी कविता स्वरी

सरीय रो डिकाफो : वांत यमावती (राजगढ़-यमवर-राज,) मोहुदा डिकाफो : सवान नवर 1501, भेंक'बी र वर्ग, टिहीबाड्टा रो राठा,

वयदुर (शव.)

वीव : शक्तिह

किसा: एम. ए. (हिरी-पश्चेत्री), विदारश्य समय निवि कर स्थान : 2 करवरी 1902 ई., बीपानेर सीमहा काय-सभी : देश निवन

क्ष्योरी बोबिको : ३, बोना मारू रा दुश (बंबादन)

2. वेनि जिनन इक्षमती री (बरारन)

3. शतावान श बानगीत (")

4. शत्रावान रा मोदगीन (")

वृत्ती कुचनाचां । हिन्ती ही मीनिक घर दूवी गोर्चियों भी खरी-सारावानी वाना है साम्होनन वा मुक्तार हैता-साहुत वास्त्रवादी दिवसे हारहै गुड़ हा निदेशक हैता-स्वतान हिन्दू विश्वविद्यालय वा साम्हार्थ मा सोचार्वर दिवालय वा दिवा निरोग्ड को हैता-दिवालय है है वर्ग स्व.स. राजमाणी सामेक्ट वा स्वराणि हैना

क्षात्राः राजस्थाना सम्मानय रा व करीक रो डिकाम्मी ६ पायर हाउन रोड, बीवार्नेन

बीजुरा क्रियाची : ब्रावर जुबर

लांक : शासरवरूप 'परेश' सिकाः हायर सैकेन्द्री

क्षनम तिथि घर स्थान । 10 जुलाई 1945 ई. श्रीमाधीपुर (शीहर)

मीजबा काम-चन्छो : सम्यापकी

वय-पश्चितातों में ख्यादेड़ी रचनावां : बोळवां , जनमभीम, जागुकारी, मयुमता,

भववासी धाद में सती इत्री सुचनावां : हिन्दी रचनावां भी कर्र-चाकासवाणी सुं भी रचनावां सुणाई 'सरू'ट' नांव सू' पोथी खरणं खातर,श्यार-पनकारिता में दिच

राखे-कलाभारती, बगढ़ रा सचिव संबोध री दिकाको : परेस निवास, वगढ़ (मूं माणू -राज.)

भीजुदा ठिकालो : भूवद मुजव

Mis: रामेश्वरवदाल श्रीयहरी

सिता । एम.ए., (हिन्दी-धर्चशास्त्र)

श्रमम-तिथि यर स्थान : 5 मत्रील 1938 ई., कराथी (सिथ)

मी श-काम-वन्धी : सम्यापकी क्षुपोड़ी बोबियां : हाडी राखी, बाबनी हिमाळो, जनकवि स्थादन), पर

(संपादन) पत्र-पत्रिकारों में शुप्योड़ी रखनावां : मर्वाएति, शिविरा बाद पत्रां मे बर सबै

में खरी दशी सुबनावां : धावृत्तिक राजस्वानी काव्य पर श्रोध करे-हिन्दी पोषियां भी

छ्यो है-'धळवटा' नाव रहे बढाएर-संग्रे श्वार है सदीव को ठिकाको : बहारूरी, शांव-पाती, पो. दुन्दाड़ा (पासी-एत्र.)

मौहुदा ठिकाणो : सांचु (जासोर-राज.)

र्माव : रावन भागमन

सिक्ता : एम.ए., एलएल.बी.

बीजवा दिकाणी : घपर सजब

जनम-तिथि धर स्थान : 22 जनवरी 1922 ई., चूरू (राज,)

मौजुदा काम-धाथो : संगठन सचिव, राजस्थान रेडकाँस छ्त्योड्डी पीथियां : 1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी-संवादन)

2. घाज रा कवि (संपादन) 3. दळपत विलास (संपादन)

4. महादेव पारवती री वेसि (संपादन) 5. हिमळ गीत

(संपादन) 6. वंसरी (धनुवाद) वन्न-पश्चिकावा में छुप्योड़ी रखनावां : मरुवाली, वरदा, राजस्थान-मारती, मधुमती, लोकसंपर्क, यदमारती बाद पत्रों में तेल,

कवितायो सपी दजी सचनाचां : राजस्यान भासा प्रवार समा रा सचिव--राजस्थान लेलक सहकारी समिति रा संस्थापक सदस्य--राजस्यानी परीक्षावां री सहस्रात करी-

इतिहास बार हिन्दी साहित्य शे पोषियां भी लिखी बार संपादित करी सबीब रो ठिकाली : डी 282, भीरा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-6

बांब : रेवतदान चारश विका : बी.ए., एसएस. बी., एम. ए. (शी.), सा. रत्न (शी.), प्रमाकर जनम-तिथि घर स्थान : सन् 1923 ई०, मधाशियां (थोपपर) भीजदा काम-धन्यो : वकासत

द्यांडी पोषियां : 1. चेत मानवा, 2. नेहरूजी ने बोळवी , 3. घरती शानीत बन्न-पत्रिकावां में शुप्योड़ी रचनावां : कवितावां मरुवाणी माद प्रनेक पत्रां में

खप्योही है दबी सुचनावा : समाजवादी पार्टी शा सदस्य है-एकांकी नाटक भी निश्या है-धाकासवासी वर घर ध. भा, सम्मेसनां में कविता-राठ करयो है

महीव रो ठिकाली : मारबाट मयालियां (जीवपर) भौतवा दिकाली : यपर मुखब

```
माव । सदमश्रासिह रसबंत
सिक्षा: एम. ए. (हिन्दी)
धनम-तिथि धर स्थान : 1-4-1933., जाळमू कलां (नामीर)
भीजवः काय-याची : घध्यापकी
एत्योड़ी कोविया : 1. मिमकर (संग्र-ग्रंथ में छुपी 1958 र्.) 2. रसाळ
                 (1968 4.)
पत्र-पत्रिकार्यो में छुप्योड़ी रक्षनार्या : महवासी, मोळमी, रात्रस्थानी भीर माद पत्र
                                 बार संग्री-श्रंचा में रापी
इत्री सुचनावां : ब्राकासवासी सूं रचनावां सुसाई- ब्र. मा. कवि सन्मेलनां में
               वढ़ी-मूबल गांव सुं पोषी स्वार है
 सदीव रो ठिकालो : जाळतुकलां, यो, जाळसु नानक (नागीर-राज.)
```

मीजवा टिकालो : मेलंदा, वादा देवाला (नायौर-राज.) नांव । सक्ष्मोकुवारी पू कावत सिक्षा । साथारण चनम-तिथि बार स्थान : देवमड (उदयपुर)

मीजदा काम-काची : राजव सभा श्री सदस्य छत्योड़ी योगियां: 1. मांभास रात (कहाशियां) 2. रति ठाकर री बातां (प्रमुखाद) 3. धमोलक वार्ता 4. गिर धू'वा पू'वा गढा 5. कह चरुवा बात 6. संसार री नामी कालियां 7. राजस्थानी दं

संबह (संपादन) ६. राजस्थानी सोकगीत (संपादन) 9, सा 10. बीरबांस (संवादक)

पत्र-पत्रिकावां में छप्योड़ी रखनावां : मध्वाखी, मध्मारती, राजस्थानी बीर झा क्षतेक पत्रों में कहाशियों घर लेख छप्या दूनी सुबनावी : बगड़ावत लोक काव्य रो संपादन चालू-हिन्दी री पोथिया प्र

लिसी---केन्द्रीय धर शाबस्थान साहित्य धकादमी रा सदस्य-राजस्यान विधान समा रा सदस्य रेथा--राजस्यान कांग्रेस र धप्यश रैया—जापान, रूस बाद देशां से जातरा करी—सोविय मूमि पुरस्कार मिल्यो-राजस्थानी मासा शी मानता सास कोशीत

1638

सहीय रो ठिकाली : सदयीनिवास काँटेज, वयदील मार्ग, बनी पार्क, वयपुर-6 मौत्रदा ठिकालो : यूपर मुजब

1

मांव : सरमोनारायण संगी विज्ञा : एव. ए. (हिन्दी), मी एड. बनम-निव चर ब्यान : 25 दिगंबर 1935 हैं., महिद्दा पी, मामानेशे (त्रवपुर) मीतुबा साम-सम्मी : याध्यारकी श्रेट्याची मीववा! : कविनायों चर मोड-कवायों निवी है स्टीस से दिस्सी : मीव-माहिद्दा, पी. सामानेशे (सांशेहुई-जवपुर-राजः) मीता दिकारों : स्थार माज

बुची सुचवाता : बायणवाती तुं ययगाया मुलाई—हाहोती सः बीता सै कीती त्वार है करोद से दिवाली : बंधी (शय-)

करीय से दिवालो : बुंधी (शयः) बोद्दा दिवालो : युरर मुख्य नांव : लानसंकर हूं गरबी जोशी सिक्षा : एम. ए.. (हिन्दी-संस्कृत), पीएन. डी.

चनम-तिथि घर स्थान : 20 जनवरी 1918 ई., वमासा (द्व'गरपुर-राज.)

मीजूदर काल-धन्यो : आध्यापकी

पत्र-रिकानों में ख्योड़ी रथनानों : विशाल,मारत, राष्ट्रवीसा, फॉक्तीर, राजस्या भारती, पविक, महभारती, संपतिषु, गंद साया साट वर्षां में साया-साहत, नागडी सोव

संस्किति साद स्रमेक विसर्यापर लेख छप्या बुजी सुचनावां । बाजदी बोली, साहित्य, व्याकरण घर संस्किति पर खासा काम

बूजा सुचनाया व्यावद्ग वाला, साहहत्य, ज्याकरण घर सारकात पर वासा काम कर्योड़ो है—सोचनाय्य घी लिस्सी है—सोच द्याची रा निर्देशक है—सात्र श्रीवत्या में स्रवेक संगठनां रा स्रवेक पदी पर रैया—कर्ष

पदक घर पुरस्कार की पढाई करको वसत लिया सरीव रो ठिकालो : बवासा (हु तरपुर-राजः) भीजना ठिकालो : गांबीयाहो, भोजसा (गुजराल्भ

मांव : विजयदान देवा सिका : एम. ए. (प्री.-हिन्दी)

जनम-तिथि सर स्थान : 1-12-1926 ई., बोरू'दा (ओसपूर)

भागमाताय सर स्थान : 1-12-1920 इ., बारू दा (भौजशा काम चन्छो : निजी संस्था री देशा

प्रवाही पीविषा : 1. वार्ता रो फुलवाड़ी (यनेक आव) 2. साहित्य भीर स्वता

 वीडोराव
 पत्र-पत्रिकावां में ख्य्योदी रथवावां : प्रीरखा, वरंतरा, वाली, लीक संस्कृति नांवा पत्रां में कहाखियां छ्वी

पना न कहात्त्वा, द्वा दुश्री सुखनावां : स्रोक संस्कृति नोव र द्वापं रो संपादन करें—स्पायन स्रोध संस्य रा पदाधिकारी है—राजस्थानी लोक-कपावां ने प्राप रो बोली

निर्दे सरीद से ठिकामो : नोरुंदा (नोधपुर)

मीद्रश ठिडाणी : मुपर मुजन

र्माव : विनोद सोमाएगे 'हँस'

सिला : एम, ए., ए. एफ. श्राइ. श्राइ.

बनम-तिथि ग्रर स्थान : 4-11-1938 ई., महेन्द्रगढ (मीतवाडा)

मीनुरा काम-धंधो : जीवन बीमा निगम शी सेवा

ण्य-पिकारों में छऱ्योड़ी रचनावां : मध्यासी, मधुमती, जलमभीम, हराबळ, जागती जीत, मुमस साद पत्रां में सरी

कृती सुक्तावां : हिन्दी उपन्यास घर कवितावां री पोधियां स्व्योही—माहासवाणी सू रक्तावां सुर्शाई—राजस्थानी साहित्य सम्मेतन, बोवपुर रा

चदस्य सबीव रो दिकाणो : 61, नहर मोहस्लो, धवमेर (राजः) मौतुदा किलालो : झपर मुजव

नांव : बिपिन जारोती
सिक्ता : बी. ए., सिक्कोत एवं साहित्य विचारत, सी. सिव. एवधी,
जनम-तिथि घर क्यान : 2-1-1935 है, कानोड़ (उदस्पूर)
सीनुत्र काम-पानी : पुरतकासमाध्यत
पत्र-पत्रिकास में प्रत्योड़ी रचनावां : शब्दाणी, मधुनती, हरावळ, रावस्थान-विकास
साथ स्वरेक पत्रो में स्वरी

वृत्री सुवनायो : हिन्दी कनितायो री घर दुना विसर्वा री पीपियां स्पी-कई पर्य क्षर पोपियां री संपादन कर्यो-पीतायळी रा कुल मंत्रा री अनुसाद कर्यो-भानेक संग-वंशां वें दयनायां स्पराई-अस्तर

प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद् रा सदस्य सदीय रो ठिकालो : कानोड़ (उदयपुर) भौडूबा ठिकालो : जवाहर विद्यापीठ, कानोड़ (उदयपुर-सन.) श्रीय : विश्वनाच सर्मा 'विश्वतेश'

सिला: एम.घो-एस., सा. रत्न, साहित्यालंकार

वनम-तिषि घर श्यान : 5-4-1927 ई., फू. फालुं (राज.)

मीजूरा काम-मत्यो : जाध्यापकी

क्ष्म्योड़ी पोषियां : 1. सत्तपकवानी 2. छेड़सानी 3. कूपराणी 4, दसकीकी 5. भीता 6, शासकवा 7. मीरस में रस हास्य

 वाता ६, रामक्या 7. नारस म रस हास्य पत्र-पत्रिकानों में छुत्योद्दी रथनरावी शास अनेक पत्रों में हास्य कवितानां

छपी पुत्री सुबशंवा: हिन्दी कवितावां शे घोषियां त्री छपी है—पाकासवासी सूं पर

सकावमी, उदयपुर घर बारवाड़ी सन्मेलन, बंबई सूं पुरस्कार

ध. मा. कवि-सन्मेलनां ने रथनावां सुएगई---राजस्थान साहित्य

सवीव रो विकासो : पांति कुटीर, मूं भल्यू ं (राव.) मीनुदा विकालो : श्वर सुजब

मोब : विश्वंशस्त्रशाद सामां 'विद्याची'

विका : एव.ए. (समाय गास्त्र-राजगीति गास्त्र), वी. एड. श्रुवम-तिथि घर स्थान । 7-2-1934 ई., मुजानगर (पुरू-राज.)

मौत्रुदा काम-चन्धो : घष्यापकी दायोडी वोषिवा : कंबडी (1963 ई०)

पत्र-पत्रिकार्या हे रूप्योड़ी रचनार्या : मरवाली, राजस्थानी वीर बाद पत्रों में मनेक

रणनावां ग्रामे समोव सो डिकारमे : विवेक कुटीर, मुखानवट (बुर-राजः)

मीवदा दिखालो । यपर थयद

ਸੀਰ : ਕੇਟਰਗਰ सिक्षा : बी.ए., सा. रत्न

बनम-तिथि घर स्थान : १-7-1942 ई., मीरपुर सात (विध-पाहिस्तान)

मौजदा काम-यन्धो : बाकासवाणी-सेवा

द्धप्योदी पोवियाँ : 1. कीबीनगरी (गीत) 2. परमवीर गाया 3. धरती हेती

मारे 4. गांधी प्रकास 5. बाज रा कवि (संपादन) राजस्थान के लोक तीय (संपादन)

पत्र-पत्रिकाको में द्रत्योड़ी रचनावां : महवासी, बोळमी बाद बनेड पत्रों में कविताको

गर सेस स्टब्स दूनी सुचनावा : बाकासवाली मूं धनेक रचनावां मुलाई-शंकर कृश्य री कवितावी शे राजस्थानी धनुवाद करयो-साहित्यक संगठना में रृषि राले

सदीव री डिकास्पे : मुली जंबतन (जोवपर-राज.) मौत्रवा दिकाची : बाकासवासी, व्यवपूर-1

साब : शस्त्रियाम कविया

सिक्षा : एम.ए., (हिन्दी) वीएच. शी. समय-तिथि कर स्थान : 17 जुनाई सन् 1940 ई., बिराई (शेरगढ़-शेपार)

मीज्या साथ-कामी : प्राध्यावकी (जीवपर विकविद्यानय)

श्च्योशी की बर्धा मोहायना (संपादन 1966 ई.) रंगभीनी (संपादन-1965 f.)

काव्य कृत्य (संपादन-1966 ई.) नासीली (संपादय-1963 ई.)

पत्र-पत्रिकार्था में स्ट्योड़ी रचनायां : मरूबागी, मयुमेरी, वागुडारी बाद वर्श में धरी कृती मुख्याची : आकामवाली शुं रचनावां मुलाई—डिवर 🗟 ऐतिहारिड अराव बाट्य-बाब रो सोव-धन्य निव्यो

वदीव से टिबाली : दांव दिवाई, थी. वटाव्वर (बीवपुर-सब.) मोमुश डिकालो : हिन्दी विवाय, बोक्यूर विश्वविद्यायन, बोब्युर

भीव : शबीन्द्र चवाध्याय

सिक्षा: बी.ए., सा. रतन

बनम-तिथि बार स्थान : 13 बगस्त सन् 1933 ई., बटरू (कीटा) भीज्या काम-धन्धो : राज-सेवा (रेलवे)

पत्र-पत्रिकाको में छत्योडी रचनाको : मरवास्ती, मधुमती माद पत्रो घर संग्र-प्रेयो कहासियां छपी

दुवी सुवनावा : हिन्दी कहालियां घर उपन्यासा री व पोषियां छपी--राजस्य साहित्व चकादमी रा सदस्य रैया-चकादमी सू' पुरस्कार निश्ये सोनं शे सकतो की फिल्पो सरीव रो ठिकालो : घटक (कोटा-राज.) मीबुदा ठिकालो : पोस्ट ब्रोफिस चोड. श्रीमपंडी, कोटा (राज.)

नांच : शम्भसिष्ठ 'मध' तिसा : स्नातक, विधिछात्र

मनम-तिथि बार स्थान : 27 धगस्त 1946 ई., स्वयपूर (राज.)

भीतृश काम-बायी : यलवारनवीसी पत-पतिकारा में राज्योही रचनावां : मजूनती, प्रीरणा, कीलाइल साद पता में गी कवितावो धपी

पूरी सुषमावा : विद्याची शीवता में धनेक पुरस्कार प्राप्त-प्रनेक सामाजिक : साहिरियक सरवार्या सं संबंध राखे वरीय शे ठिवाचो : द्वियां से मोहरो, गरा स चारी, स्थयपर (राज.)

भीवदा ठिकाली : सपर भवन

नोव : शम्यूरित् सनोहर सिक्षा : एम.ए., एसएस. बी.

जनम-तिषि धर स्थान : 11-2-1929 ई.. पालराखेड़ा (मदसोर-म. प्रदेश) मौजूबा काम-धन्यो : प्राच्यापकी (राजस्थान विक्वविद्यालय)

खम्बोड़ी पोषियां : ढोला मारू रा दूहा (संवादन-1968 ई.) मीरा पदावली (संवादन-1969 ई.)

थीर सतसई (संवादन) पत्र पत्रिकाथों में हरपोड़ी रचनावां : ना. प्र. पत्रिका, सर्मारती, गीव पत्रिका, सरस्वती, परम्परा, शीखा झाद पत्री में होप

संबंधी सेख छत्या

दुवी सूचनावां: 'रतन महेसदासीत री यचनिका' रो वाठ-संगदन कर्यो-धाकासवाधी सं समीकावां प्रसारित करि

सवीव रो ठिकारणे : गांव-मादवा (जयपुर) मीजुदा ठिकायो : श्रीसवाई सदन, जोवनेर शान, जयपुर

नांव : श्याम महर्षि

भौद्रदा ठिकाको : यपर मृजव

मीद : श्यानकुरूर दुरोहिल 'ब्योक्त' विद्या : प्यान, बीरएक, बार्डजी-डी. विद्या : 25 जुलाई छत् 1933 ई., जैवतमेर (राज.) बीरूक काम-प्यान : प्राप्याकडी स्वन्याकडी के प्राप्योक्त राजावी : प्राप्याकडी राजावी : प्राप्याकडी के प्राप्याची प्राप्य

भीव : धीन्ता (बरनोई विका: एम ए, (हिन्दी) की. एड. कमन-तिथि सर स्थान: 15 जुन शत् 1939 ई., जयशिहदेशर सगरा (नीजा-कीकानेर) भीन्ता काम-सम्थो : सम्यायकी

क्ष्योमें गोषियां : 'माळा' गांव रे शंब' में कविता लगी देवी सुवतावां : धनेक सर्व-मन्यां घर पत्रों में दिन्दी रचनावां लगी वर्षोय रो डिकाली : ज्यांसिंह्टेसर मयरा (देसलोक-मीकानेर) मोहुरा डिकाली : ध्वी जैन ज. गा. विवासय, बीकानेर नांव । भीचन्दराय

सिक्षा : बी.ए., विचारद, साहित्यपूर्ण

बनम-तिथि ग्रर स्थान : 19 मार्च सन् 1906 ई., डोडवास्त्री (नागौर)

मोजूबा-काम-धन्यो : राज-सेवा (प्रधानाध्यापक) रा वेंसनर

पत्र-पत्रिक्तावां में दुःयोड़ी रचनावां : राजस्थानी, राजस्थानी भीर, माहेशर झाह पत्री में बार संबै-मंत्री में कहालियां श्री

पना स घर सप्र-प्रया न कहा एवा छत्ता भ्रालुद्वपी पोवियां : राजस्थाना कहा एवा, सधुक्यावां, नई क्यावां झर एकांकी नाटक रो 5-6 घोषियां

सदीव रो ठिकालो : सादुन कोलोनी, बोकानेर

मौजूदा ठिकाणो : मुपर मुजब

नाव : धीनंदन ब्युवेंदी विश्वा: एम. ए. वी. एक्. बनम-विधि बाद स्थान : 19 सक्तूबर 1936 ई., कोटा (राज.) मीदुवा काम-वर्षा : बस्यापकी वन-विश्वास में बहुन्योहो रक्ताबो : हाहोती हुंबार, विश्वन्य बाद रहो में सर हाहोती रा कवियो---सेवकर्ष रा धर्म-प्रथा में पत्त-पाणी रा कवियो---सेवकर्ष रा धर्म-प्रथा में

दूजी सूचनावां : हिन्दी रचनावां श्री कर्-मारतेन्तु समिति, कोटा रा धविकारी, विदानसा पविका रा श्रृतंषु संगादक

सदीय रो ठिकाछो : 17/319, बनाजवानी, यंटापर, बाकीत पाड़ी, कोटा-6 मौजूदा ठिकाछो : भूपर मुजब नोव । थोमंतकुमार ध्यास सिक्षा: सा, रत्न, प्रमाकर

जनम तिथि घर स्थान : 3-12-1927 ई., लाडन् (नागीर) मीन्दा काम-यायो : राज-सेवा (नगरपालिका ग्रामकारी)

क्ष्मोड़ी पोविया : बळगोजो (संपादन), पूजारा फूल संपादन),वागां रा फूल (संपादन), थ्यारह राजस्थानी एकांकी, राजस्थानी हास्य एकांकी, रामदत, मेनत मुळके, घरती यारी है, राजस्यानी लोक कथावो, ज्यार दकां सी ज्वार बातां, धन और घरती, स्पेतल मीटिंग

इजी मुक्तनार्वा । एक-पश्चिकाकों में बार रेडियों सं सी रचनावां छुत्री घर सर्वाईजी सदीव शे ठिकालो : ब्यास कटोर, लाडन' (नागीर) भीवदा ठिकालो : मंडावा (अ'मला-राजः)

गाँव : धीमास मयक्रमओ कोशी सिका । वी.ए., प्रमाहर

जनम-तिथि धर स्थात : माध सुदी 7 संबत् 1978 वि., बीकानेर

मीजदा काम-प्राथी : राज-सेवा (रेलवे)

इच्योबी पोवियां : ग्रामें पटकी (1956 ई.) संबदका (1960 ई.) घोरां रो

बोरी(1968 ई.) बापला बापुओ (1969 ई.) परण्योदी कंदारी (1973 ई.) एक बीनएी वो बीन (1973 ई.)

राज, मशिमाळा (संपादन)

वत्र-पत्रिकाकों में खुट्योडी रखनायों ! अनुवासी, लादेसर, सरवर, राजस्यानी बीर प्राद पत्रां में रेसाबित्र, निबंध बाद सप्या

दुनो सुचनावां : सायुत राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीटपृट, बीकानेर, सर्वोदय साहित्य संस्थान, बीकानेर, राजस्थानी माता समिति, बीकानेर रा प्रधिकारी रैया-भवार परीक्षा सचिव, राजस्थान भासा-प्रचार सभा. खबपर घर मानद सचिव, राजस्थानी मापा साहित्य संगम (प्रकादम)रे, बीकानेर-1965 ई. में बाठिया पुरस्कार मिल्यो

सदीव री ठिकाणी : सोनगिरी चौक, बीकानेर

मोत्रुवा ठिकासो : सू पर मुजव

मौव : शिव पांडे सिक्षा : राजस्थानी साहित विसारद

सनम-तिथि घर स्थान : 5-11-1931 ई., बीकानेर मौतुरा काम-यन्थो । राज-सेवा (वर्कवाँव वेंटर)

मानुदा काम-यन्या । राज-सवा (वकताव पटर) द्यम्पोड़ो रचनावा : 'मोनिवक' नांव रे संग्रे में घर यूत्री कह पीपिया में छपी है— मञनावसी नांव री एक पोषी न्यारी श्री छपी है

मजनावती नोव री एक वोषी व्याधी श्री छ्वी है दूनी सूचनावा : बारतीय विद्या मन्दिर बोष प्रविष्ठान श्रुं संबंध रात्रै—कि सम्मेलना वे कवित्रात्मार करें

सबीव रो ठिकाणो : मोहल्लो हनूमान हत्यो, घोकानेर (राब.) मौनूबा ठिकाणो : धूपर मुजब

नांव : शिवराज र्युगाणी

तिलाः एम.ए., बी.एड. सनम-तिथि सर स्थानः 21 नवंबर सन् 1938 ई., बीकानेर मीनुदा काम-याथोः सम्बारकी (तीनियम टीवर)

द्भावित्रों वीवित्रां : अंश्वित्रारं (रेलावित्र) वत्र-पित्रवाची में द्वयोदी रवनावां : बरनायी, राजस्वानी-बीर, मयुनती, बातावन साथ वर्ता में सर 'सळवोडी' नाव र संस्थान

में छूपी सहीय सो ठिकालो : नत्युवह वेट, बीडानेद मोदरा टिकालो : धुनर नुजन नांव : शिवसिंह स्रोयल (सीरवी) सिक्ता : मैटिक, विशारद (प्रयाग), जे.टी.सी.

अनम-तिथि धर स्थान : 12-7-1921 ई., भावी (जोधपुर)

भौजदाकाम-धंघो : ब्रध्यापकी

प्रणप्रयो पोषिया : 1. राजस्थानी लोकगीत माग-2 (1962 ई.)

2. नृष बृहिया (2009 वि) 3. बाई वानंद विसास (2003 Fr.)

पत्र-पत्रिकावां में छत्योदी रचनावां : बहवाली, बहमारती, राजस्वात-भारती, बरदा, ना. प्र. पत्रिका, सरस्वती, सम्मेलन-पत्रिका साद में स्त्री

सूत्री सूचनावां : सीरवी जाति रो इतिहास घर दूत्री पोवियां भी खरी है सबीब रो ठिकालो : चोवलां थी गवादी, फालरिया र करें, थो. भावी (ओपपूर-राज.)

मीनशा दिकाणी : च. स. ते. राजकीय माध्य, इक्षल आवी (बोधपर-राजः)

नोव : सरयनारायल 'समन'

सिसा : बी. ए. (श्रेंबी), प्रवाकर, सा. रतन, नाव्यालंकार, काव्यवनीयी बनम-तिबि घर स्थान : मंगीनर यदी 7, संबन 1983 वि., बीहवाणी (गरतगढ-श्रीकारेश

भीत्रहा काल-बांची : धाकासवाछी-सेवा सन्धोडी चोवियां : सीसदान (काण्य-2018 वि.) वृद्धिया (ब्रास्य-2018 वि.) मंदार (मधन-2011 वि.)

वन्न-विज्ञानों में एप्योधी रचनावां : मरवासी, मध्यती, मादेसर, जनममीम, घोळमी बाद पत्रों में छत्री

क्षेत्रो सुचनावा : ब्राकासवाछी पर राजस्थानी रा धनेक श्रोधान करें-वित सम्मेननां में विद्या-पाठ करें

सरीय रो डिकालो । श्रीहवाली, यो, बोकतसर भीत्रंग विकाली :

नोब : सरवनस्थाण स्वामी सिक्षा : मेम. ए., पीएप. हो., राजस्थानी साहित सिरोमणी बनम-तिषि घर स्थान : 2–5–1938 ई. बीकानेर मोहुरा काम-स्थामो : राज-सेवा (स. पुरतकाच्यत, राज- दाज्य प्रतिनेकागार,

बीकानेर) यत्र-सिक्कादों में एप्योड़ी रचनावों : विश्वमारती प्रिका, राजस्यान मारती, भयुमती, सा हिन्दस्तान, वैवारिको, मह मारती

साद में वेच द्या दूबी सुबनावी: 'आगापीओं' रो दंपाटन कर्यो—गास्त्यानी व्याकरण पर सीच करें—महातदि समयमुदर रे राजस्यानी साहित्य पर सीच करें—महातदि समयमुदर रे राजस्यानी साहित्य पर सीच करें सोचे से राजस्यानी साहित्य पर सीच करें सोचे से राजस्यानी साहित्य पर सीच करें से सीचे से राजस्यानी साहित्य पर सीचे से राजस्यानी साहित्य पर प्रजब

नांव: सरवप्रकाश मांहनकाल जोशी विक्ता: एम- ए., (हिन्दी), माट्यदास्त्र हिप्सोमा कनम-विधि कर स्थान: 20-3-1926, जोबपुर मीजदर काम-पन्धी: बाम्यापकी

श्चनोड़ी दीवियां : रामा (1960 ई.) वीवा कार्प वसू, बांबी (मनुवाब) सहस्र जा वसे (1969 ई.) वोत मारवलो (1973 ई.)

सरकर वा यम (1998 के) बाल नारका (1998 के) पद-पत्रिकायों में छत्योंड़ी पत्रवायों : मधुसती, राजस्थानी बोर, जसनमीम, घोड़मी, सरुवाली आद पत्रां सर दूता संग्रे-पंची में कवितायों छापी

दूसी सूचनाचोः 'हरावळ' पत्र री वापना धर संगादन —हिन्दी रचनावी री पोधी भी खुवी

सदीव रो ठिकालो : सकराला मोहस्तो, जोवपुर मोजदा ठिकालो । सुरव कुटीर, मार्थे रोड, मालाइ, बंबई 64 मांव : सत्येन जोती सिक्षा : इन्टरमीडिएट

जनम-तिथि धर स्थान : 2-10-1934 ई., जोषपुर

मौजूरा काय-पंत्री : राज-सेवा (वरिष्ठ लिपिक)

पत्र-पत्रिकानां में छत्योद्रो रचनायो : मर्गनाली बाद पत्रो में कवितानां छत्री दूजो पूचनावो : पाकाशवाली मुं कवितानां सुलाई—हिन्दी रचनानां भी करं— 'कवळ-पत्रा' नाव रो उपन्यास स्थार है

सदीव रो डिकाशी: बोसियां री खटकळ, मीमबी रो मोहरुतो, जोवपुर (राजः) मौदूरा दिकाशो: मूपर मुजब

नाव : सवाईसिंह रोलावत

विकाः सावारण

सनम-तिथि घर स्थान : चैत वदी 9, संबत् 1984 वि., वयोरा (भूंभालूं)-राज.) मौदूदा काम-धंमी : प्राकासवाली-तेवा

एत्योड्री पोविषां : 1. सैतान सुबस (संपादन-1964 ई.)

2. वीस प्रकास (संपादन-1965 ई.) 3. गांधी गाया

चित्तीड़ के जीहर व शाके (1968 ई.)

पत्र-पत्रिकाकों में ख्राच्योड़ी रचनाको : संय-जिन्छ, वयुमती, सर्वाणी, सादेसर, क्षीत्रयों, स्वसमयोग, साहसारी साद पत्रों में सर देत रा दुवा सरेक देनिक, सार्थाहिक साहिक पात्रीक पत्री में क्षी सरी

दूबी सुबनाबी : सम्मामें झर संय-शक्ति ये संवादन कर्यो—पाकाशवाली पर रजनावां जुलावे-राजस्थानी भाषा साहित्य संवय(पकादमी), बीकानेर रा सबस्य-राजस्थानी साहित्य सम्मेवन बोवपूर रा प्रविकारी

सरीय रो ठिकालो : धमोरा (नवतगढ़-मू मलू-राव.)

मौजूदा ठिकाणी : घाकाशवाली, अयपुर-1

माव : संवायसिंह शामासन सिक्षा : एम. ए.. (हिन्दी) क्षतम-तिथि घर स्थान : 5-7-1939 ई, कारीही (भीचवाड़ा) मौजुदा काम-यन्थी : प्राध्यापकी (भू, नो, कामेज, उदयपुर

वक्र-पतिकाबों में छत्वोड़ी रखनाथी । मर्वाणी, मध्यती, संध-शक्ति धाद वर्श में काम्य-रचनावां धरी

हुनी सुधनावो : राजस्थान साहित्य सकादमी रो कहाली पुरस्कार (प्रथम) 1964 £ # firen

सरीव रो ठिकाणो : शिव निवास, कारोही (मीलवाडा) भीतवा ठिकाणी : धम्पदा, हिन्दी बिमान, मणान नोबस्त कांनेज जनवर (राज.)

सिक्षाः साधारस जनम-तिथि घर स्थान : 10-19-1948 ई., बीकानेर मीजहा कान-वन्धो : घटशपकी (प्राथमिक विद्यालय)

पत्र-पत्रिकावां में छम्योही रचनावां : हरावळ मासिक में. घर 'माळा' नांद रै सम्बन्धं में कहाश्चियां खरी

सबीव रो ठिकारणो : ठि. कानीराथ सागरमस महर्षि दवानन्द मार्ग, बीकानेर (राज.) मौजूदा ठिकाको : गुपर मुजन

ulw: भोवर बहुया

```
श्रीव : सांवळदान चालिया
मिला: साधारण घर परस्परागत
क्रम-तिथि-सर स्वान । संयक्तिर सुदी 7 संबत् 1951 वि., कड़िया (नायद्वारा⊸
                     घदयपर ।
मौत्रहा काम-पायो : खेती
```

क्योड़ी पोषियां : प्राचीन राजस्थानी भीत संग्रह माग 1 सूं 5 (संपादन)

ग्रहाशास्त्र पोषिया । 1. 'महाभारत रूपक' (छंदग्रन्थ)

2. बारत घट विरदावली (काव्य)

वद-पत्रिकावों में हर्ष्योड़ी रचनावां : योच पत्रिका, मरुवाखी, मयुवती, संघ-शक्ति बाद में काव्य-रचनावां खपी

वृत्री सुवनावा : राजस्यानी काव्य-रचनावी पर तीन पुरस्कार मिल्या-प्राकासवाछी श्रं रचनाची मृलाई

सरीय रो ठिकाची : मोर्या वृद्धियां (वाया स्टब्यूर-राज.)

मीन वा दिवाली : भूपर मुजब

शांव : शीताराम महर्षि

शिक्ता । इ'टर, सा. रल सनम-तिथि घर स्थान : सावल नदी 5 संबन् 1989 वि., तारी धावड़ी (रहनगढ़-

पुरु) धीश्वा काम-वन्त्री : नेवल

छचोडी पोविया : 1. शिवभोड़ (बाध्य-2023 वि) 2. श्रीव वीड पी पात (बाय-2028 दि)

क्षत्र-विश्वादों में खुरवोड़ी दक्षतायां । बोड़नी, मद्बाली, बगवधीन बाद क्यों वें कवितावां धारी

बची तुचनावां : राजस्वानी वापा साहित्य संगम (धवावयी) बीवानेर रा सदस्य रैंबा-हिन्दी रचनावां से वर्ड वोदियां धायोरी-घोटमो स शहायक संपादक-धावासवाली मु एवनाथी मुनाई

सरीय थे दिवालो : ब्रुप्त कृतीर, रतनया (बुर-राज.)

भीवश दिवालो : यत्र मृत्रव

मार १ मेंशावनितृ वालावक विभाग इ.स.. ए.. (दिली)

भवन-रिशि भार क्यान : 5-7-1939 है, कारीही (भीत्राह) भोदूरा बान नामी : त्राराहती (मू. मी, कारेन, करवाूर क्य विभागों में प्राचीही एकनमा : महुवाही, महुनती, संब-सर्कि पार कार्रे

बाग-रचनार्था छा। पूत्री सूचनार्थाः राजस्थान साहित्य धकारमी रो बहाणी पुरस्कार (बचन) 1964 है. में विकास

४९०४ ६. स श्वरूपा सरीव रो डिवामो : सिव निवास, कारोही (मीनवाड़ा) मीश्वरा डिवामो : सम्मान, हिन्दी विवास, मूत्राव मीनवस कॉलेब, सरवपुर (राज.)

तिशा : वावारण सन्त-तिवि श्रद स्थान : 10-19-19-48 ई., बीकानेर मीजहां काम-याओं : श्रदश्यकी (श्रविक विवासय)

नोव । सोवट वहवा

मानुहर काम-पाया । करारका (करायक माहिक में घर 'माळा' नांव रै सम्रामितकायां में स्ट्रायोड़ी रचनावी : हरावळ माहिक में घर 'माळा' नांव रै सम्रामित में कहारिएयां खरी

सम्बद्धा र विकालो : िक कानीराम सामरमा समृत्य दयानन्द वार्ग, बीकानेर (राज.) मीद्वा विकालो : कृपर गुजन भोव : सोवळवान द्यासिया

सिक्षा: साधारण भर परम्परागत

सनम-तिपि-धर स्थान । भंगसिर सुदी 7 संबत् 1951 वि., कड़ियां (नायदारा-पदयपर)

भौजवा काम-घन्धो : वेती

द्याश वीवियो : प्राचीन राजस्थानी गीत संबह भाग 1 सूं 5 (संपादन)

ग्राहको पोवियां : 1, 'महाभारत रूपक' (संदबन्य)

2. मारत मह विरदावनी (काव्य)

यत्र-यत्रिकारों में क्ष्योड़ी रचनावाँ: छोच पत्रिका, मर्वाशी, संप्रन्थिक साद में काव्य-रचनावां छुपी

दूवी सूचनावां : राज्यस्थानी काव्य-रचनावां पर तीन पुरस्कार मिल्या---प्राकासवासी सं रचनावां सलाई

पू रचनाचा जुलाइ सरीव पो ठिकाको : मोरवो कडियां (शवा जवयपुर-शज.)

मौज्ञूषा ठिकासो : सूपर मुजव

मांद : सीताराम महवि

सिक्ताः इंटर, सा. रत्न

श्वनम-तिथि प्रर स्थान : सावल बदी 5 संबत् 1989 वि., खारी छावड़ी (रहनगढ़-

मीत्रदा काम-बन्धी : लेखणु-

एप्पोड़ी पोषियां : 1. रिमभोळ (काव्य-2023 वि.)

2. श्रीत पीड़ री पाळ (काश्य-2028 (त.)

वन-पित्रशर्वों में ख्योड़ी रचनार्वा! घोळमो, मरुवारो), जलवसोस छाद वनां में कवितार्वा छुरी

बुत्री शुवनार्था : राजस्थांनी भाषा साहित्य संवम (सकावधी) श्रीकातेर रा सदस्य रैया—हिन्दी रचनार्था री कई पोषियां स्रप्योही—स्रोडमो रा

श्रहायक संपादक—झाकासवाली मूं रचनावां शुलाई सरोव रो ठिकालो : कृप्ल कुटीर, रतनगढ़ (बूर—राज.)

भौतुरा ठिकाछो : सुपर मुजब

त्रकः विद्याद्वर् सम्बद्धः विकारः एकः ए । द्वितीः)

मन्य-विर्णि कर नवान र 5-7-1939 है , वारीही (जीनशहा) मोहरा कार माथी र वापराशरी (मृ. सी, वाचेन, वरस्पुर

क्षेत्र वरिकाको के साथोड़ी एकनपर र लगुनारी, बपुत्रारी, संप-गांक प्रार को में बारन-एक्सानो द्वरी हुवी सुक्ष्याको : राजन्यान कारिक सजारती को कहाली पुरस्कार (हक्स)

1954 है. में निक्यो सरीच को क्रियाओ : निव निवास, कारोही (बीचवाड़ा) भीडुता विकासो : पाम्या, हिल्मी दिवास, मूलक नोवाब कनिव, बरवपुर (चार.)

नांच ! सांचर वहाया तिसाः ! वापारेता सन्द-तिथि सर स्थाव ! 10-19-1948 है, बीकानेर सीका काम-सन्धे ! सरशयकी (साधीमक विद्यालय)

सीमृश कान-वन्धो : घरशयको (प्राथमिक विद्यालय) वन-पनिकार्य में एरयोड़ी रचनावो : हरावळ मासिक यें. सा 'माळा' नांव रै

वन-मानकाका म हा-मान्। सर्व-मंत्र में कहारियमं खरी सर्वी- सं कहारियमं खरी सरीव रो ठिकालो : ि. कानीराम सागरमल वहाँच दवानन्द मापे, बीकानेर (राज.)

मौडूबा ठिकाचो : धूपर मुजन

```
नोव : सांवळदान प्रातिया
सिक्ता : सामारण घर परम्परागत
कनम-तिर्पि-ग्रर स्पानः संयक्षिर सुदी 7 संबत् 1951 वि., कड़िकां (नायडारा-
                     चदवपुर)
```

मीजदा काम-घःषो : सेती द्धन्योही पोषियां : प्राचीन राजस्थानी बीत संबद्ध भाग 1 सूर 5 (संपादन)

ग्राणक्ष्मी मोषियो । 1. 'महामारत रूपक' (छंदग्रन्य)

2. मारत मह विरदावली (काव्य) पत्र-पत्रिका**वों में छ्रंथोड़ो रचनावो** : योच पत्रिका, मरुवासी, सधुमती, संध-शक्ति धाद में कान्य-रचनावां खपी

धनी सचनावां : राजस्वानी कान्य-रचनावां पर तीन पुरस्कार मिल्या-प्राकासवाणी सं रचनायो सरगाई सदीव री ठिकाणी : मोरबो कडियां (बाबा उदयपूर-राज.)

भीज का डिकाफी: धपर मुजब

नोवः सीताराम महर्षि सिक्सा: इंटर, सा. रतन

मीतदा काम-बाको : नेसण -

क्रमम-तिथि घर स्थान : सावश वदी 5 संबत 1989 वि., शारी छावडी (रतनगढ-

ध्रुषोडी पोषियां : 1. रिमभोळ (काव्य-2023 वि.) प्रीत पीड पी पाळ (काव्य-2028 वि.)

यत्र-यत्रिकार्यां में धर्म्योक्षे रथनार्था । मोळमो , मर्वाक्षी , यत्वमीम घाट पत्रो स कवितावां स्थी

वजी सुचनावां : राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (धकादमी) बीकानेर रा सदस्य -रैवा-हिन्दी रचनावां नी कई पोविया खप्योही-बोळगो रा श्रहायक

सदीव दो " मीगुरा '

मीव : सुबोधकुमार स्वयनास सिद्धा : साधारख

जनम-तिथि घर स्थान : वि. संबत् 1976, पुरू (राजः)

मौजूबा काम-धन्धो : व्यवसाय

पत्र-पत्रिकावां में छ्पी रजनावां : मरुवार्गो, मरुवी भाद पत्रां में भर संग्र-प्रण में भी छ्यी

हुओ सुचनावां: हिल्पी में 'पांसी' नांव रै मातिक वन रो संपादन कर्यों —सी संस्कृति स्रोव संस्थात, दूरू प्रर नगरणी, पुरू री बारना व संवासन —हिल्पी रचनावां से वीपियां रै संपादन-प्रकारण । काम कर्यों

सबीय रो ठिकाको : मगरयो, सुरू (राज.)

मौडुवा डिकालो : बूपर मुजब

मोदः सुमेशीसह शैकावत सिक्षाः एव ए., वी. एड.

सनम-तिथि सर स्थान : 10-9-1935 ई., शरवड़ी (सीकर-राज.)

मीत्रुदा काम-यायो : प्रध्यापकी

दायोही योवियाँ : मेथनाळ (साध्य-1965 €.)

पत्र-पत्रिकाको में छुत्योही रचनाको : मर्वाछी, बीळमो, शबस्यान पत्रिका भार सनैक पत्रो में कवितानो घर छेल छुत्या

क्ष्मी मुख्यावी : ब्राकासवारणी घर कवि-सम्मेतनो में कविता-पाठ--हिन्दी १वनारी भी क्षमी

सदौब शे टिकालो : धानन्दनगर, सीकर (राजः)

भोतूरा विकासी : यूपर सूजन

शंव : मुरेप्स प्रेयल विकाः एम ए. क्यनतिक यह त्यान : 5-2-1939 दै, ब्यावर (एक.) भोजूरा काव-पत्थो : प्रदायकी वत्र विकास में एम्पोड़ी पथ्यावां व मुम्तवी साद पत्रों में घर शबै-याना में द्वरी मूगो मुबनावी : सेहाली, ह्यिता, हॉबिटो-स्पक्त कहाड़ी साद रपनावों कहें—हिंसी एननावों से सेहाली, ह्यिता, हॉबिटो-स्पक्त कहाड़ी साद रपनावों कहें—हिंसी रपनावों से सोधी सुरी—साहित्य विवहन परिचर, सीम सा सांकारी

सशिर री ठिराणी : लाहपूरा मोहरूपी, माळियां री ह्याई, व्यावर (राज,) मीजुबा ठिकाणी : राज, छ. मा. विद्यालय, भीम (उदयपुर)

in:

तीर मुदेत राही विता । ती.द. बनवर-दिस स्ट १ व्यव : 1-8-1936 ई., बीवपुर भीवृत-बाय-प्रयो : स.स्तावाली-नेशा वय-दिश्याती से सभीही १ व्यवासी : राज्यावाय शाहीहर पत्री में करियातों स्त्री पूची पुत्रवारी : साथनावाली जू यर वर्षन साथेवर्गो में वर्षप्रान्याह सभीश से किशमो : हि. प्रान्यानकी श्राक्ष स्त्रीय स्त्रुपुरि, पासी (स्तर्भ) भीकृत किशमो : साथारहाली, सोस्ट्र (स्तर-) नीव : सूरज सेसाबत

सिला : थी, ए.

बनम तिथि धर स्थान : तितम्बर 1945 ई., तेमावटी बन-पत्रिकार्वा में सूच्योड़ी रचनार्था : महवाली, मधुमती धाद वर्ता में सूची इजी मुखनार्था । विद्यार्थी बोबला में कविता-कहाली-निवय प्रतियोगिता में पुरस्कार

लिया सदीव रो डिकाणो : 6/308 डिग्गी सर्वन, ब्यादर (राज.) मौनदा डिकाणो : ध्यर मुजब

नावः सुर्वेशंकर पारीक

धिका : संस्कृत प्रथमा, प्रमाकर (पंजाब)

श्वनम-तिथि घर स्थान : 13 नवस्वर 1922 €., रतनगढ़ (पूरू)

मोजूबा काम-धायो : संस्था-क्षेत्रा (जारतीय विद्या मितर घोष प्रति, वीकानैर में शोध सहायक)

ध्रुत्योड़ी बोधिया: जीव समफ्रोतरी (संवादन-2005 वि.) सरोपों (2007 वि.) सिद्ध वरित्र (शोध ग्रम्थ-2013 वि.) सुरुत्र फुंडाळी (कावय-

सिद्ध परित (शोध धम्य-2013 वि.) सूरत कुडाळा (का 2023 दि.) वन्न-पन्निकार्यो में छुप्योड़ी रखतार्थाः धोळमी. रावस्थान सारती, मस्मारती,

मस्वाली, शीथ पित्रसः, बरुवा, जलममीय, संप्रुपती साद स्पेक पत्रों में राजस्वानी सर हिन्सी कविताली, कडाणियां सर लेख जप्ना

हिन्दी कवितानां, कहाणियां वर लेख व्या कृती सुवनावां : भाकातवाणी सुं रचनावां गुणाई--- तातुल राजः रितने इसरीट्यूट सं परस्कार विक्यो -- राजस्थानी धर डिन्टी री घनेक मीथिक

यदा-पर्व री घर संगादित श्रीवर्धा स्वार है सबीब री ठिकालो : पारीक सदन, रतनयद (चूक-राज.) भोजुबा ठिकालो : भारतीय विद्या-मंदिर शोध प्रतिच्छान, रतन बिहारी पार्छ

बीकानेर (राजः)

```
नांव : सोहनदान चारल
```

निसा: एम. ए (हिन्दी), पीएच.बी.

बनम-तिथि सर स्थान : 15-2-1946 ई.. बारबाड मधाखिया (बोवपूर)

मोन्नरा काल-मन्त्रो : प्राच्यापको (बोयपुर विकायियालय) पत्र-पत्रिकादो ये छप्योद्यो रचनावो : सलकार, परपरा, रंगगोग, स्रोक संस्कृति,

पत्र-पीत्रक्षायां ये छात्र्याक्षा रचनाचाः भनकार, पर्यया, रगयान, सारु सरकार, हरावळ भार पत्रां में कवितायां, भ्याकरण संबंधी लेल ग्रर लोक-सिक्कित रा विसयां यर

लेल ध्या दुवी सुधनावी । राजस्थानी सोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन नांव पूंसीय-यंत्र तिस्थी-राजस्थानी व्याकरण री एक दोवी भी स्थार करी है

सदीव रो ठिकाको : ठि. वस्तिवान्त्री चारण, मेहराजीतां रो बात, मारवाड़ सवाणियां (भोषपुर-राज.) भोडवा ठिकालो : ठि. बेजवान बालवान सवन, नांगोरी गेठ रै मांग, जीवपुर (राज.)

नाव : सीभाग्यसिष्ठ सेवाजत

क्षिता : सावारल

स्वता- राजारण स्वतम-तिथि सर स्वात : 22-7-1924 है., मनतुरो (सीकर-राजः) भीजूरा काम-प्रामी: संस्था-डेम (राजस्थानी सोथ संस्थान, वीशासणी, जीयपुर में शोध सहायक)

सुन्योदो वीविषाः श्रीशुनाहा (स्वास्त्र 2011 हि.) राजस्यानी वार्ता (वंपास्त्र सात्र 3, 4, 7—1957-15 ई.) राजस्यानी स्कृत्त (संवास्त्र 1958 ई.) विकृत्यानी (संवस्त्र-1956 ई.) राजस्यानी सेरज प्रेड सात्र 1—2 (संवस्त-1956 ई.) वस्त्रशिक्ता (संवस्त) सक्त-पिकानों में स्वयोदी स्वयानो : स्टस्त, परंस्त, सक्तारकी, सहसारी, मृत्राती

स्थाप्तकाचा म स्थायहा द्यवाचा : सरहा, प्रथरण, महत्तारा, द्ववाणी, स्थुतली शोष पविका, सम्बेषणा, मा. प्र. पविका, संग्-शक्ति, सामना साद पविवास में स्वितासी, कहारियली बर तेल खुत्या

कुर्यो सुकताथो । योज परिका 'रो संपादन कर्यो--चरंदरा रा सहायक संपादक है--कविता, बहाली घर निर्मेश से पोत्रियो स्वार है--धारपानी से स्वी पोर्विश से सूची स्वार्थ --मास्टिक, संपर्व, से संपादन कर्यो-कई संगीदित घन स्वार

सदीय री ठिकालो : अवतपुरी (बोसल-बोकर-राज.) भोजूरा ठिकाको : राजस्थानी सोध संस्थान, घोषासली, बोधपुर (राज.) नांव : हरीस दिसा: एम. ए., डी. फिल्. लक्षम-तिरित पर स्थान : 8-9-1933 ई., संभूगढ़ (बाया ध्यावर-राज.) भीजूब काम पण्यो : प्राध्यत्वकी एत्योड़ी भीदियां : प्रादिकालं के सजात हिन्दी रास काव्य पत्र-पिक्तवर्ग में प्रत्योड़ी एवजाबां : मक्याणी, मपुणती धाद पत्रां में कवितानों पत्ती नृत्यो पुननावां : पाकासनवाणी मुं भी रचनावां मुणाई—हिन्दी में पीवियां स्त्री स्त्रीक री टिकाले : मामुगढ़ (बाया बायर-राज.)

मीरूबा डिकामी: राजकीय, महा विद्यालय, कोटा (राज.)

नांच : हिरम्मय सनित (उपापरल महनिया) सिसा : डी. ए., डी. एड. बनम-तिथ घर स्थान : 10-7-1947 है., फूंगर्यू (राजः) भीजूस स्थान-व्याची : प्रध्यापकी वन-पितासों में स्थानीर प्रकारा : मधुसती, यह बाद पत्रा में स्थी तसीच रो डिकालो : जनावरल महनिया हि. सहनाद राव महनिया मुंगर्यू (राजः) भीजता डिकालो : एक स्थापक सोनोती, विताली (राजः)

नांच . होरामाल माहेरवरी सिला : पन, पू., पनएतः थो., हो. फिलु, हो. नित्, सा. राम, साहित्यालंकार अनम तिथि सर स्थान : 20-1-1931 (दे, सीमेपानगर राज-) सोनुसा साज-पथो : अम्पापको (राज-राज निवनियालय) स्थामि चौरियो : 1. राजण्यानी आगा सीर साहित्य (जन 1960 ई.,)

2. बामेशी, दिन्छोई संत्राय धीर साहित्य (1970 ई.) बुनी मुक्ताचां : उत्तरदरित सरकार, राज्ञत्वात साहित्य प्रकारती तथा ध. मा. मोनेक्टर वेक्ट एस मूं पुक्तार विकास धारतकारों पर वार्तावा प्रमाण-केल स्थारित चंत्र साह है---वार्तावानी घर दिस्सी

क्रजारित-स्तेव स्वादित यंच स्वार है—राजस्यानी ग्रर हिग्री सीव सार्वा श निरेशक है तरीव रो टिकामी : नगेंट सो, 38, ग्रीवसानगर (शन.)

भी हो दिवाही : दी. 174 तु. श्रीवाद वार्य, बायूनवर, वयपूर-क

. . . .

